शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581



E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 317 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 16 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/



भारी वर्षा से कई जिले बाढ़ की चपेट में, पांच दिन बारिश का अलर्ट — पेज 3

बिपरजॉय चक्रवात : गुजरात तट पर मूसलाधार बारिश के साथ समंदर... — पेज 4

अयोद्धा में 32 हजार करोड़ की चल रही हैं परियोजनाएं : योगी — पेज 5

जो दिल पर पत्थर रखकर राजनीति करेगा वही होगा कामयाब : गहलोत — पेज 8



পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344


## मणिपुर : उपद्रवियों ने घर को किया आग के हवाले, भीड़ ने आरएएफ पर बरसाए पत्थर



**इंफाल।** मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को एक बार फिर आगजनी और गोलीबारी की खबरें आईं। इंफाल पूर्व के चेकोन इलाके में एक घर को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत की खबर नहीं है। एक महिला को हल्की चोटें आने की खबर है। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। सेना के जवान घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। इस दौरान भीड़ पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। स्थानीय लोगों को सेना और आरएएफ के जवानों के साथ बहस करते देखा गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर करीब एक बजे की है। उपद्रवियों ने इंफाल पूर्व के चेकोन में एक घर पर आग लगा दी। यह क्षेत्र कॉन्वेंट इंग्लिश स्कूल के बगल में स्थित है और केंद्रीय सशस्त्र बलों के उच्च सुरक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारतीय सेना, 4 जीआर और आरएएफ की टीमों सहित अतिरिक्त बलों को मौके पर भेजा गया है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरएएफ पर भीड़ ने पत्थर भी बरसाए। इससे पहले कुछ उपद्रवियों ने बुधवार को इंफाल पश्चिम के लाम्फेल क्षेत्र में एक मंत्री के घर को आग लगा दी थी। नेमचा किपगेन भाजपा और राज्य सरकार में मंत्री हैं। किपजेन 2017 से भारतीय जनता पार्टी से कांगपोकपी निर्वाचन क्षेत्र से मणिपुर विधानसभा की सदस्य हैं। बुधवार को ही खामेनलोक इलाके के एक गांव में संदिग्ध उपद्रवियों के हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी और 10 अन्य घायल हो गए थे। इस दौरान तीन व्यक्ति लापता भी बताए जा रहे थे। यह क्षेत्र मेइती-बहुल इंफाल ईस्ट जिला और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं से लगा हुआ है। हिंसाग्रस्त मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं पर रोक की अवधि बढ़ा दी गई है। मणिपुर में इंटरनेट बैन पांच दिन और हो गया है। ब्रॉडबैंड सहित इंटरनेट -शेष पृष्ठ दो पर

## एससी में कुकी को सफाया का एनजीओ ने लगाया आरोप

**नई दिल्ली।** आदिवासियों के एक प्रमुख संगठन ने उच्चतम न्यायालय में आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और मणिपुर के मुख्यमंत्री संयुक्त रूप से एक सांप्रदायिक एजेंडा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसका लक्ष्य पूर्वोत्तर राज्य में कुकी जनजाति के लोगों का जातीय सफाया करना है। राज्य में हुई जातीय हिंसा के मद्देनजर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने शीर्ष न्यायालय से अनुरोध किया कि वह केंद्र के खोखले आश्वासन पर भरोसा नहीं करे। साथ ही उसने, अल्पसंख्यक कुकी आदिवासियों की सेना द्वारा सुरक्षा किए जाने का आग्रह किया। शीर्ष न्यायालय में एक अर्जी दायर करने वाले *मणिपुर ट्राइबल फोरम* ने कहा कि प्राधिकारों के आश्वासन -शेष पृष्ठ दो पर

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय सम्मेलन शुरू*

## नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए सरकार तत्पर : मुख्यमंत्री



**गुवाहाटी (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य की अकादमिक समाज से असम को पूर्वोत्तर भारत में एक शैक्षिक केंद्र में बदलने के लिए काम करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा गुरुवार को यहां असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग के सहयोग से राजभवन में आयोजित सम्मेलन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि असम सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के त्वरित कार्यान्वयन के लिए कदम उठाए हैं और तदनुसार 3 जून को राज्य में उच्च शिक्षा के लिए इस नीति को लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति इसके कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध कदम उठा रहे हैं और विश्वविद्यालयों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि इस शिक्षा नीति के उचित कार्यान्वयन के लिए माता-पिता और छात्रों से भी विचार मांगे जाएंगे और विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे छात्रों को एनईपी-2020 के तहत पीजी और यूजी पाठ्यक्रमों को समझने में मदद करने के लिए पुस्तिकाएं प्रकाशित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनईपी-2020 पर शैक्षिक क्षेत्र में अधिक चर्चा की आवश्यकता है और छात्रों और अभिभावकों -शेष पृष्ठ दो पर

### सुप्रभात

*शत्रु की दुर्बलता जानने तक उसे अपना मित्र बनाए रखें।*

- आचार्य चाणक्य

### न्यूज गैलरी

## मणिपुर में हिंसा को तुरंत बंद किया जाना चाहिए : विहिप

**नई दिल्ली।** विश्व हिंदू परिषद ने गुरुवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा से समाज को *भारी नुकसान* हुआ है और उसने राज्य में शांति की अपील की। एक महीने पहले मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच हुई जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और 310 अन्य घायल हो गए थे। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद पहली बार 3 मई को झड़पें हुईं। वीएचपी ने एक ट्वीट में कहा कि चूंकि मणिपुर में हुई हिंसा ने समाज को भारी नुकसान पहुंचाया है।

## नाव पलटने से 79 लोगों की मौत

**कालामाटा।** प्रवासियों को लेकर जा रही मछली पकड़ने वाली एक नौका यूनान के तट पर मंगलवार देर रात को पलटने के बाद डूब गई, जिससे कम से कम 79 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये सभी प्रवासी यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। तटरक्षक बल, नौसेना और विमानों ने रात भर व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि -शेष पृष्ठ दो पर

## मणिपुर उग्रवादियों के साथ हिमंत का संबंध : विपक्ष

**गुवाहाटी।** असम के विपक्षी दलों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर मणिपुर स्थित उग्रवादी समूहों के साथ उनके कथित संबंधों को लेकर हमला बोला। कांग्रेस, सीपीआई (एम), एजेपी, टीएमसी और आठ अन्य विपक्षी दलों ने चार दिन पहले कुकी उग्रवादी नेताओं से गुप्त रूप से मुलाकात करने के लिए शर्मा पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज करने की मांग को लेकर यहां संयुक्त रूप से धरना दिया। असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने प्रदर्शन स्थल पर कहा कि हम मांग करते हैं कि केंद्र सरकार मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करे। मीडिया के एक वर्ग में यह बताया गया था कि पिछले सप्ताह जातीय हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य की अपनी यात्रा के बाद, शर्मा ने रविवार रात गुवाहाटी में कुकी समुदाय के कुछ उग्रवादी समूहों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र कार्रवाई नहीं करता है, तो ये सभी 12 समान विचारधारा वाले दल दिल्ली जाएंगे और -शेष पृष्ठ दो पर

## अंबुवासी मेले में रात को न जाए भक्तगण : सीएम डॉ. शर्मा

**गुवाहाटी।** राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 15 जून को मालीगांव फ्लाईओवर के चल रहे निर्माण कार्य को देखते हुए भक्तों से अंबुवासी मेले के दौरान रात में कामाख्या मंदिर नहीं जाने का आग्रह किया। यह मुख्यमंत्री द्वारा फ्लाईओवर के पूरा होने की समय सीमा निर्धारित करने के बाद आया है क्योंकि निर्माण शुरू होने के बाद से इसने बहुत अधिक यातायात की भीड़ पैदा कर दी है और कई दुर्घटनाओं की सूचना मिली है। गुवाहाटी में मालीगांव क्षेत्र में और उसके आसपास के निवासियों को चिंता है कि आगामी अंबुवासी मेला महत्वपूर्ण यातायात भीड़ और यहां तक कि दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है, क्योंकि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्रमिकों को रात 10 बजे से -शेष पृष्ठ दो पर

## भाजपा नेता की मौत : मुख्य आरोपी ने किया सीआईडी को गुमराह

**गुवाहाटी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता की मौत के मुख्य आरोपी ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) असम को गुमराह किया है। सूत्रों ने बताया कि मुख्य आरोपी हसनूर इस्लाम द्वारा किए गए कबूलनामे को झूठा पाया गया क्योंकि लकड़ी का एक टुकड़ा जिस पर खून के निशान थे, आरोपी के आवास से बरामद किया गया था, जिस पर भाजपा नेता जोनाली नाथ की हत्या के लिए इस्तेमाल किए गए हत्या के हथियार होने का संदेह है। पुलिस ने हत्या के संदिग्ध हथियार को जब्त कर जांच के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

## गुवाहाटी-सिलचर राजमार्ग पर फिर भूस्खलन, आवाजाही बंद

**शिलांग (हि.स.)।** मेघालय के सोनापुर में सिलचर-गुवाहाटी-कनेक्टिंग राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक बार फिर से भूस्खलन से यातायात प्रभावित हुआ है। भूस्खलन के बाद वाहनों की आवाजाही बंद होने से दोनों तरफ सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। गुरुवार को भारी बारिश के कारण मेघालय के दपाई दपाई में भूस्खलन हुआ है। सिलचर-गुवाहाटी-कनेक्टिंग राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनापुर में आज फिर से पहाड़ से भारी मलवा आ आ गया। जिसके चलते सिलचर-गुवाहाटी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बंद हो गया। लगातार बारिश से स्थानीय प्रशासन को मार्ग खोलने का कार्य करने में बहुत मुश्किलें आ रही हैं। युद्धस्तर पर सड़क से मलवा हटाने के लिए काम चल रहा है। भूस्खलन के कारण सड़क के दोनों ओर सैकड़ों -शेष पृष्ठ दो पर

## भागलपुर में बम विस्फोट : दो बच्चे घायल

**भागलपुर।** जिले में गुरुवार की दोपहर बम विस्फोट की घटना सामने आई है, जिसमें दो बच्चे बुरी तरह घायल हो गए हैं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र के अंबाई पंचायत स्थित मनोहरपुर गांव की है। जानकारी के मुताबिक, मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र के अंबाई पंचायत स्थित मनोहरपुर गांव के बगीचे में एक चबूतरे के पास झाड़ियों के बगल में बम रखा था। इसी दौरान आम बीनने गए दो बच्चों -शेष पृष्ठ दो पर

## 190 देशों ने दिया मेमोरियल वॉल बनाने के लिए समर्थन




**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में शहीद सैनिकों के लिए शांति मिशन द्वारा एक मेमोरियल वॉल बनाने के लिए भारत द्वारा शुरू किए गए एक प्रस्ताव को अपनाया गया है और इस पहल का समर्थन करने वाले देशों को पीएम ने धन्यवाद दिया है। संयुक्त राष्ट्र में मेमोरियल वॉल के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई। पीएम मोदी ने सभी देशों को इस प्रस्ताव के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर लिखा कि मुझे खुशी है कि शहीद शांतिरक्षकों के लिए एक नई स्मारक दीवार स्थापित करने -शेष पृष्ठ दो पर

## मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल और भाजपा संगठन में भी संभव

**नई दिल्ली।** अगले महीने के पहले हफ्ते में मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। भाजपा के एक बड़े नेता ने इस मामले में जानकारी दी है। बताया गया है कि पार्टी के संगठन में भी उसके बाद बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। वैसे तो मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर अटकलें इस साल की शुरूआत से ही चल रही हैं। कभी कहा गया कि जनवरी महीने में ये हो सकता है। फिर ये बताया गया कि संसद के बजट सत्र के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ये फैसला कर सकते हैं। इसके बाद एक नई तारीख आ गई 10 जून की। ये तारीख भी गुजर गई। फिर चर्चा होने लगा कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले मंत्रिमंडल में बदलाव किया जाएगा। प्रधानमंत्री इसी हफ्ते अमेरिका के लिए रवाना हो रहे हैं। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा इन दिनों एक महीने का महा संपर्क अभियान चला रही है। 31 मई से शुरू हुआ ये कार्यक्रम 30 जून तक चलेगा। उससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका से लौट आएंगे। इस साल के आखिर तक चार राज्यों -शेष पृष्ठ दो पर

## चुनावी हिंसा को लेकर हाईकोर्ट की चेतावनी

**कोलकाता (हि.स.)।** पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव नामांकन के दौरान राज्य भर में हो रही हिंसा की घटनाओं को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार और चुनाव आयोग को चेतावनी दी है। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम ने स्पष्ट कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती के निर्देश दिए जाएंगे। पंचायत चुनाव को लेकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन भी नहीं हो रहा है। ऐसी घटनाओं को देखकर न्यायालय खामोश दर्शक नहीं बन सकता है। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट ने दो दिन पहले अपने फैसले में कहा था कि राज्य में सात संवेदनशील जिलों में केंद्रीय बलों की तैनाती होगी। नामांकन दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय -शेष पृष्ठ दो पर

## हिंसा से हमारी पार्टी का लेना-देना नहीं : ममता

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल जारी है। राज्य में कई जगह हिंसक झड़पें भी देखने को मिली हैं। हिंसा को लेकर विपक्षी दल जबरदस्त तरीके राज्य की ममता बनर्जी की सरकार पर हमलावर है। आज ममता ने साफ तौर पर कहा कि कुछ विपक्षी दल पंचायत चुनाव के नामांकन के दौरान गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं आज ही दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव देखा गया। इलाके में बम फेंके गए, जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# शुरू हुआ लैंडफॉल, गुजरात तट पर भारी बारिश, अलर्ट पर सेना

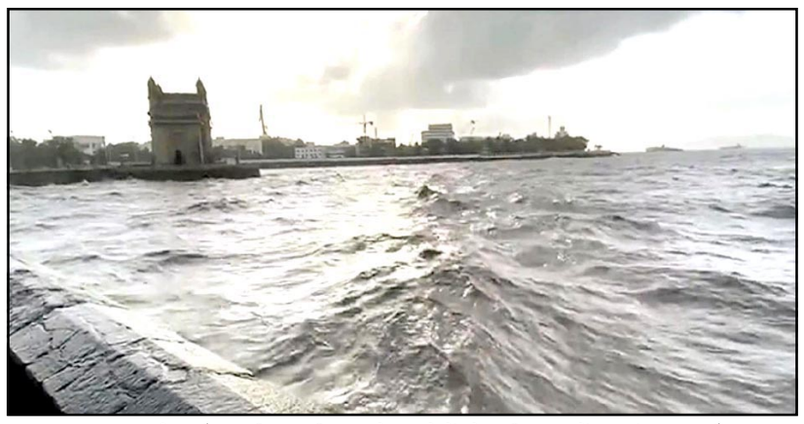

**अहमदाबाद।** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को कहा कि चक्रवात बिपारजॉय ने गुजरात में दस्तक देना शुरू कर दिया है और यह प्रक्रिया आधी रात तक जारी रहेगी। स्थिति से निपटने के लिए सेना, नौसेना और एनडीआरएफ की कई टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चक्रवात *बिपरजॉय* के मद्देनजर एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। आईएमडी महानिदेशक डॉ मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि फिलहाल यह 115-125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा है। कच्छ, सौराष्ट्र में लैंडफॉल शुरू हो गया है। सौराष्ट्र, कच्छ में भारी बारिश हो रही है, आगे और तेज बारिश की संभावना है। मध्य रात्रि तक लैंडफॉल जारी रहेगा। इससे पहले आईएमडी, गुजरात की वैज्ञानिक मनोरमा मोहंती ने कहा कि चक्रवात बिपरजॉय फिलहाल जखाऊ पोर्ट से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा है। यह उत्तर पूर्व की ओर बढ़ते हुए कच्छ, सौराष्ट्र को पार करने वाला है। इसकी रफ्तार 115-125 किमी प्रति घंटा होने वाली है। शाम से मध्य रात्रि तक लैंडफॉल जारी रहेगा। द्वारका में चक्रवात बिपरजॉय के प्रभाव से टाटा केमिकल्स के पास सड़क पर एक शेड गिर गया। एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है। जामनगर में चक्रवात बिपरजॉय का प्रभाव देखने को मिल रहा है। तटीय क्षेत्रों पर ऊंची लहरें उठ रहीं हैं। आईएमडी ने कहा कि चक्रवात अत्यधिक भारी वर्षा लाएगा और *खगोलीय ज्वार* पैदा होने के चलते 2-3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिसके चलते चक्रवात के टकराने के दौरान कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर और मोरबी जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका है।

## युवती की हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के जालुकबाड़ी पुलिस ने एक युवती की हत्या मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने गुरुवार को बताया कि जालुकबाड़ी थाना क्षेत्र इलाके में एक युवती की हत्या की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने कार्रवाई करते हुए युवती की हत्या करने के आरोप मे आरोपी बुलबुल हुसैन (19) को छयगांव थाना के हतीसोला पाम से गिरफ्तार किया गया है। युवती की हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपी मुख्य आरोपी है।

## बिलासीपाड़ा में एक व्यक्ति की हत्या

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिलांतर्गत बिलासीपाड़ा के सालकोसा चरुवाबाखरा में एक व्यक्ति की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात बदमाशों ने अनवर हुसैन नामक एक शख्स की धारदार हथियार से हत्या कर दी। अनवर हुसैन की उसके घर में हत्या कर दी गई। हत्या को अंजाम देने के बाद हत्यारा फरार हो गया।

## रंगिया महकमा प्रशासन ने की विशेष बैठक

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक हरदत्त-वीरदत्त भवन प्रांगण में बुधवार को एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महकमा के अंतर्गत शिक्षा विभाग के 500 से भी अधिक प्रधान शिक्षकों/प्राचार्यों के अलावा सहायक आयुक्तों, चुनाव अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों सहित संसाधन व्यक्तियों (सीआरसीसी) ने भाग लिया। रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन की अध्यक्षता में दोपहर 2.30 बजे से प्रारंभ हुई। इस बैठक में रंगिया महकमा के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में रंगिया महकमा प्रशासन के मुख्य उद्देश्य आगामी गुणोत्स्व में रंगिया महकमा के सभी शिक्षानुष्ठानों को ए/ए+ ग्रेड प्राप्त करने में सक्षम बनाने और 10वीं और 12वीं कक्षा की फाइनल परीक्षा में अनुतीर्ण छात्रों की संख्या शून्य करने और अधिकांश छात्र-छात्राएं 80 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने में सक्षम हो सके इसके लिए प्रयास करने पर विस्तार से चर्चा की गई और इस पर जोर दिया गया।

## कामाख्या स्टेशन पर करंट लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के मालीगांव स्थित कामाख्या रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को करंट लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति कामाख्या रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान उच्च शक्ति वाले बिजली के केबल की चपेट में आया गया, जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस बीच, दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को नजदीकी संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे पुलिस ने मीडिया को बताया कि घायल व्यक्ति के मानसिक रूप से विक्षिप्त होने का संदेह है। रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# सदी के अंत तक भारत में ही होगी सबसे अधिक आबादी

**नई दिल्ली।** वैश्विक स्तर पर इस सदी की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है बढ़ती जनसंख्या। जनसंख्या के बढ़ने से कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब तक दुनिया की आबादी आठ अरब के पार हो चुकी है। साल 2100 तक आबादी 10.4 बिलियन तक पहुंच सकती है। भारत तीन महीने पहले ही मार्च में चीन को पछाड़कर विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। जनसंख्या बढ़ने के कई कारण होते हैं। इनमें घटती मृत्यु दर, परिवार नियोजन की कमी, गर्भनिरोधकों की कमी, सांस्कृतिक और धार्मिक मान्याताएं, अपर्याप्त शिक्षा, गरीबी और जागरूकता सहित कई पहलू शामिल हैं। आज हम आपको बताते हैं, उन 10 देशों के बारे में जो संयुक्त राष्ट्र की जनसंख्या डिवीजन के अनुसार 21वीं सदी के अंत तक सबसे अधिक आबादी वाले देशों की सूची में शामिल होंगे।

**भारत :** इसी साल मार्च में भारत की आबादी 1,425,775,850 हो चुकी है। भारत मार्च में चीन को पछाड़कर विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। उम्मीद है कि इस सदी के अंत तक भारत की आबादी 1,533 मिलियन को पार कर जाएगी। **चीन :** चीन फिलहाल जनसंख्या की समस्या से जूझ रहा है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1,295.33 मिलियन है। उम्मीद है कि चीन को इस सदी के अंत तक राहत मिल सकती है। देश की आबादी 771 मिलियन होने का अनुमान है। **नाइजीरिया :** देश की वर्तमान जनसंख्या 221,168,109 है। सदी की शुरुआत में आबादी 122.9 मिलियन थी। वहीं सदी के अंत तक जनसंख्या 546 मिलियन होने की संभावना है। **पाकिस्तान :** पाकिस्तान की वर्तमान जनसंख्या 233,515,417 है। सदी की शुरुआत में पाकिस्तान की आबादी 15.44 मिलियन थी। फिलहाल जनसंख्या के नजरिये से पाकिस्तान विश्व में पांचवें पायदान पर है। 2100 तक पाकिस्तान विश्व का चौथा सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जिसकी जनसंख्या 487 मिलियन होगी। **कॉन्गो :** अफ्रीकी देश की आबादी 97,574,097 है, जो सदी की अंत में 431 मिलियन तक पहुंच सकती है। यूएस : अमेरिका की आबादी फिलहाल 336,708,490 है।

NIT NO. 10 (RIDF-XXVIII,NABARD) 2023-24

**NOTICE INVITING TENDER**

e-Tenders are invited from the intending contractors/firms for execution of **'Kulia Nizora FIS under RIDF-XXVIII(NABARD) for the year 2022-23'** under Guwahati West-Palashbari Division(I), Palasbari required in the department of **Irrigation with an estimated amount of Rs.198.082 Lakh** (Approx). An amount of Rs.3,96,200/ is to be submitted as EMD/Bid security. The Tender Documents can be downloaded from www.assamtenders.gov.in from 17/06/2023 (10:00 hours).

- The last date of submission of tender document is 06/07/2023 (14:00 hours)
- The bid will be opened online in the e-procurement portal on 07/07/2023 at 15:00 hours.

The Tender inviting Authority reserves the right to accept or reject any bidder/ tender, and to cancel/annul the bidding process and reject all bids at any time prior to contract award.

Addl. Chief Engineer,
Implementation, Minor & Micro Irrigation, Assam,
Chandmari, Guwahat-3.

*-- Janasanyog /C/4444/23*

## पृष्ठ एक का शेष

### *मणिपुर : उपद्रवियों ने ...*

निलंबन को मणिपुर में 20 जून तक बढ़ा दिया गया है। इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध का विस्तार करने वाले आदेश में कहा गया है, कुछ असामाजिक तत्व छवियों, अभद्र भाषा, नफरत भरे वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं, जो राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इसे 20 जून तक बढ़ाया जा रहा है। शांति बहाली के लिए भारतीय सेना और असम राइफल्स लगातार तलाशी अभियान चला रही है। इसके साथ ही दूर-दराज के इलाकों में लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की जा रही है। गुरावार को सेना की ओर से बताया गया है कि हिंसा में हालिया तेजी के बीच सेना असम राइफल्स के साथ मिलकर इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। स्पीयर कॉर्प्स ने ट्वीट में कहा गया है कि शांति बहाली की कोशिश में तलाशी अभियानों को पिछले दो दिनों से तेज कर दिया गया है। मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच करीब एक महीने पहले भड़की हिंसा में कम से कम 100 लोगों की मौत हो चुकी है और 310 अन्य घायल हुए हैं। राज्य में शांति बहाल करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। बता दें कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद पहली झड़प तीन मई को हुई थी। उधर मणिपुर के इंफाल पश्चिम के लाम्फेल क्षेत्र में बीती रात कुछ उपद्रवियों ने उद्योग मंत्री नेमचा किपगेन के घर को आग लगा दी। किपगेन उन दस कुकी विधायकों में से एक हैं, जिन्होंने अलग प्रशासन की मांग उठाई है। भाजपा नेता और विधायक का आवास जलाने के साथ ताजा हिंसा की घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब राज्य में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी है। इससे पहले 13 जून को कांगपोकपी जिले के खमेनलोक गांव में फायरिंग और आगजनी में कुल 9 लोगों की मौत हुई थी और 10 लोगों के घायल होने का मामला सामने आया था। खमेनलोक गांव में बदमाशों ने कई घरों को आग लगा दी थी। तमेंगलोंग जिले के गोबाजंग में कई लोग घायल हो गए थे। मणिपुर के पूर्वोत्तर क्षेत्र में हिंसक और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। दूसरी ओर कानून और व्यवस्था बहाल रखने के लिए सुरक्षाकर्मी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में में लगातार गश्त कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान टेंग्नोपाल और इंफाल-पूर्वी जिलों से आग्नेयास्त्र और 63 गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह के मुताबिक अब तक कुल 1040 हथियार, 13,601 गोला बारूद और 230 तरह के बम बरामद किए गए हैं।

### *एससी में कुकी ...*

न तो अब कहीं से भी उपयोगी हैं और ना ही ये गंभीरता के साथ किए गए हैं... यहां तक कि उन्हें लागू किए जाने का इरादा भी नहीं है। इसने कहा कि इस न्यायालय को भारत संघ द्वारा किए गए वादों पर भरोसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इसने और राज्य के मुख्यमंत्री ने कुकी लोगों का जातीय सफाया करने के लिए संयुक्त रूप से एक सांप्रदायिक एजेंडा शुरू किया है। गैर सरकारी संगठन ने दावा किया कि आश्वासन दिए जाने के बावजूद, कुकी जनजाति से ताल्लुक रखने वाले 81 और लोग 17 मई से मारे गए हैं और 31,410 लोग विस्थापित हुए हैं। न्यायालय ने पिछली बार 17 मई को ही इस मामले की सुनवाई की थी। अर्जी में कहा गया है कि दो समुदायों के बीच *टकराव* का विमर्श सच्चाई से दूर है, क्योंकि दोनों समुदाय लंबे समय से एक दूसरे के साथ रहते आए हैं। इसने कहा कि इस तरह का विमर्श इसे नजरअंदाज करता है कि कभी-कभी गहरे मतभेद होने के बावजूद दो समुदायों का लंबे समय से सह-अस्तित्व रहा है। अनूठी स्थिति अभी दो सशस्त्र सांप्रदायिक समूहों की है जिनका संबंध राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी से है। ये समूह आदिवासियों पर सुनियोजित तरीके से हमले कर रहे हैं। अर्जी में कहा गया है कि टकराव से जुड़ा विमर्श सभी हमलों के पीछे इन दोनों समूहों की मौजूदगी को छिपाता है तथा उन्हें अभियोजन से बचा कर और हमलों के लिए प्रेरित करता है। एनजीओ ने असम पुलिस के पूर्व प्रमुख हरेकृष्ण डेका की अध्यक्षता में एक विशेष जांच टीम गठित करने और प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को दो दो करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का अनुरोध किया है। संगठन ने मारे गए लोगों के परिवार के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की है। शीर्ष न्यायालय ने 17 मई को मणिपुर सरकार को निर्देश दिया था कि वह जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में विश्वास बहाली, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा था कि शीर्ष न्यायालय होने के नाते वह सुनिश्चित कर सकता है कि राजनीतिक मशीनरी स्थिति को लेकर आंखें ना मूंदे। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के कथित भड़काऊ भाषणों के संबंध में सौंपे गए साक्ष्यों पर संज्ञान लेते हुए शीर्ष न्यायालय ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा था कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को संयम बरतने की सलाह दें।

### *नई शिक्षा नीति ...*

को इसके विभिन्न प्रावधानों से पूरी तरह अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों द्वारा शैक्षणिक कैलेंडर, पाठ्यक्रम और ग्रेडिंग पैटर्न में एकरूपता बनाए रखने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों ने हाल ही में अच्छी रैंकिंग दिखाई है, जबकि कई अन्य का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। उन्होंने असम के 50 प्रतिशत विश्वविद्यालयों को शीर्ष 100 रैंकिंग में शामिल करने पर जोर दिया और कहा कि विश्वविद्यालयों को लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अकादमिक समाज को असम को न केवल पूर्वोत्तर के लिए बल्कि पूरे पूर्वी भारत के लिए एक शैक्षिक केंद्र के रूप में बदलने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस सम्मेलन के लिए पहल करने के लिए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों को रिसोर्स पर्सन के रूप में सम्मानित भी किया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, शिक्षा विभाग के सलाहकार डॉ. नानी गोपाल महंत, अपर मुख्य सचिव बीएस सामल, कुलाधिपति सचिवालय राजभवन के सलाहकार मिहिर कुमार चौधरी, राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, राज्यपाल सचिवालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और देश के कई राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति और स्वायत्त कॉलेजों के प्राचार्य भी उपस्थित थे।

### *मणिपुर उग्रवादियों के ...*

राष्ट्रपति से मिलेंगे और असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे। कांग्रेस ने बुधवार को राज्य के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बोरा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में भूख हड़ताल की। असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने कुकी उग्रवादियों की मदद ली और भगवा पार्टी ने राज्य में अपनी पहली सरकार बनाई।

### *अंबुवासी मेले में ...*

सुबह 5 बजे तक मालीगांव फ्लाईओवर निर्माण पर काम जारी रखने का निर्देश दिया गया है। जनता के बीच, अगर लोग निर्माण कार्य के घंटों के दौरान मंदिर जाते हैं, तो काम में देरी हो सकती है। सीएम शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि मैं भक्तों से अंबुवासी मेले के दौरान रात में कामाख्या मंदिर नहीं जाने का आग्रह करना चाहूंगा, क्योंकि इससे भारी ट्रैफिक जाम हो सकता है। साथ ही, फ्लाईओवर के चल रहे निर्माण के कारण मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि आप रात में दर्शन न करें क्योंकि वहां कोई कर्मकांड नहीं होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि साधुओं से आग्रह किया जाता है कि वे बड़ी संख्या में एकत्र न हों, जैसा कि कोविड-19 के प्रकोप के दौरान किया गया था।

### *भाजपा नेता की मौत...*

भेज दिया है। गौरतलब है कि हसनूर इस्लाम ने पूछताछ के दौरान सीआईडी के सामने कबूल किया कि वह मृत भाजपा नेता के साथ अवैध संबंध में थे। आईजीपी सीआईडी देबराज उपाध्याय ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आरोपी ने कबूल किया है कि उसने महिला की हत्या की और उसके शव को रविवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर फेंक दिया। पीड़िता के आरोपी के साथ पिछले दो साल से अवैध संबंध थे और वह दूसरी महिला से शादी करने वाली थी। इस पर और उनके रिश्ते पर बात करने के लिए पीड़िता ने एक बार उससे मिलने की इच्छा जताई थी। तदनुसार, वह उससे मिलने गया और वे एक कार के अंदर मिले। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद आरोपी ने उसकी गर्दन पर बुरी तरह से वार किया, फिर उसे अपने नंगे हाथों से पकड़ लिया और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। फोरेंसिक डॉक्टरों ने भी इसकी पुष्टि की है। प्रेस कांफ्रेंस के कुछ घंटे बाद जोनाली नाथ के पति ने आईजीपी की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया। चंद्र कुमार नाथ के रूप में पहचाने जाने वाले जोनाली नाथ के पति ने आईजीपी देवराज उपाध्याय द्वारा की गई टिप्पणी पर मटिया पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की, जिसमें कहा गया है कि मृतक के आरोपी के साथ अवैध संबंध थे।

### *गुवाहाटी-सिलचर राजमार्ग ...*

वाहन फंसे हैं। वाहनों में गुवाहाटी की ओर रोगी को लेकर जा रही एक एम्बुलेंस के भी फंसने की खबर है। लगातार हो रही बरसात के चलते मेघालय प्रशासन ने राज्य में यात्रा करने वालों से सतर्कता बरतने का आह्वान किया है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को भी सोनापुर सुरंग के सामने भारी मलवा आने से सिलचर-गुवाहाटी जाने वाली सड़क पर करीब नौ घंटे तक यातायात बंद रहा था।

### *भागलपुर में बम ...*

ने एक डिब्बा पड़ा देखा, जिसे उठाकर खेलने लगे और तभी धमाका हो गया। इसमें दोनों बच्चे भी बुरी तरह घायल हो गए हैं। घायलों की पहचान बलवीर कुमार और टिशू कुमारी के तौर पर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल बच्चों को भागलपुर के मायागंज अस्पताल पहुंचाया। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मौके पर मधुसूदनपुर पुलिस के अलावा मुख्यालय इंस्पेक्टर भी पहुंचे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद परिजनों ने साक्ष्य मिटाने की भी कोशिश की है। पानी और मिट्टी के लेप से जमीन पर गिरे खून के धब्बों को धोकर मिटाने की कोशिश की। हालांकि, मिट्टी से लेपे जाने के बाद भी जगह-जगह खून के धब्बे दिखाई दे रहे हैं। दोनों घायल बच्चों में बेटे की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों घायल बच्चों का मायागंज अस्पताल में इलाज चल रहा है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर सबूत मिटाने की कोशिश क्यों की गई, क्या किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की तैयारी चल रही थी, जिसमें गांव के ही लोग शामिल हैं?

### *190 देशों ने दिया...*

संबंधी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित हो गया है। प्रस्ताव को रिकॉर्ड 190 देशों ने सह-प्रायोजित किया। समर्थन के लिए आप सभी का आभारी हूं। प्रस्ताव में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक उपयुक्त और प्रमुख स्थान पर शहीद शांतिरक्षकों की स्मृति का सम्मान करने के लिए एक स्मारक दीवार तैयार करने की सदस्य देशों की पहल का स्वागत किया गया। इस पहल में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शांतिरक्षकों के नाम दर्ज किया जाना भी शामिल है। विश्व निकाय में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में *मेमोरियल वॉल फॉर फॉलन यूनाइटेड नेशन्स पीसकीपर्स* नामक मसौदा प्रस्ताव पेश किया था। संयुक्त राष्ट्र के करीब 190 सदस्य देशों द्वारा सह-प्रायोजित इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करते हुए कंबोज ने कहा था कि स्मारक दीवार इस बात का प्रमाण होगी कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों को कितना महत्व देता है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक दीवार लोगों को न केवल शहीदों के बलिदान की याद दिलाएगी, बल्कि हमारे फैसलों के लिए चुकाई गई असली कीमत का भी लगातार स्मरण कराएगी।

### *मोदी मंत्रिमंडल में ...*

में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल की शुरूआत में देश में आम चुनाव होगा। जिसके लिए भाजपा एनडीए का विस्तार करने में जुटी है। तेलुगु देशम पार्टी, जेडीएस, अकाली दल और हम जैसे दलों से लगातार बातचीत जारी है। इसके अलावा कुछ और क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन को लेकर लगातार प्रयास जारी है। 2019 में मोदी पार्ट -2 सरकार बनने के बाद से सिर्फ एक बार जुलाई 2021 में फेरबदल हुआ है। इसके बाद 18 मई को किरेन रिजिजू से कानून मंत्रालय ले लिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघनाद को ये जिम्मेदारी देवजी गई। जबकि मोदी की पहली सरकार में तीन बार मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल किए गए थे। चुनावों को देखते हुए इस बार मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार से कुछ लोगों को संगठन भेजा जा सकता है। उसी तरह संगठन से भी कई भारी भरकम चेहरों की छुट्टी तय मानी जा रही है। भाजपा के एक बड़े नेता ने बताया कि कौन बाहर होगा और किसे अंदर किया जाएगा ! ये तो सिर्फ दो ही लोगों पीएम मोदी और अमित शाह को पता है बाकी तो सब अनुमान है। ऐसी खबरें ठन कर आ रही हैं कि स्पीक में शामिल दो बड़े मंत्रियों को संगठन में महासचिव की जिम्मेदारी दी जा सकती है। लोकसभा के सांसदों को मंत्रिमंडल में प्राथमिकता दिए जाने की बात कही जा रही है। जिन मंत्रियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है उन्हें नहीं छेड़ा जाएगा। पिछली बार के फेरबदल में प्रकाश जावड़ेकर और रविशंकर प्रसाद को ड्रॉप कर दिया गया था। जेडीयू के एनडीए से अलग होने के बाद आर सी पी सिंह वाली जगह भी खाली है। शिव सेना के एकनाथ शिंदे गुट को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। लोकसभा चुनाव के लिहाज से महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खबर है कि इन राज्यों से नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। जेडीयू के अलग होने के बाद से भाजपा बिहार में अपना विस्तार करने में जुटी है। पार्टी फिर से चिराग पासवान से गठबंधन करने के मूड में है। ऐसे में चिराग को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। अभी तो उनके चाचा पशुपति कुमार पारस मोदी सरकार में मंत्री हैं। संगठन में बदलाव के लिहाज से 9 महासचिवों में तीन से चार नेताओं को बदले जाने की चर्चा है। कई राज्यों के प्रभारी भी बदले जाने पर फ़ैसला हो चुका है। यूपी में राधा मोहन सिंह की जगह किसी बड़े और भरोसेमंद नेता को ये जिम्मेदारी दी जा सकती है। अमित शाह से लेकर जेपी नड्डा जैसे दिग्गज नेता यूपी के प्रभारी रह चुके हैं। भाजपा के 12 उपाध्यक्षों में से भी कुछ को बदलने की खबरें आ रही हैं।

### *चुनावी हिंसा को...*

सीमा देने का निर्णय लेने के लिए चुनाव आयोग स्वतंत्र है। इसी पर पुनर्विचार के लिए राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने याचिका लगाई थी। सुनवाई करते हुए गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कोर्ट के आदेश के अनुपालन में कानूनी लूप होल मत ढूंढिए। कल्याण बनर्जी ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोर्ट ने सात संवेदनशील जिलों में केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया है, लेकिन ऐसे जिले चिन्हित ही नहीं हुए हैं। इसीलिए इस फैसले पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इस पर न्यायाधीश ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से चुनाव आयोग का है और आश्चर्यजनक है कि आयोग की ओर से राज्य सरकार कोर्ट में पक्ष रख रही है। यह नियम नहीं है। इसके बाद राज्य चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता ने कहा कि हम लोगों ने अभी भी संवेदनशील क्षेत्र चिन्हित नहीं किया है, इसलिए पुनर्विचार होना चाहिए। इसके बाद झल्लाए न्यायाधीश ने कहा कि ठीक है फिर पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दे रहे हैं।

### *हिंसा से हमारी ...*

बाद पुलिस ने अनियंत्रित स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। नामांकन के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामपुर और अन्य जगह जो समस्या हुई उसमें हमारी पार्टी की कोई भागीदारी नहीं है। जिन लोगों ने किया है उन्हें हमने टिकट नहीं दिया, उन्होंने हमसे टिकट मांगा लेकिन उनका रिकॉर्ड देखते हुए हमने उन्हें टिकट नहीं दिया। हमने साख देखकर टिकट दिया है, मैंने पुलिस को भी उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेने को कहा है। ममता ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव नामांकन के दौरान हुई हिंसा में माकपा, आईएसएफ संलिप्तगौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का आज आखिरी दिन है।

### *नाव पलटने से ...*

कितने यात्री लापता हैं। तटरक्षक बल के प्रवक्ता निकोस अलेक्सियो ने बताया कि यात्रियों की संख्या का सटीक अनुमान लगाना असंभव है। ऐसा प्रतीत होता है कि 80-100 फुट का जहाज लोगों के अचानक एक तरफ चले जाने के बाद पलट गया और कुछ देर बाद डूब गया। कालामाटा के दक्षिणी बंदरगाह शहर के डिप्टी मेयर आयोनिस जाफिरोपोलोस ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिले हैं कि नौका में *500 से अधिक लोग* सवार थे। तटरक्षक के एक बयान के अनुसार, जब उनके जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों ने नौका को बचाने का बार बार प्रयास किया तो उन्हें ऐसा करने से रोका गया। नौका पर सवार लोग लगातार यह कह रहे थे कि वे इटली जाना चाहते हैं। तटरक्षक अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार देर रात करीब एक बजकर 40 मिनट पर नौका का इंजन खराब हो गया, जिसके बाद नौका डूबने लगी। बयान के अनुसार नौका 10 से 15 मिनट बाद डूब गई। अधिकारियों ने बताया कि नौका यूनान के दक्षिणी पेलोपोनिसे प्रायद्वीप से करीब 75 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में डूबी।

## स्वर्वेद भाष्य

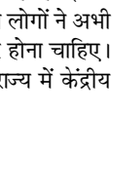

**चतुर्थ मंडल** **त्रयोदश अध्याय**

**( गुरु-वंदना )**

**जिवन्मुक्त बहु होत हैं, सद्गुरु एक महान।**
**सो दुर्लभ संसार में, ज्ञान महा निधिवान॥ 37॥**

**शब्दार्थ :** (बहु) बहुत (निधिवान) धनवान (दुर्लभ) कठिनता से प्राप्त होने वाला।

**भाष्य :** जीवन्मुक्त बहुत कम होते हैं, परंतु उन जीवन्मुक्तों में कोई एक ब्रह्मविद्या का पूर्ण ज्ञानवान महान सत्पुरुष सद्गुरु होता है, जिनकी प्राप्ति संसार में अत्यंत दुर्लभ है।

**समाधिस्थ गुरु आप्त हैं, अनुभव शब्द विवेक।**
**परम तत्व विज्ञान है, भव तारक गुरु एक॥ 38॥**

**शब्दार्थ :** (आप्त) महर्षि, निर्भ्रांत तत्वेत्ता, सद्गुरु (विज्ञान) साक्षात्कार (भव तारक) भवसागर से पार करने वाले।

**भाष्य :** समाधिस्थ परमतत्व का निर्भ्रांत वेत्ता एवं परमशब्द का अनुभव,साक्षात्कार करने वाला परम विवेकी भवसागर से पार करने वाला एक सद्गुरु होता है।

# भारी वर्षा से कई जिले बाढ़ की चपेट में, पांच दिन बारिश का अलर्ट

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पिछले लगभग एक सप्ताह से हो रही बारिश की वजह से ब्रह्मपुत्र और उसकी सभी सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य के कई जिले बाढ़ की चपेट में आने से लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। लखीमपुर जिले में भारी बारिश के बाद सिंगोरा नदी में बाढ़ आने से कई गांवों में पानी भर गया है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई है। इससे बाढ़ के हालात और भयावह हो सकते हैं। राज्य में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमें मुस्तैद हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया है कि लखीमपुर जिले में बाढ़ के चलते 20,700 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की वजह से घरों को काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ प्रभावित इलाके के लोगों को स्कूल, नदियों के तटबंध के अलावा सुरक्षित स्थानों

पर आश्रय लेने को मजबूर हैं। लखीमपुर जिले में 19 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जबकि, 13.5 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर फसल खराब हो गई है। लखीमपुर के अलावा बिश्वनाथ, दरंग, धेमाजी, डिमा हसाउ, डिब्रूगढ़ और गोलाघाट जिलों सहित अन्य जिलों में भी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। बाढ़ के चलते तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। ब्रह्मपुत्र नदी के अलावा अन्य नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। अगर लगातार इस तरह बारिश होती रही तो एक से दो दिनों में राज्य की ज्यादातर नदियां खतरे के निशान को पार जाएंगी, जिससे राज्य के कई जिले बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन में पूर्वोत्तर में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर भारत की ओर निम्न-स्तर की दक्षिणी, दक्षिण-पश्चिमी तेज हवाएं चलने के कारण आर्द्रता उत्पन्न होने का अनुमान है। इसके प्रभाव में अगले पांच दिन के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। राज्य में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन के अलावा राज्य की एसडीआरएफ एवं प्रथम बटालियन एनडीआरएफ की टीम पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं बाढ़ प्रभावित इलाके में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद पहुंचाई जा रही है।

# मातृभाषा में पढ़ाई की मांग को लेकर आसू का राज्यव्यापी प्रदर्शन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) ने मातृभाषा में पढ़ाई को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया है। आसू छठी कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में गणित और विज्ञान की पढ़ाई के लिए सरकार के ऐलान का विरोध कर रहा है। गुरुवार को गुवाहाटी के साथ-साथ राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। ऑल कामरूप मेट्रोपॉलिटन डिस्ट्रिक्ट स्टूडेंट्स यूनियन ने गुरुवार को गुवाहाटी के जजेज फील्ड के सामने आज विरोध प्रदर्शन किया। आसू राज्य सरकार के विरोध में एक महीने से लगातार प्रदर्शन कर रहा है। इस संबंध में आसू नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अपनी मातृभाषा पढ़ने को कह रहे हैं, वहीं असम सरकार अंग्रजी में अध्ययन करने की बात कह रही है। मातृभाषा को समाप्त करना भी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के खिलाफ है, लेकिन असम सरकार कुछ भी मानने को तैयार नहीं है। आसू छठी कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में गणित और विज्ञान की पढ़ाई के लिए सरकार के कदम का कड़ा विरोध कर रही है। आसू का आरोप है कि असम सरकार मातृभाषा माध्यम को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार के मातृभाषा के निर्णय के विरोध में आसू ने एक महीने से विभिन्न जिलों में शिक्षक संगठनों के सहयोग से सामूहिक विरोध प्रदर्शन कर रहा है। छात्र संगठन ने चेतावनी दी है कि जब तक सरकार अपने निर्णय वापस नहीं लेती है, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। छात्र संगठन का आरोप है कि सरकार का फैसला मातृभाषा को नष्ट करने की एक साजिश है।

## धुबड़ी- कचुगांव मार्ग पर विशालकाय पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित

**धुबड़ी ( असम ) ( हिंस )।** धुबड़ी जिला के तामरहाट इलाके में आज तड़के हुई भारी से इलाके में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। मूसलाधार बारिश के कारण धुबड़ी- कचुगांव पीडब्ल्यूडी मार्ग पर एक विशालकाय पेड़ के गिर जाने से सड़क पर आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से सड़क के दोनों छोर पर सैकड़ों की संख्या में वाहन फंस गये। धुबड़ी- कचुगांव पीडब्ल्यूडी रोड पर तामारहाट के मध्यपेटला इलाके में सड़क पर विशालकाय पेड़ गिर गया। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर वन कर्मियों की एक टीम पहुंची। वन कर्मियों ने घंटों मशक्कत के बाद सड़क से पेड़ को हटाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो पाया। ज्ञात हो कि पूरे राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार बरसात हो रही है, जिसके चलते भूस्खलन, बिजली के खंभे उखड़ने, पेड़ों के गिरने से विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

# राज्यपाल ने किया राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन का उद्घाटन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर बुलायी गई दो दिवसीय मंथन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में गुरुवार को राज्यपाल के साथ ही असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार ननी गोपाल महंत समेत शिक्षा विभाग के कई पदाधिकारी, शिक्षक तथा शिक्षा से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। दो दिवसीय इस सम्मेलन की शुरुआत

सुबह 09.30 बजे राजधानी के खानापारा स्थित असम प्रशासनिक कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में हुई। इसमें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन तथा इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा, मैं नहीं चाहता कि असम सिर्फ उत्तर पूर्व के लिए एक शैक्षिक केंद्र बने। मैं चाहता हूं कि हमारा राज्य पूर्वी भारत और पूरे भारत के लिए शिक्षा का केंद्र बने। इसके लिए हमें हमारे 50 प्रतिशत विश्वविद्यालयों को टॉप 100 रैंक में आना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर इस सम्मेलन में विशेष रूप से चर्चा की जानी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाले राज्यों में असम का स्थान अग्रणी है। आज से शुरू हुए इस मंथन कार्यक्रम के तहत अगले दो दिनों में नई शिक्षा नीति से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा किए जाने की संभावना है।

# पूसीरे : बिजनी एवं सरभोग स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन चालू

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) शुभमय मित्रा ने 13 जून को पूसीरे के रंगिया मंडल अंतर्गत बिजनी और सरभोग स्टेशनों के बीच बिछाई गई नयी दोहरी लाइन का निरीक्षण किया। इस नई द्वितीय लाइन का उपयोग अधिकतम गति करीब 90 किमी प्रति घंटा के साथ माल परिवहन और यात्री यातायात के लिए किया जाएगा। पूसीरे के सीपीआरओ सव्यसाची डे ने गुरुवार को बताया है कि न्यू बंगाईगांव-आगियाठरी वाया रंगिया 142.97 किमी दोहरीकरण परियोजना के एक हिस्से के रूप में बिजनी- सरभोग सेक्शन का कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना में 75 बड़े पुल, 38 छोटे पुल और 19 नए स्टेशन भवनों का निर्माण शामिल है। बिजनी से सरभोग की दूरी 18.99 किमी है। इस सेक्शन में 10 प्रमुख पुलों का निर्माण भी शामिल है। पूसी परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने अधिकतम गति 135 किमी प्रति घंटे के साथ स्पीड ट्रायल किया। इस दोहरीलाइन क्षेत्र के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे सभी वाइड बेस प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर्स और थिक वेब स्विच के साथ मजबूत ट्रैक संरचना का उपयोग किया गया है, जो प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों पर मजबूत स्विच का नया डिजाइन है और उच्च गति को संभाल सकता है। यह उल्लेखनीय है कि दोहरीलाइन बिछाये जाने से स्टेशनों पर बिना स्टॉप-ओवर क्रॉसिंग के दोनों दिशाओं में ट्रेनों की आवाजाही हो सकेगी, जिससे ट्रेनों का समय पालन हो सकेगा। रेल लाइनों पर ट्रेनों की कम भीड़भाड़ होने से अधिक ट्रेनों को बढ़ी हुई गति से चलाया जा सकेगा। इससे पहले पाठशाला से नलबाड़ी के बीच 26.91 किमी सेक्शन को 24 मई को चालू किया गया था। इस समग्र खंड के पूर्ण होने से पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को उल्लेखनीय वृद्धि मिलेगी।

# रंगिया : एसएसबी ने नशामुक्त भारत पखवाड़ा का किया आयोजन

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी और इसकी सभी समवाय/सीमा चौकियों द्वारा वाहिनी केकमांडेंट दीपक सिंह के दिशानिर्देश पर गुरुवार को नशा मुक्त भारत पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस संदर्भ में आज वाहिनी मुख्यालय में नशा मुक्त भारत पर एक संगोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के महत्व को बताया गया। कार्यक्रम के

दौरान सभी से ई-प्लेज के लिए आग्रह किया गया। तत्पश्चात एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बताया गया है कि पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विद्यालयों व सार्वजनिक स्थलों पर किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित उप-कमांडेट कुमुद रंजन एवं सहायक कमांडेट महेश चौधरी (चिकित्सा) ने नशे से होने वाले दुष्परिणामो के बारे में बताया। कार्यक्रम में बलकर्मियों और अधिकारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

## एफसीआई ने रचा इतिहास पूर्वोत्तर से पहली बार चावल का निर्यात

**होजाई ( असम ) ( हिंस )।** भारतीय खाद्य निगम ने नया इतिहास रच दिया है। एफसीआई द्वारा पूर्वोत्तर से पहली बार चावल का निर्यात अन्य राज्यों को किया गया है। प्रदेश के किसान इस बार धान उत्पादन करने में काफी सफल रहे हैं। पूर्व में पंजाब और हरियाणा से हजारों मैट्रिक टन चावल ट्रेन से राज्य में आयात किया जाता था। इस बार उल्टा हुआ। वर्तमान में धान उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश के किसानों को मिली बड़ी सफलता के कारण ही राज्य के होजाई एफसीआई रेल के द्वारा हजारों मैट्रिक टन चावल बाहरी राज्य में भेजने में कामयाब रहा है। होजाई से सिलचर के लिए भी 1200 टन चावल भेजा गया। सूत्रों ने बताया है कि आने वाले दिनों में होजाई एफसीआई से और कई हजार मैट्रिक टन चावल अन्य राज्यों में भेजने की योजना है।

# होजाई : शिशु कल्याण विभाग के चेयरमैन समीर सरकार का स्वागत

**होजाई ( निसं )।** होजाई के नवनियुक्त शिशु कल्याण विभाग के चेयरमैन समीर सरकार का अपना मंच के कार्यकर्ताओं ने उनके आवास स्थान पर जाकर फुलाम गामोछा से अभिनंदन करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपना मंच के संस्थापक निखिल कुमार मुंदड़ा व सह-संस्थापक विशाल चौधरी ने उनसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने उन्हें अपना मंच के उद्देश्य के बारे में बताया। सरकार ने इसकी प्रशंसा करते हुए अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही। इस दौरान चेयरमैन समीर सरकार ने भी शिशु कल्याण विभाग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वही उनसे असम सरकार द्वारा नब्बे दिवसीय बाल सुरक्षा अभियान के बारे में भी चर्चा हुई।

# रंगिया में छात्र संघ का विरोध प्रदर्शन

**रंगिया ( विभास )।** अखिल असम छात्र संस्था के आह्वान पर तथा कामरूप जिला छात्र संस्था के सौजन्य से असम सरकार द्वारा मातृभाषा माध्यम विरोधी लिए गए फैसले के खिलाफ तथा सरकार के इस फैसले को वापस लेने की मांग को लेकर आज रंगिया में एक विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित अखिल असम छात्र संस्था के सलाहकार प्रकाश चंद्र दास ने कहा कि सरकार ने मातृभाषा माध्यम को नष्ट करने का षड्यंत्र रचा है, सरकार को मातृभाषा माध्यम को नष्ट करने के अपने षड्यंत्र को वापस लेना होगा। उन्होंने कहा कि संस्था अपना आंदोलन तब तक जारी रखेगा जब तक कि सरकार अपने इस अड़ियल रुख को वापस नहीं ले लेती। विरोध कार्यक्रम में अखिल असम छात्र संस्था के उपाध्यक्ष धर्मेश्वर दास मौजूद रहे उन्होंने कहा कि माध्यम जीवित रहने से ही एक जाति जीवित रह सकती है। सरकार ने छठी कक्षा से विज्ञान और अंक विषय को अंग्रेजी में सिखाने को लेकर छात्रों को मानसिक

रूप से प्रताड़ित किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जहां इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई मातृभाषा में कराने की बात कर रहे हैं, वहीं असम सरकार का यह फैसला लोगों को चिंतित कर रहा है। हम अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं सरकार को हमारे छात्रों के लिए धाराप्रवाह से अंग्रेजी बोलने और लिखने की व्यवस्था करनी चाहिए। हमारे छात्रों को अंग्रेजी में आगे ले जाने के लिए अनुभवी अंग्रेजी शिक्षकों की व्यवस्था करे। अंग्रेजी में अचानक दो विषय थोपने और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का सरकार का फैसला कतई मंजूर नहीं होगा। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित अखिल असम छात्र संस्था के सलाहकार हेमंत दास ने कहा कि मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का यह फैसला हम कभी नही मानेंगे यदि सरकार में साहस है तो वह हमारे बच्चों को अंग्रेजी में दक्ष बनाने के लिए अनुभवी अंग्रेजी शिक्षकों की नियुक्ति करे। हम इस तरह के अड़ियल फैसलों को स्वीकार नहीं करेंगे।

# अंबुबासी मेला : तंत्र-मंत्र साधना का केंद्र

## कामाख्याधाम में 22 से 26 जून तक भव्य आयोजन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर के द्वार गुवाहाटी शहर में स्थिति विश्व विख्यात आध्यात्मिक केंद्र मां कामाख्या मंदिर में अंबुबासी मेला को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। कामरूप क्षेत्र के इस विश्वविख्यात मेले का आयोजन यहां आदिकाल से होता आ रहा है। इसमें भाग लेने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं तंत्र साधक इस दौरान कामाख्या पहुंचते हैं। अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी अंबुवासी मेले में भाग लेने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। ऐसी मान्यता रही है कि इस दौरान मां कामाख्या रजस्वला होती हैं, जिस कारण मंदिर का पट बंद रहता है। इस दौरान पूरे कामरूप क्षेत्र में देश-विदेश से आए साधक तंत्र साधना करते हैं। इस मेले का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 जून से हो रह है। 22 जून से शुरू होकर मेला चार दिनों तक चलता है। इस दौरान मंदिर का द्वार बंद रहेगा। मंदिर का द्वार 26 जून की तड़के 5 बजे दर्शनार्थियों के लिए खुलेगा। 26 जून को वीआईपी पास की कोई व्यवस्था कामाख्या धाम पर नहीं रहेगी। कामाख्या मंदिर संचालन समिति दोलोई समाज का कहना है कि कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन द्वारा बाहर से आने वाले भक्तों के ठहरने एवं भोजन आदि के लिए व्यापक पैमाने पर व्यवस्था की गई है। इस मेले का आयोजन असम पर्यटन विकास निगम की देख रेख में किया जा रहा है। इस दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी उत्पन्न न हो इसके मद्देनजर सुरक्षाबलों को कामाख्या तथा पूरे आसपास के क्षेत्र में तैनात किया गया है। चौकसी पूरी तरह से बरती जा रही है। वैसे तो हर तीर्थ स्थान अपने आप में महत्वपूर्ण होता है। लेकिन, तंत्रिका तंत्र, गौरी तंत्र, योगिनी तंत्र आदि ग्रंथों की मानें तो कामरूप एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हर कदम चलने से तीर्थ भ्रमण का फल प्राप्त होता है। कहा जाता है कि कामरूप प्रदेश में कदम-कदम पर शिव और शक्ति विराजमान हैं। जिसकी जिस प्रकार की मनोकामना होती है, वह कामरूप में आकर

पूरी हो जाती है। इसलिए इस तीर्थ का महत्व अन्य तीर्थों की तुलना में अधिक है। दूसरी ओर शास्त्र पुराणों में यह भी वर्णन है कि जब विष्णु भगवान के चक्र द्वारा एक-एक कर माता सती भवानी के अंग काटे जाने के दौरान माता सती भवानी का योनि भाग इस पर्वत पर आकर गिरा तो यह पूरा पर्वत नीला हो गया और जगत जननी जगदंबा का भार सहन नहीं कर पाने के कारण यह पहाड़ धंसकर पाताल लोक तक चला गया। तब स्वयं भगवान भोलेनाथ, भगवान विष्णु और ब्रह्मा ने इन तीनों ही पहाड़ों को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। जिस कारण नीलाचल पर्वत के तीनों ही पहाड़ का नाम ब्रह्म पर्वत, विष्णु पर्वत एवं शिव पर्वत के रूप में विख्यात हुआ। ऐसा कहा जाता है कि नीलाचल पर्वत को ये त्रिदेव धारण करते हैं और माता यहां संपूर्ण रूप में विराजित रहती हैं। भगवती ने यहां दस महाविद्या का रूप धारण किया और यहां देवी की संपूर्ण 64 कलाएं विद्यमान हैं। न सिर्फ तांत्रिक बल्कि बौद्ध, जैन, वैष्णव सभी दस महाविद्या की देवियों की आराधना के लिए कामरूप आते हैं। नीलाचल पर्वत पर दस महाविद्या की सभी देवियों के मंदिर विद्यमान हैं। ऐसा अन्यत्र कहीं भी नहीं मिलता है। ऐसी मान्यता है कि अंबुबासी के दौरान दस महाविद्या की सभी देवियां जागृत रहती हैं और साधक अपने-अपने तरीके से काली, तारा, बगला, छिन्नमस्ता, खोडशी, मातंगी, भुवनेश्वरी, बगला, धूमावती, भैरवी तथा कमला आदि देवियों को प्रसन्न करके अपनी तंत्र साधना पूरी करते हैं।

**ADVERTISE NOTICE**

The Directorate of Welfare of SC & BC, Assam, invites applications from SC Meritorious Boys' & Girls' students those have passed the HSLC / HSSLC Examination under the Board of Secondary Education of Assam & Higher Secondary Educational Council securing 80% and above marks during the academic year 2023 for awarding of Financial Assistanc: @ Rs 10,000/- (Rupees Ten Thousand ) only under the scheme Financial Incentive for SC meritorious Boys' & Girls' students during the financial year 2023-24 subject to sanction / release of fund by Govt. The Selection will be made on merit basis only.

The intending SC students may submit their applications as per prescribed format given below to the office of the Directorate of Welfare of SC & BC, Assam, Housefed Complex, Block-II, 2nd Floor, Guwahati-6 on or before 20-7-2023.

**Application format for the Financial Assistance to poor Meritorious SC Boys / Girls students**

*Recent photograph*

1. Name of the Students (BLOCK LETTER):
2. Parents / Guardian Name :-
3. Present Address:-
4. Permanent Address :-
5. Name of the Institution Last attended:-
6. Name of the Examination Passed :-
7. Academic year :-
8. Percentage of marks secured :-
9. Sub-Caste :-
   (Self Attested Copy of Caste Certificate to be enclosed)
10. Whether received Similar grant under this scheme on previous year, If yes, Mention the year of Receipt :-
11. Bank Account NO. :-
12. IFS Code No :-
13. Full name & Address of Bank :-
14. Mobile No of the Applicant :-

I do here by solemnly declared that the above mentioned information is true and correct to the best of my knowledge.

Seal & Signature of the Head of :
the Institution fast attended.

Signature of the applicant

*-- Janasanyog /D/5082/ 23*

# बिपरजॉय चक्रवात : गुजरात तट पर मूसलाधार बारिश के साथ समंदर में बवंडर शुरू

**- कुल 94 हजार से अधिक नागरिकों का सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया**
**- वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए वन विभाग की 180 टीमें तैयार**

**अहमदाबाद, (हि.स.)।** बिपरजॉय समुद्री चक्रवात की आउटर लाइन गुजरात के समुद्री तट से जुड़ने के बाद तेज हवा के साथ बारिश का दौर शुरू हो चुका है। देवभूमि द्वारका, कच्छ और पोरबंदर में मूसलाधार बारिश शुरू हो चुकी है। समुद्र में पानी उफनने से यह तट से बाहर तक फैल चुका है। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात गुरुवार रात 9 बजे से 10 बजे के बीच कच्छ जिले के जखौ बंदरगाह के समीप लैंडफॉल करेगा। इसके बाद 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं तबाही ला सकती हैं। राहत आयुक्त आलोक-कुमार पांडे ने बताया कि बिपरजॉय चक्रवात की गति में पिछले कुछ घंटे में कमी दर्ज हुई है। मौसम विभाग के अनुसार गति में कमी आने के कारण चक्रवात के अब गुरुवार रात 9 से 10 बजे के आसपास गुजरात तट से टकारने का अनुमान है। संभावित चक्रवात जब धरती से टकरेगा, तब हवा की गति 115-125 किलोमीटर प्रतिघण्टा रहने की संभावना है। चक्रवात की केवल गति घटी है, परंतु संकट अभी टला नहीं होने के कारण प्रशासन ऐहतियात के रूप में संपूर्ण तैयारियां करके सतर्कता बरत रहा है। पांडे ने बताया कि राज्य सरकार ने स्थानांतरण पर विशेष बल देते हुए 8 ज़िलों में अब तक कुल 94 हजार से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। इनमें जूनागढ में 4864, कच्छ में 46823, जामनगर में 9942, पोरबंदर में 4379, देवभूमि द्वारका में 10749, गीर सोमनाथ में 1605, मोरबी में 9243 तथा राजकोट में 6822 सहित कुल 94427 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। राहत आयुक्त के अनुसार चक्रवात जैसे-जैसे समुद्र तट के निकट आएगा, वैसे-वैसे हवा की गति तथा वर्षा में वृद्धि होगी। चक्रवात से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले उपरोक्त 8 ज़िलों की 55 तहसीलों में पिछले तीन दिनों के दौरान कुल 2248 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों के दौरान भी भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की है। राहत आयुक्त ने बताया कि संभावित चक्रवात के गुजरात तट से टकराने के बाद 16 जून को उत्तर गुजरात के बनासकांठा तथा पाटण जैसे ज़िलों में भी भारी से अति भारी वर्षा होने की चेतावनी के चलते सम्बद्ध ज़िला प्रशासन को पूर्व तैयारियां कर लेने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। पांडे ने बताया कि संभावित चक्रवात के फलस्वरूप जनजीवन के अतिरिक्त वन्य प्राणी भी प्रभावित हो सकते हैं। वन्य जीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने लगभग 180 टीमें तैयार की हैं। इसके अलावा, आवासीय क्षेत्रों में भी लोगों को अपने पशु खुले में रखने के निर्देश दिए गए हैं। जलापूर्ति विभाग ने चक्रवात से संभावित प्रभावित ज़िलों में वर्षा या तेज हवा के कारण विद्युत आपूर्ति ठप हो जाने के बावजूद लोगों को पीने का पानी आसानी से मुहैया कराने की व्यवस्था की हैं। जलापूर्ति पर विपरीत प्रभाव न पड़ने देने तथा जलापूर्ति बनाए रखने के लिए कुल लगभग 25 जनरेटर सेट कच्छ, द्वारका एवं जामनगर में स्टैंडबाय रखे गए हैं। इतना ही नहीं, 5 डीजल जनरेटर सेट मोरबी में बैकअप के रूप में तैयार रखे गए हैं। एक मुख्य अभियंता को कच्छ भेजा गया है तथा अधीक्षक अभियंता स्तर के अधिकारियों को मोरबी, द्वारका, राजकोट तथा जामनगर में ड्यूटी सौंपी गई है। पेड़ धराशाई हों, तो उन्हें हटा कर सड़क यातायात पुनः बहाल करने के लिए सड़क एवं भवन विभाग की टीमों को जरूरी मशीनरी तथा डीजल जनरेटर के साथ तैयार किया गया है। राज्य में अब तक पेड़ धराशायी होने की 400 घटनाएं हुई हैं। राहत आयुक्त ने बताया कि संभावित चक्रवात के कारण संचार व्यवस्था को प्रभावित होने से रोकने के लिए मोबाइल ऑपरेटर्स इंट्रासर्किल रोमिंग की सुविधा के साथ तैयार हैं। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि जरूरत पड़ने पर सेटेलाइट फोन्स, वायरलेस नेटवर्क का उपयोग भी सुनिश्चित किया गया है। आलोक कुमार पांडे ने कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस तथा प्रशासन; सभी साथ मिल कर इस संभावित चक्रवात से कम से कम नुकसान हो; इसके लिए पर्याप्त सामूहिक प्रबंधन के साथ कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में संभावित बिपरजॉय चक्रवात से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा किए गए कामकाज का विवरण जानने के लिए गुरुवार को स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर पहुंच कर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में पटेल ने संबंधित अधिकारियों से संभावित चक्रवात की स्थिति के समक्ष प्रशासन द्वारा किए गए आयोजन का विवरण प्राप्त किया और उन्हें आवश्यक सुझाव दिए। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिवों, वरिष्ठ प्रधान सचिवों, सचिवों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अपने-अपने विभागों के अब तक हुए कामकाज का ब्योरा दिया।

# दिल्ली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में बृजभूषण शरण सिंह को दी क्लीन चिट

**अजय त्यागी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने नाबालिग पहलवान के यौन उत्पीड़न मामले में गुरुवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में जहां अपनी रिपोर्ट दाखिल की है, वहीं राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कर भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट दे दी है। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में नाबालिग पहलवान की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट देते हुए आरोप निरस्त करने की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि पॉक्सो के मामले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। पटियाला हाउस कोर्ट इस अर्जी पर 4 जुलाई को सुनवाई करेगा। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया गया है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह बालिग महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में चार्जशीट दाखिल किया। राऊज एवेन्यू कोर्ट इस चार्जशीट पर 22 जून को सुनवाई करेगा। दरअसल इस मामले में दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ दो मामले दर्ज किए थे। पहला मामला छह बालिग महिला पहलवानों की शिकायत पर था। जबकि एक केस नाबालिग की शिकायत पर दर्ज किया गया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में दो लोगों को आरोपित बनाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह के अलावा दूसरे आरोपित भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर हैं।

# प. बंगाल पंचायत चुनाव : नामांकन के आखिरी दिन उत्तर दिनाजपुर में माकपा कार्यकर्ता की हत्या

**उत्तर दिनाजपुर, (हि.स.)।** पंचायत चुनाव के नामांकन के आखिरी दिन गुरुवार को फायरिंग में एक माकपा कार्यकर्ता की मौत हो गई है। घटना उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा इलाके की है। घटना में दो कार्यकर्ता के घायल होने की भी खबर है। माकपा ने दावा किया है कि उसके कार्यकर्ता मनसूर अली की गोली लगने से मौत हुई है। उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा स्थित बीडीओ दफ्तर में नामांकन दाखिल करने पहुंचे माकपा व कांग्रेस उम्मीदवार और उनके समर्थकों पर कथित तौर फायरिंग की घटना हुई। इसका आरोप सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगा है। आरोप है कि फायरिंग में तीन माकपा कार्यकर्ता घायल हो गए। तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनमें से एक की मौत हो गई। माकपा ने दावा किया है कि उसके कार्यकर्ता मनसूर अली की मौत गोली लगने से हुई है। चोपड़ा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक हमीदुल रहमान ने कहा कि इस घटना से तृणमूल का कोई लेना देना नहीं है। किसने गोली चलाई है, यह जांच का विषय है। पुलिस अपना काम करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग सहानुभूति के लिए खुद पर गोलीबारी करवा रहे हैं। इस संबंध में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव सिन्हा ने "हिन्दुस्थान समाचार" से विशेष बातचीत में कहा कि चोपड़ा में हुई हिंसा की घटना की शिकायत मिली है। इस मामले में पुलिस को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उनसे यह भी पूछा गया कि जब से नामांकन शुरू हुआ है, उसके बाद से लगातार हिंसा हो रही है। आखिर लोगों को कैसे भरोसा होगा कि शांतिपूर्वक तरीके से चुनाव संपन्न होगा? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वक्त के साथ सब कुछ साफ हो जाएगा। चुनाव शांतिपूर्वक ही संपन्न होगा।

# प्रधानमंत्री की यात्रा के पहले अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन सौदे को सरकार की मंजूरी

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले ही रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन हासिल करने के सौदे को मंजूरी दे दी, जिसके लिए अंतिम फैसला सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति करेगी। यह डील भारत और अमेरिका के रिश्तों में एक मील का पत्थर होगी। इस सौदे की घोषणा पीएम मोदी की अगले महीने अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान की जा सकती है। दरअसल, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने और निगरानी को बढ़ावा देने के लिए सेना, नौसेना और वायुसेना ने एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की जरूरत जताई है। खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। इस ड्रोन के आने के बाद हिंद महासागर पर चीन के खिलाफ घेराबंदी और मजबूत हो सकेगी। इसी क्रम में प्रीडेटर ड्रोन के सौदे को आज रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में मंजूरी दे दी गई। अधिग्रहण प्रस्ताव को अब एक प्रक्रिया का पालन करना होगा, जिसके बाद इसे सुरक्षा पर कैबिनेट समिति को मंजूरी देनी होगी। सशस्त्र सेनाओं के हथियार खरीदने का निर्णय लेने के लिए डीएसी रक्षा मंत्रालय में सर्वोच्च निकाय है। इसके बाद इन अधिग्रहणों को सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से अंतिम मंजूरी दी जाती है। भारतीय नौसेना इस सौदे के लिए प्रमुख एजेंसी है, जिसमें 15 ड्रोन अपनी जिम्मेदारी के क्षेत्र में निगरानी संचालन के लिए समुद्री बल में जाएंगे। इसके अलावा सेना और वायुसेना की भी 8-8 ड्रोन लिए जाने की योजना है। इस बीच, पीएम मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। प्रधानमंत्री के रूप में अपने नौ साल के शासनकाल के दौरान यह पीएम मोदी की अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा होगी। इसी दौरे पर 32 हजार करोड़ रुपये का यह सौदा फाइनल होने की उम्मीद है। एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स ने बनाया, जो लगातार 48 घंटे उड़ सकता है। यह 6,000 समुद्री मील से अधिक दूरी तक लगभग 1,700 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकता है। यह नौ हार्ड-पॉइंट्स के साथ आता है, जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों के अलावा सेंसर और लेजर-निर्देशित बम ले जाने में सक्षम है, जिसमें अधिकतम दो टन का पेलोड है। हथियारबंद ड्रोन से भारतीय सेना उस तरह के मिशन को अंजाम दे सकती है, जिस तरह का ऑपरेशन नाटो बलों ने अफगानिस्तान में किया था।

# कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग

**अजय कुमार**

**नई दिल्ली।** उत्तर पश्चिमी जिले के मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई है। आग आज दोपहर करीब साढ़े 12 बजे लगी। कोचिंग सेंटर में आग लगी देख छात्रों में हड़कंप मच गया। छात्र चीख-पुकार मचाने लगे। आनन-फानन में इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाना और छात्रों का रेस्क्यू करना शुरू किया। मौके पर फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि आग इतनी भयावह थी कि कुछ स्टूडेंट्स ने कूदकर अपनी जान बचाई। फिलहाल किसी जनहानि की जानकारी नहीं मिल रही है। 11 फायर टेंडर आग बुझाने में जुटे हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी छात्रों को कोचिंग सेंटर से बाहर निकालने के लिए पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम की मदद कर रहे हैं। कोचिंग सेंटर में आग लगने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कमरे से धुआं निकर रहा है और छात्र तारों के सहारे नीचे उतर रहे हैं।

# मुख्यमंत्री ने 'शिमला से जुड़ी हस्तियां' मानचित्र जारी किया

**शिमला, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यहां भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग के पूर्व सहायक निदेशक त्रिलोक सूर्यवंशी द्वारा तैयार किए गए शिमला से जुड़ी हस्तियां मानचित्र जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला एक ऐतिहासिक नगर है और कई विश्व प्रसिद्ध हस्तियों का इस शहर से गहरा रिश्ता रहा है। ऐसे में इस मानचित्र के माध्यम से इन ऐतिहासिक स्थलों के बारे जानकारी प्रदान करने का प्रयास यह सराहनीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह मानचित्र युवाओं के लिए एक रोचक अभिलेख साबित होगा। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली, पूर्व वरिष्ठ वास्तुकार के.सी. चौहान, साहित्यकार जगमोहन शर्मा, माया सूर्यवंशी एवं राज्य एनएसयूआई के महासचिव प्रवीण मिन्हास उपस्थित थे।

# वसुंधरा राजे ने जनता से की अपील- 2024 में भी मोदी सरकार की जीत सुनिश्चित करें

**- मोदी-नीत सरकार को सत्ता में बरकरार रखने का संकल्प लें**

**देवघर (ईएमएस)।** भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने लोगों से अपील की कि वे 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी-नीत सरकार को सत्ता में बरकरार रखने का संकल्प लें। राजे ने कहा कि पूरी दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ साल में केन्द्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को देखा है। जनता तक पहुंचने के भाजपा के प्रयासों के तहत एक रैली को संबोधित करते हुए राजे ने पार्टी कार्यकताओं और जनता से अपील की कि वे आगामी आम चुनाव में मोदी सरकार की शानदार जीत सुनिश्चित करें। भाजपा केन्द्र की मोदी-नीत सरकार के नौ साल पूरे होने पर देशभर में जनता तक जाकर उपलब्धियां बता रही है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों से भ्रष्ट झारखंड सरकार को उखाड़ फेंकने की भी अपील की। गौरतलब है कि राज्य में 2024 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य की झामुमो-नीत हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है। यह भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई है। देवघर में मीडिया को संबोधित करते हुए राजे ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाना, पैन और आधार कार्ड को जोड़ना और तमाम अन्य विकास योजनाएं मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से हैं। वहीं राजे पर पलटवार करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आरोप लगाया कि वह भ्रष्टाचार की बात कर रही हैं, जबकि उनकी पार्टी ने आम जनता की कीमत पर उद्योगपतियों के बड़े-बड़े कर्ज माफ कर दिए हैं।

# शिवसेना नेता संजय राऊत को धमकी देने वाला निकला दोस्त, गिरफ्तार

**मुंबई, (हि.स.)।** शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत को धमकी देने के मामले में पुलिस ने मयूर शिंदे को गिरफ्तार कर लिया है। मयूर शिंदे के साथ संजय राऊत का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करके भाजपा ने अब संजय राऊत पर मामला दर्ज करने की मांग कर दी है। दरअसल, संजय राऊत को कुछ दिन पहले फोन पर धमकी मिली थी और राऊत ने कांजुरमार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले की छानबीन करते हुए पुलिस ने रिजवान जुल्फिकार अंसारी और शाहिद अंसारी नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इन दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने आज इस मामले में मयूर शिंदे को भी गिरफ्तार किया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राम कदम ने पत्रकारों को बताया कि मयूर शिंदे संजय राऊत और उनके भाई सुनील राऊत का दोस्त है। अब सामने आ गया कि संजय राऊत ने अपनी पुलिस सुरक्षा बढ़ाने के लिए इस तरह षडयंत्र रचा, इसलिए संजय राऊत पर भी मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के महासचिव देशपांडे ने कहा कि खुद की सुरक्षा बढ़ाए जाने के लिए इतने निम्न स्तर तक जाना उचित नहीं है। संजय राऊत पर कार्रवाई की जानी चाहिए। संजय राऊत ने कहा कि बहुत जल्द दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा। उन्होंने मयूर शिंदे का नाम लेते हुए कहा कि वह किस पार्टी से जुड़ा है, यह जल्द सामने आ जाएगा।

# दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर नरोत्तम मिश्रा का पलटवार, कहा- सनातन धर्म और संतों का अपमान करना इनकी आदत

**भोपाल, (हि.स.)।** मध्य प्रदेश की राजनीति में इन दिनों विधानसभा चुनाव से पहले लव जिहाद, मतांतरण और कथावाचकों को लेकर खूब सियासत हो रही है। राजनेताओं के बीच इन मुद्दों पर जुबानी बयानबाजी जोरों से हो रही है। ऐसे में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा कथावाचकों को लेकर किये ट्वीट से सियासी पारा और गर्मा गया है। दिग्विजय सिंह ने जिहाद की व्याख्या करते हुए सनातन धर्म पर प्रवचन करने वाले बाबाओं को ढोंगी बताया हैं। दिग्विजय के इस ट्वीट पर प्रदेश के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार करते हुए जमकर निशाना साधा है। गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए दिग्विजयसिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं को सनातन धर्म और संतों का अपमान करने की आदत हो चुकी है। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी द्वारा लव जिहाद को लेकर बेटियों को दिए गए संस्कार की बात तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले कांग्रेस के नेताओं को अखर गई। उन्होंने कहा कि दिग्विजय जिहाद की अपनी परिभाषा आइएसआइ, अलकायदा, पीएफआइ, सिमी जैसे संगठनों को क्यों नहीं समझाते। गृहमंत्री मिश्रा ने कहा कि मैं कमल नाथ जी, प्रियंका जी से सवाल पूछना चाहता हूं जो धर्म का चोला ओढ़कर आते हैं कि जो दिग्विजय ने सनातनी संतों के बारे में बोला है, इस आपत्तिजनक बयान को क्या आप सही मानते हैं। अगर सही मानते हैं तो हां कहें और अगर नहीं मानते हैं तो उन पर कार्रवाई करें। लेकिन ये तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं इसलिए ये मौन ही रहेंगे। बता दें कि दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने लिखा कि अज्ञानी सनातन धर्म विरोधी आरएसएस के स्वयंसेवकों और वीएचपी के बाबाओं को जिहाद का क्या मतलब होता है, यह समझाओ। दिग्विजय ने अपने अगले ट्वीट में जिहाद का मतलब समझाते हुए उसका अर्थ बताया था। अपने ट्वीट में दिग्विजय सिंह ने सनातन धर्म पर प्रवचन करने वाले बाबाओं को ढोंगी भी बताया था।

# ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एम3एम के दो निदेशकों को किया गिरफ्तार

**आशीष वर्मा**

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुग्राम स्थित रियल्टी समूह एम3एम के दोनों निदेशक बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत पहले हिरासत में लिया था। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी ने धन शोधन के मामले में रियल्टी समूह एम3एम के निदेशक बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किया है। धन शोधन के जिस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया है, वह अप्रैल में विशेष अदालत के पूर्व न्यायाधीश, उनके भतीजे और एम3एम समूह के तीसरे निदेशक रूप कुमार बंसल के खिलाफ हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्राथमिकी से संबंधित है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक जून को आईआरईओ समूह और इसके प्रवर्तक ललित गोयल से जुड़े धन शोधन के एक अन्य मामले में एम3एम समूह के प्रवर्तकों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ छापेमारी की। इसके बाद ईडी ने रूप कुमार बंसल और दो अन्य निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किया। इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पांच जुलाई तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। हालांकि, ईडी ने अब एसीबी से जुड़े धन शोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि एसीबी की प्राथमिकी के मुताबिक न्यायाधीश पर रियल्टी समूह एम3एम के निदेशकों और आईआरईओ नामक एक अन्य रियल इस्टेट समूह के खिलाफ ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामलों में पक्षपात का आरोप था। न्यायाधीश को बाद में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दिया था। हालांकि, एसीबी मामले में आरोपित सभी लोगों ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है।

# जनसमस्याओं को कार्यपालिका तक प्रभावी रूप से पहुंचाना विधायी संस्थाओं का दायित्व : ओम बिरला

**गोवा, (हि.स.)।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को गोवा विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक सभी विधायी संस्थाओं का दायित्व है कि वे जनता की समस्याओं को कार्यपालिका तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमारी विधायिकाओं में चर्चा और संवाद का उच्च स्तर हो तथा विधायिकाओं की कार्यवाही शांति एवं गरिमा के साथ चले। लोकसभा अध्यक्ष बिरला एक दिवसीय गोवा दौरे पर हैं। उन्होंने आज गोवा विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया। यह सत्र ह्यविकसित भारत 2047: जन प्रतिनिधियों की भूमिकाह्न विषय पर आयोजित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के पर्याप्त मार्ग हैं। संसद के अंदर यदि शालीनता से असहमति व्यक्त की जाए तो इससे देश और भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जनप्रतिनिधि जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को सदन में आवाज दें जिससे उनकी परेशानियों का हल निकल सके। सदन के अंदर मर्यादित व्यवहार से सदन की प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, विधानसभा अध्यक्ष रमेश तावड़कर, राज्य के मंत्री एवं विधानसभा सदस्यों समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। वहीं गोवा में विपक्ष ने बिरला के कार्यक्रम का बहिष्कार किया। कांग्रेस ने सवाल किया कि मानहानि मामले में अयोग्य ठहराए गए पार्टी नेता राहुल गांधी को अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, गोवा फॉरवर्ड पार्टी और रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी ने समारोह में भाग नहीं लिया। कानून निर्माण की प्रक्रिया में सदस्यों की समुचित भागीदारी का जिक्र करते हुए बिरला ने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए कानूनी प्रस्तावों पर व्यापक बहस होनी चाहिए। इस चर्चा में हमारा यही उद्देश्य हो कि उनका आम जनमानस के जीवन पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानूनों पर जितनी व्यापक चर्चा होगी, उतने ही प्रभावी कानून बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि इस महासंकल्प की सिद्धि तभी संभव है जब देश का प्रत्येक नागरिक और देश की सभी संस्थाएं, जिनमें देश की निर्वाचित संस्थाएं शामिल हैं, इसके लिए समर्पित भाव से सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने सुझाव दिया कि देश की सभी विधानसभाओं को टेक्नोलॉजी का अधिकतम इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही विधानसभा सदस्यों के क्षमता निर्माण की उचित व्यवस्था, विधि निर्माण में उनकी सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे विधि निमार्ता अपनी-अपनी विधायिकाओं को सर्वश्रेष्ठ बना सकेंगे। गोवा विधानसभा के शानदार इतिहास का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि विधानसभा की गोवा के सामाजिक आर्थिक विकास और लोगों के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री डॉ. सावंत ने नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए बिरला को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उनका दृढ़ विश्वास है कि नई संसद देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए अमृतकाल का उपहार सिद्ध होगी। अपने स्वागत भाषण में गोवा विधानसभा के अध्यक्ष रमेश तावड़कर ने कहा कि एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसके लिए अन्य हितधारकों के साथ-साथ विधानमंडलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष जोशुआ डिसूजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर ओम बिरला ने गोवा विधानसभा परिसर में पौधारोपण किया।

# केंद्र सरकार में भाजपा के नौ वर्ष पूरे होने पर, सदर विधायक ने गिनाई उपलब्धियां



**जालौन, (हि.स.)।** केंद्र की भाजपा सरकार के सफल नौ वर्ष पूरे होने पर सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को गिनाया। एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया बोल रही है कि ये 21वीं सदी भारत की है। भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता हासिल कर चुका है। दुनिया भी यह मान रही है कि वैश्विक परिदृश्य में भारत को साथ लिए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता है। विधायक गौरी शंकर वर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नौ वर्ष में बगैर किसी भेदभाव के हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। जिससे आज समूचे विश्व में भारत की साख बढ़ी है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, आयुष्मान योजना और पीएम जन औषधि योजना के तहत चिकित्सा सुविधा, एक्सप्रेस वे, स्टेट हाईवे, छोटे-छोटे संपर्क मार्गों का निर्माण, गरीबों हेतु आवास व शौचालय निर्माण, बहिन बेटियों के लिए उज्ज्वला योजना, लघु व मध्यम किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना, साफ व शुद्ध पेयजल हेतु हर घर नल जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है। विधायक ने कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सफलतम नौ वर्ष पूर्ण होने पर तमाम देशों की सरकारें प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की सराहना कर रहीं हैं। पूर्व की सरकारों में आतंक के साए में रहने वाले जम्मू कश्मीर में अब शांति और खुशहाली नजर आ रही है। देश की अर्थव्यवस्था जहां पहले की अपेक्षा मजबूत हुई है वहीं दुश्मन पड़ोसी देश भी अब भारत के सामने झुकने पर मजबूर हो गए हैं। प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में प्रदेश की योगी सरकार भी विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस दौरान मीडिया प्रभारी शक्ति गहाई, पिछड़ा वर्ग के नगर अध्यक्ष मनोज राजपूत, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सूर्य नायक, रामू, मनोज समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# अयोध्या में 32 हजार करोड़ की चल रही हैं परियोजनाएं : योगी



**अयोध्या, (हि. स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अयोध्या में 32 हजार करोड़ की परियोजनाओं के कार्य हो रहे हैं। इतनी परियोजना देश के किसी एक शहर में नहीं चल रही होगी। जिस दिन यह कार्य जमीनी धरातल पर उतरेंगे, अयोध्या दुनिया की सुंदरतम नगरी के रूप में रहेगी। जनवरी में जब प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से रामलला 500 वर्ष बाद अपने स्वयं के मंदिर में विराजमान होंगे, तो दुनिया अयोध्या की तरफ आकर्षित होगी। यहां मुख्य रेलवे स्टेशन का विकास हो रहा है। सूर्यकुंड व भरतकुंड में भी रेलवे विकास के कार्य प्रारंभ हो रहे हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी इसी वर्ष बनकर तैयार हो जाएगा। यहां के लिए इतने अवसर आने जा रहे हैं कि जो अयोध्या नहीं आया होगा वो पछताता होगा। जिसने यहां जन्म नहीं लिया होगा, वह भी प्रार्थना कर रहा होगा कि हमें भी अयोध्या में जन्म लेने का अवसर मिलता तो हम भी सौभाग्यशाली होते। राम के बिना हमारा जीवन अधूरा माना जाता है। जिस रूप में प्रभु राम को पूजा है, भक्ति की है, वह साकार रूप में हम सबके सामने रामलला के रूप में मंदिर निर्माण के साथ विराजमान होकर दर्शन देंगे। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुवार को योगीराज भरत जी की तपोस्थली भरतकुंड नंदीग्राम में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ व दीर्घ जीवन के साथ उनके यशस्वी कार्यकाल के लिए प्रार्थना करते हुए उनका मार्गदर्शन व नेतृत्व भारत को मिलता रहे, यही प्रार्थना करता हूं। इस दौरान अयोध्या के विकास की झलक पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बड़ी सिटी अयोध्या से जुड़ना चाहती है। यह नई अयोध्या है। इस बार दीपोत्सव का 21 लाख दीप प्रज्वलन का लक्ष्य रखिए। सभी घाटों, मठ-मंदिर, सूर्यकुंड-भरत कुंड के साथ दीपोत्सव में अयोध्या के हर घर में दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम होने चाहिए। अभी से इसकी तैयारी प्रारंभ कर दें। अगले वर्ष हमारे श्रीराम आने वाले हैं। अपने घर-महल में विराजमान होने वाले हैं। इसकी तैयारी दीपोत्सव के साथ प्रारंभ होनी चाहिए। जैसे वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। 21 जून को योग महोत्सव का कार्यक्रम होगा। हमें इनसे जुड़ना चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा की स्थिति बेहतर हुई है। भारत मानवता कल्याण का नेतृत्व करता दिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत वैश्विक मंच पर सम्मान पाता है। पीएम मोदी का यशस्वी नेतृत्व को जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा और भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इससे प्रति व्यक्ति की आय में वृद्धि होगी। कनेक्टिविटी बेहतर होगी। पहले अयोध्या के लिए न सड़कें थीं और न ही ट्रेन। पहले गोरखपुर और लखनऊ से अयोध्या आने में पांच-छह घंटे लगते थे, आज एक घंटे में सफर तय हो रहा है। एयरपोर्ट बनने के बाद त्रेतायुग की याद को ताजा करने का अवसर मिलेगा। जब लंका विजय के बाद प्रभु श्रीराम पुष्पक विमान से अयोध्या आए होंगे। आज अयोध्या के हर वासी को विमान यात्रा से देश-दुनिया में उड़ान का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में महापौर के साथ ही विभिन्न नगर निकायों में आपने डबल इंजन की सरकार पर विश्वास किया, इसलिए डबल इंजन की भाजपा सरकार आपके सहयोग से गांव हो या शहर, हर एक स्तर पर जनसुविधाओं व बुनियादी विकास की योजनाओं को लेकर बिना भेदभाव गरीब कल्याणकारी की योजनाएं हर जन तक पहुंचने के लिए कार्य कर रही है। आज उसी श्रृंखला में अयोध्या लोकसभा सीट के अंतर्गत दो हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या सबसे वैभवशाली नगरी और जनपद सबसे वैभवशाली बन रहा है। एक एक बार फिर से अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रहा है, जब रामराज्य की परिकल्पना को साकार किया गया था। आज उस ओर न सिर्फ अयोध्या जा रही है, बल्कि पूरे देश को पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रेरणा भी दे रही है। छह वर्ष पहले लोग अयोध्या का नाम लेने से संकोच करते थे, जबकि उनकी सरकार अयोध्या के विकास के लिए पूरी तरह से तत्पर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कल रात 11 बजे उन्होंने सूर्यकुंड देखा। उन्हें याद है कि आज से तीन-चार वर्ष पहले जब सूर्यकुंड गए थे तो यह जर्जर था। पानी सड़ रहा था। कोई पुरसाहाल नहीं था, लेकिन अब सूर्यकुंड ने अहसास करा दिया कि अयोध्या इसी प्रकार से बनेगी। सीएम ने सूर्यकुंड की स्थिति के बारे में लोगों से ही पूछा। सीएम ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि जनता को रात्रि 8 बजे ले जाकर लाइट एंड साउंड दिखाएं। सीएम ने पूछा कि तीन महीने में गुप्तारघाट कितने लोग गए। वहां माताओं व बहनों को ले जाकर दिखाएं। प्रभु श्रीराम से जुड़े अन्य क्षेत्र छह वर्ष तक वीरान पड़े थे, आज चमकते दिख रहे हैं। गुप्तारघाट व आसपास के दृश्य यह नई अयोध्या के चित्रण हैं। अयोध्या को दुनिया की सबसे सुंदर नगरी बनाएंगे और भरतकुंड का विकास सूर्यकुंड की तरह बनाएंगे। उसी प्रकार से महात्मा भरत की साधना स्थली को लाइट एंड साउंड से प्रस्तुत करेंगे। तालाब का सुंदरीकरण होगा, यहां रह रहे लोगों का पुनर्वास होगा। जमीन को सुरक्षित रखते हुए इसे फिर से त्रेतायुग की ओर ले जाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी प्रारंभिक रूप में कार्य के कारण परेशानी हो रही होगी, लेकिन बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शुरूआती कठिनाई झेलनी पड़ती है। अगले चार-छह महीने में अयोध्या की सड़कें दिल्ली की राजपथ सी लगेंगी। हमने उसका नाम रामपथ ही रखा है। हनुमानगढ़ी के पीछे से सुग्रीव किला के पास से श्रीराम जन्मभूमि के लिए जो मार्ग जा रहा है, भक्तिपथ के रूप में शानदार मार्ग बनने जा रहा है। अयोध्या में इससे पहले इतने चौड़े मार्ग नहीं थे। पंचकोसी, 14 कोसी, चौरासीकोसी, नया बाईपास, रिंग रोड, फ्लाईओवर बन रहे हैं। चिकित्सालयों, शिक्षकेंद्रों के विकास कार्यक्रमों को बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, श्रावस्ती, नैमिष तीर्थ, काशी, कुशीनगर का विकास हो रहा है। विकास के लिए पैसे की कमी नहीं है। पैसे की कमी तब होती थी, जब सरकारी खजाने पर डकैती डालने वाले लोग सत्ता में बैठकर परिवारवाद व जातिवाद का तांडव करते थे। तब पैसे की कमी नहीं होती थी। हमारे लिए जनता जनार्दन व प्रदेश ही परिवार है। डकैती डालने वालों की डकैती रोककर उस पैसे को हम विकास में लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सरकार योजनाओं को देने में भेदभाव नहीं कर रही है तो विकास कराने वाली, लोककल्याण के लिए समर्पित और विरासत का सम्मान करने वाली सरकार हमें लानी ही पड़ेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में सपना साकार हो रहा है। इसे देख हम सभी खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं कि हमने उस कालखंड में कार्य करने का अवसर मिला, जब देश को पीएम मोदी का यशस्वी नेतृत्व देख रहे हैं। हम काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ रामलला को अपने मंदिर में विराजमान होते देखेंगे, मथुरा-वृंदावन के सुंदरीकरण को देख रहे हैं तो प्रयागराज के दिव्य-भव्य कुंभ का भी आनंद ले रहे हैं। यही तो भारत है। हम सभी को इसमें मिलकर कार्य करना होगा। 9 वर्ष के यशस्वी कार्यकाल के लिए हर कार्यकर्ता घर-घर जाकर अलख जगाने का कार्य करे और 2024 में एक बार फिर से प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार बने। जनसभा में अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, सांसद लल्लू सिंह, महापौर महन्त गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, अयोध्या विधायक वेदप्रकाश गुप्त, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव,बीकापुर विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी प्रांशु दत्त द्विवेदी, एमएलसी हरिओम पांडेय,विधान परिषद सदस्य पद्मसेन चौधरी, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, भाजपा के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र आदि मौजूद रहे।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

पीएम आवास योजना (ग्रामीण) रेखा, बबिता
मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)अनिता, आरपी मिश्र
पीएम आवास योजना (शहरी) अरुण कुमार, राजमणि, सिरताज
पीएम स्वनिधिः ब्रह्मशंकर के साथ ही ओडीओपी, पीएम कुसुम योजना समेत अनेक योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने चेक, चाबी, टूल किट आदि प्रदान किया।

# इस्लामिक कानून की आड़ में देश के कानून से किनारा नहीं कर सकते : मोहसिन रजा

**- पूर्व मंत्री रजा ने की देश में समान नागरिक संहिता की वकालत**



**लखनऊ, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने कहा कि इस्लामिक कानून की आड़ में देश के कानून को कोई भी मुसलमान चुनौती नहीं दे सकता। हकीकत तो यह है कि देश के कानून और संविधान को मानना ही इस्लामिक कानून है। इस्लाम कहता है कि हम जिस भी देश में रहते हैं, वहीं का कानून मानना चाहिए। इसलिए देश में समान नागरिक संहिता लागू होना ही चाहिए। मोहसिन रजा ने गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि मुस्लिम समाज में शिक्षा की बहुत कमी है। उनकी अशिक्षा को हथियार बनाकर मुस्लिम समाज के ही कुछ धार्मिक ठेकेदार उन्हें बरगला रहे हैं। ऐसी बहुत सी चीजें उन पर थोपी गयीं हैं जिसे कुरआन इजाजत नहीं देती। हम कहीं भी नमाज अदा कर सकते हैं। घर में नमाज पढ़ सकते हैं। दफ्तर में भी पढ़ सकते हैं, लेकिन कुछ ठेकेदार मुस्लिम धर्मगुरुओं ने ही उनके कम इल्मी होने का लाभ उठाकर उन्हें समझा दिया कि नमाज केवल मस्जिद में पढ़ी जा सकती है। कोई अपना व्यापार तो कोई दफ्तर छोड़कर नमाज के लिए चला जाता है। मोहसिन रजा ने कहा कि व्यापार और नौकरी भी तो एक इबादत है। एक इबादत के लिए दूसरी इबादत कैसे छोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से सनातन धर्म में कहा गया है कि कर्म ही पूजा है, उसी प्रकार हमारे यहां भी रोजी इबादत है। एक शायर ने कहा कि ह्यघर से मस्जिद है बहुत दूर, चलो यूं कर लें किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाए...। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना भी इबादत है। आप ड्यूटी के समय दफ्तर छोड़कर चले गए और कोई फाइल लेकर पीड़ित व्यक्ति भटक रहा है। अगर मस्जिद पास में है तो जाएं लेकिन समय का ध्यान भी रखें। समान नागरिक संहिता पर पूर्व मंत्री रजा ने कहा कि इस्लाम इंसानियत की दावत देता है और मौलवी मुसलमान बना रहे हैं। दुनिया इस्लाम से नहीं परेशान है। दुनिया मुसलमान से परेशान है। इस्लाम को हिन्दुस्तान ने भी मान्यता दी है। यहां बारावफात मनाई जाती है। उसकी छुट्टी होती है, लेकिन सउदी अरब में नहीं मनाई जाती है। इस देश के कानून ने हमें जीने और रहने का अधिकार दिया है। देश का एक संविधान और एक कानून होना ही चाहिए। इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। इस्लाम भी यही कहता है कि हम जिस देश में रह रहे हैं, वहां के कानून को मानना है।

# जनपद की पुलिस 100 वाल पेंटिंग से यूपी 112 और 1090 का करेगी प्रचार




**कानपुर देहात, (हि.स.)।** आम जन मानस तक पुलिस की पहुँच अधिक बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने जनपदों में वाल पेंटिंग के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के आदेश दिए हैं। इसी कड़ी में जनपद की 100 दीवारों में वाल पेन्टिंग के माध्यम से यूपी 112 और 1090 का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी 112 की समीक्षा बैठक के दौरान आदेश दिया है कि यूपी 112 और 1090 का जनता तक प्रचार प्रसार किया जाए। इसके लिए सरकार ने सभी जिलों को एक बजट इसके लिए दे दिया है। इसी कड़ी में कानपुर देहात पुलिस को जनपद में 100 वाल पेंटिंग 2400 वर्ग मीटर की 65 हजार कीमत से करवानी है। इस पेंटिंग के माध्यम से जनता को इसके लिए जागरूक करना है। इन सभी पेंटिंग को थाना, तहसील, ब्लॉक मुख्यालय एवं ग्रामीण स्कलों में कराया जाना सुनिश्चित किया गया है।

# अपर पुलिस अधीक्षक जनता की समस्याओं का त्वरित कर रहे निस्तारण

**कानपुर देहात, (हि.स.)।** जिला मुख्यालय पर पुलिस के पास पीड़ित जिस उम्मीद और समस्या निस्तारण के लिए आलाधिकारियों के पास पहुंचते हैं उनमें त्वरित कार्रवाई और निस्तारित होने से खुशी देखी जा रही है। ऐसा ही नजारा इन दिनों अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय की कार्यशैली को देखकर हो रहा है। इनके पास आने वाले हर फरियादी को न्याय मिल रहा है। त्वरित समस्या निस्तारित किए जाने से उनमें पुलिस के प्रति सोच भी बदली है और पुलिस के रवैये को लेकर सराहना कर रहे हैं। जनपद की पुलिस के ऊपर अभी भोगनीपुर इंस्पेक्टर द्वारा किये गए कांड के बाद कई सवालियां निशान खड़े होने लगे थे। इसी कड़ी में हिन्दुस्थान समाचार की टीम ने जब गुरुवार को पुलिस मुख्यालय पहुंची और यहां आने वाले पीड़ितों की समस्या के निदान की पड़ताल की तो बदला हुआ नाजारा देखने को मिला। यहां पर मित्र और सजग पुलिस की भूमिका का निर्वाहन करते देखा गया। इस दौरान जानकारी हुई की सप्ताह के शुरूआती दिनों जैसे सोमवार से बुधवार तक प्रतिदिन अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय के कार्यालय में 50 से अधिक शिकायतें आती हैं।

जिनमें सबसे ज्यादा जमीनी मामले और उसके बाद घरेलू मामलों की होती हैं। जबकि इसके उलट सबसे कम शिकायतें क्राइम की आती हैं। इन समस्यों का निस्तारण त्वरित करने का कार्य भी उनके द्वारा किया जाता है। जो समस्या जिस थाने से सम्बंधित है, उसे उस थाने स्थानांतरित कर ससमय आख्यां लगाने और कार्रवाई कर रिपोर्ट करने के निर्देश दिया जाता है। इसके साथ ही कार्यालय से तुरन्त उसे व्हाट्सएप भी कर दिया जाता है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सरकार की मंशा है कि जन समस्या को प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाए। सरकार की मंशा के अनुरूप ही जनपद की पुलिस, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि पीड़ित की समस्याओं को सुने और जांच करते हुए पूरी निष्पक्षता के साथ कार्रवाई करें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की शिकायतों का निस्तारण होने से लोगों में पुलिस के प्रति सकारात्मक सोच का भाव पैदा होगा और मित्र पुलिसिंग का मैसेज जनता के बीच जाएगा।

# हमें किसी भी कार्य को निश्चित समय सीमा में करने का प्रयत्न करना चाहिए: राज्यपाल



**रांची, (हि. स.)।** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमें किसी भी कार्य को निश्चित समय सीमा में करने का प्रयत्न करना चाहिए। वे गुरुवार को राजभवन में झारखंड लोक सेवा आयोग के प्रथम सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के परीक्ष्यमान पदाधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप लोग विभिन्न सेवाओं से आये हैं, आपको अपने रिजल्ट के लिए लम्बे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। मैं आपकी पीड़ा को समझ सकता हूं। हमें किसी भी कार्य को निश्चित समय सीमा में करने का प्रयत्न करना चाहिए। साथ ही कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भेंट के क्रम में न्यायालय में लंबित वादों का शीघ्र निबटारा करने पर भी चर्चा हुई है।\राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि आप सभी जनसेवा के लिए तत्पर रहें। लोगों को आप सबसे बहुत अपेक्षाएं रहती हैं। आपको क्षेत्र में जाकर वास्तविक व जमीनी हकीकत से अवगत होना होगा। आपकी इस कार्यप्रणाली से लोगों को उनका यथोचित लाभ मिल सकेगा। वे अल्पावधि में सड़क मार्ग से 16 जिलों का दौरा कर चुके हैं। सड़क मार्ग से दौरा करने से जमीनी हकीकत का पता चलता है।

विगत दिनों लातेहार, पलामू एवं गढ़वा जिला के भ्रमण के दौरान पीवीटीजी से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत होकर उसके निराकरण के लिए पहल की गई। पलामू जिला में पानी की समस्या को दूर करने के लिए सिंचाई विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई एवं लंबित योजनाओं को पूर्ण करने की दिशा में पहल करने के लिए निर्देश भी दिया गया। राज्यपाल ने कहा क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण घर बैठे नहीं किया जा सकता है। प्रशिक्षु अधिकारियों की नियुक्ति क्षेत्रीय कार्यालयों में होगी। आशा है नियुक्ति के पश्चात आप अपने क्षेत्रों और वहां की समस्याओं के संदर्भ में अच्छी तरह जानकर उसे दूर करने की दिशा में कार्य करेंगे। विगत 18 वर्षों की पीड़ा को भूल कर समाज की सेवा में अपना योगदान दें। इस दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, मुकेश कुमार, मीणा सहित परीक्ष्यमान पदाधिकारी उपस्थित थे।

# परिवहन सचिव आदेश का अनुपालन करें या 19 जून को सशरीर हाजिर हों: हाई कोर्ट

**रांची, (हि.स.)।** झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को एकीकृत बिहार में ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन में काम किए कर्मियों की ओर से झारखंड में समायोजित कर पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ देने के मामले में दायर राजेश्वर पाठक एवं अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में परिवहन सचिव को निर्देश दिया है कि कोर्ट के आदेश के आलोक में कर्मियों को पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करें अन्यथा अगली सुनवाई 19 जून को कोर्ट में सशरीर उपस्थित हो। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त कर्मियों को समायोजित कर उनके सर्विस बुक रिकॉर्ड तैयार कर सभी को विधि सम्मत पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ दिया जाए। मामले में राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार ने चार माह में ट्रांसपोर्ट विभाग के इन कर्मियों को सेवानिवृत्ति लाभ भुगतान देने की बात कही थी लेकिन अब तक कर्मियों को न तो पेंशन का भुगतान हुआ है और ना ही उन्हें सेवानिवृत्ति लाभ मिल सका है। साथ ही उनका सर्विस बुक भी तैयार नहीं हुआ है। याचिककर्ता बिहार राज्य ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन में कर्मी थे। झारखंड गठन के बाद कैडर डिवीजन में इनका समायोजन झारखंड में हुआ था लेकिन कार्य करने की उनकी पुरानी अवधि को उनके पेंशन के साथ नहीं जोड़ा गया। मामले को लेकर याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी।

# मैनपावर आउटसोर्स लूट का ही एक तरीका : भानू प्रताप शाही



**रांची, (हि.स.)।** विधायक और पूर्व मंत्री भानू प्रताप शाही ने गुरुवार को कहा कि मैनपावर आउटसोर्स लूट का ही एक तरीका है। राज्य में यह एक नए कोढ़ के तौर पर शुरू हुआ है। इस मामले में सरकार को संज्ञान लेते हुए जांच करनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील करते कहा है कि अगर आउट सोर्स मैन पॉवर कंपनी की सही से जांच होने से केवल अधिकारी ही नहीं, कई मंत्री भी जेल में होंगे। भानू ने कहा कि मैन पावर आउट सोर्स के जरिये शिक्षित बेरोजगार युवकों का शोषण होता है। बिना सरकारी बहाली के काम करवाने का नया फॉमूर्ला सरकार और अधिकारी मिल कर निकाल रहे हैं। एक साल के कॉन्ट्रैक्ट पर युवक-युवतियों से पैसा ठग कर बाहर की कंपनी मनमाने ढंग से आज झारखंड के हर विभाग में कार्यरत और काबिज हो गयी है। भानू प्रताप शाही ने इस मसले पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से भी जांच और दोषी पर कार्रवाई करने की मांग की है।

# राष्ट्रपति और पीएम को नहीं भेजा गया जदालु आम, इस फैसले से आम उत्पादक किसान हुए आहत



**भागलपुर, (हि.स.)।** बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2007 से लगातार भागलपुर का जदालु आम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और तमाम गणमान्य लोगों को भेजा जाता रहा है लेकिन इस बार सारी तैयारियों के बावजूद आखिरी वक्त में जिला प्रशासन ने जदालु आम भेजने से मना कर दिया। मना क्यों किया गया इसका पता नही चल सकता है। भागलपुर जिले के महेशी तिलकपुर गांव के आम उत्पादक किसान सह आम उत्पादक संघ भागलपुर के अध्यक्ष अशोक चौधरी बताते हैं कि जिला प्रशासन के आदेश पर अच्छी क्वालिटी का जदालु आम कई किसानों के बागान से ऊंची कीमत पर खरीदा गया। पैकिंग भी कर दी गई लेकिन भेजने के एक दिन पहले रात में नहीं भेजने का फरमान आ गया। नतीजा सैकड़ों क्विंटल आम बर्बाद हो गया। अब इसे सियासी रंजिश का शिकार कहें या फिर मौसम की मार। या फिर चुनावी मौसम का जदालु आम पर प्रहार। भागलपुर का सैकड़ों क्विंटल जदालु आम, सारी तैयारी के बावजूद राज्य सरकार ने राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को नहीं भेजा जा सका। जबकि भागलपुरी जदालु आम अब जीआई टैग से लैश है। सैकड़ों क्विंटल जदालू आम सड़ गया। 299 से ज्यादा डब्बे के अंदर आम सड़ गए हैं। भागलपुरी जदालु आम 2007 से ही राज्य सरकार के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री समेत कई गणमान्य को भेजा जाता रहा है। डेढ़ दशक पुरानी परंपरा को तोड़कर इस बार सरकार ने आम को महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को नहीं भेजने का निर्णय लिया। जबकि तैयारी पूरी हो चुकी थी। सिर्फ आम को ट्रेन पर लोड करना बचा था। उल्लेखनीय हो कि बिहार कृषि रोड मैप के तहत मिशन जदालु को बढ़ावा देने का निर्णय तब हुआ था जब इस जदालु आम की खासियत और स्वाद लाजबाब था। उसी आधार पर इसे जीआई टैग भी मिला। लेकिन अब जो हुआ उसमें आम उत्पादक किसान और जदालु आम की बेइज्जती है। भागलपुर तिलकपुर के रहने वाले मैंगो मैन अशोक चौधरी ने बताया कि 50 रुपए किलो किसान से जदालु आम खरीदे। सौगात के तौर पर दिल्ली नहीं जाने से आधे दाम में जहां तहां बेचना पड़ा। आम उत्पादक संघ के अध्यक्ष होने के नाते सारा वित्तीय बोझ मेरे पर आ गया है। कानपुर से जदालु आम का पैकेट बनकर आया। भागलपुर पहुंचने में देर हुई। 2 जून के बजाय 3 जून को दिल्ली दरबार में जदालु आम का सौगात जाना तय हुआ लेकिन आधी रात को न जाने क्या बात हुई कि सरकारी फैसला आया कि अब जदालु आम की सौगात दिल्ली दरबार को नहीं जाएगी। फिलहाल इस राज का खुलासा नहीं हो पा रहा है। लेकिन मिशन 2024 के बीच मिशन जदालु को झटका जरूर लगा है।

# कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस 23 जून के बाद होगी शामिल : शकील खान



**पटना, (हि.स.)।** बिहार मंत्रिमंडल का 16 जून को विस्तार होने वाला है। इस विस्तार को लेकर कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने शुक्रवार को कहा कि 23 जून के बाद कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस शामिल होगी। फिलहाल, पार्टी का ध्यान विपक्षी एकता को मजबूत करने पर है। खान ने कहा कि कांग्रेस विधायकों को मंत्री बनने के लिए अभी और इंतजार करना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शुक्रवार को होने वाले कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस विधायकों को जगह नहीं मिलेगी। कल सिर्फ और सिर्फ जदयू के विधायक ही मंत्री पद की शपथ लेंगे। साथ ही कहा कि 23 जून को बैठक के बाद होने वाले कैबिनेट विस्तार में ही कांग्रेस शामिल होगी। फिलहाल बिहार कांग्रेस का पूरा ध्यान विपक्षी एकता को लेकर होने वाली बैठक पर है। शकील अहमद खान ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि अब जनता के हित में खेला की शुरूआत हो चुकी है। बिहार में बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर धरना और प्रदर्शन और बढ़ेगा। इसके साथ अमित शाह और जेपी नड्डा के बिहार आगमन पर शकील अहमद खान ने कहा कि ये दौरा उनका असफल होगा। उनके इस दौरे से किसी तरह का फायदा नहीं मिल पाएगा।

# मोदी सरकार में मनरेगा से गांव हो रहे हैं सशक्त और आत्मनिर्भर: गिरिराज सिंह



**बेगूसराय, (हि.स.)।** केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर चलते हुए देश का समग्र विकास कर रही है। गांव सशक्त और ग्रामीण आत्मनिर्भर हो रहे हैं, प्लांटेशन से हरियाली छा रही है। मोदी सरकार के बेमिसाल नौ साल में मनरेगा से ना सिर्फ आधारभूत संरचना में आश्चर्यजनक बदलाव हुआ बल्कि, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी शानदार कार्य किए गए। जल, जीवन, हरियाली पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत जहां कोविड महामारी में गरीबों को रोजगार का सहारा मिला। वहीं, अर्थव्यवस्था की वृद्धि में महामारी पूर्व की तुलना में रोजगार कई गुणा अधिक मिला। मनरेगा के माध्यम से स्थाई निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। यूपीए की सरकार ने मनरेगा में बिहार को 9649 करोड़ रुपये दिए थे, मोदी सरकार ने 31637 करोड़ रुपये दिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि गरीबों की भलाई की सरकार ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से देश में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। कांग्रेस सरकार ने 2006 से 2014 तक 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित कर 213220 करोड केंद्रीय निधि रिलीज की। 153 लाख कार्य पूर्ण किए गए, जिसमें महिलाओं की भागीदारी 48 प्रतिशत थी। जनवरी 2014 में आधार सीडिंग मात्र 76 लाख सक्रिय कामगार का था। डीबीटी का प्रावधान नहीं रहने के कारण बिचौलिए मालामाल रहते थे। लेकिन, नरेन्द्र मोदी की सरकार बनते ही सुधार हो गया। आज मनरेगा का 99 प्रतिशत राशि डीबीटी के माध्यम से रिलीज किया जाता है। जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग गई है। मोदी सरकार में 2497 करोड़ श्रम दिवस सृजित कर 623125 करोड़ रुपये केंद्रीय निधि रिलीज की गई। 646 लाख कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिसमें महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है। 13.71 करोड़ (96.23 प्रतिशत) सक्रिय कामगारों का आधार सीडिंग कर दिया गया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में मनरेगा की स्थिति की बात करें तो 2006 से 2014 तक की कांग्रेस सरकार ने 76 करोड़ श्रम दिवस सृजित किए थे। 9649 करोड़ केंद्रीय निधि रिलीज कर 5.39 लाख कार्य पूरे किए गए, महिलाओं की भागीदारी मात्र 29 प्रतिशत थी। जबकि, 2014 से नरेन्द्र मोदी लगातार बिहार के विकास में जुटे हुए हैं। 121 करोड़ श्रम दिवस सृजित किए गए, 31637 करोड़ केंद्रीय निधि देकर 45.54 लाख कार्य पूरे किए गए। महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 52 प्रतिशत हो गई है।

संपादकीय

# पर्यटन को निगाह चाहिए

पर्यटन की आंखें हर ओर देख लेती हैं, जरूरत है इन्हें रास्ता दिखाने की। हिमाचल पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली को पालमपुर के किसान मेले में आकर लगा कि ऐसे इंतजाम को पर्यटन की निगाह मिल जाए तो प्रदेश के कृषि-बागवानी विज्ञान केंद्र सैलानियों से सराबोर हो जाएंगे। दरअसल हिमाचल में 'टूरिज्म इन आल डिपार्टमेंट्स' की पालिसी पर अमल करें तो प्रदेश को देखने की आंखें बदल जाएंगी। पर्यटन को अगर दक्षिण, पश्चिम और पूर्वोत्तर राज्यों की निगाह से देखें तो ऊना, हमीरपुर, सिरमौर व बिलासपुर जैसे सीमांत जिला भी डेस्टिनेशन हैं। सवाल यह है कि हम इधर-उधर लांघते पर्यटन को हर जगह रोक के बताएं। क्या हम योजनाएं बनाते हुए सोचते हैं कि ऊना या हमीरपुर का पर्यटन पैकेज क्या होगा। आरंभिक दौर में पर्यटन निगम की सामग्री में यह जोर था कि हर क्षेत्र को पर्यटन से जोड़ा और संवारा जाए, लेकिन ये प्रयोग असफल क्यों हुए किसी ने सोचा नहीं। नूरपुर, ऊना, बैजनाथ, स्वारघाट व रेणुकाजी इत्यादि जगह पर पर्यटन इकाइयां क्यों असफल हुईं, अगर सोचा होता तो इन क्षेत्रों के मायने बदल जाते। उदाहरण के लिए ऊना, हमीरपुर, सिरमौर या बिलासपुर की परिधि में पर्यटन थीम पार्क, मनोरंजन पार्क, साइंस सिटी या वाटर स्पोर्ट्स जैसी परिकल्पनाओं का आगाज किया होता, तो पर्यटकों के सप्ताहांत जमावड़े इन क्षेत्रों में भी लगते। जहां तक हर विभाग को पर्यटन से जोड़ने का सवाल है, तो सर्वप्रथम शहरी व ग्रामीण विकास विभाग ऐसी गतिविधियों से शहरी व ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर 68 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक पर्यटक गांव बसाएं, तो इनकी फंडिंग के लिए कहीं भाषा-संस्कृति, कहीं मत्स्य-पशुपालन, कहीं वन, कहीं खेल, कहीं कृषि-बागवानी, कहीं ऊर्जा, कहीं परिवहन, कहीं पीडब्ल्यूडी तो कहीं जलशक्ति विभाग की परियोजनाओं के स्वरूप से पर्यटन की अधोसंरचना भी जुड़ जाती। मसलन जलशक्ति विभाग प्रदेश भर में कृत्रिम झीलों के माध्यम से पेयजल या सिंचाई परियोजनाओं को मुफ्त में पर्यटन के साथ जोड़ सकता है। इसी तरह वाटर शेड परियोजनाओं के साथ मत्स्य पालन अगर जुड़ जाता है, तो पर्यटकों के लिए ताजा मछली के लिए बस एक स्पॉट चाहिए। विडंबना यह है कि पर्यटन परियोजनाओं से केवल सियासी खेत ही बोए गए, जबकि इनके बेहतर इस्तेमाल से सारा प्रदेश विभिन्न पर्यटन सर्किट में रूपांतरित हो पाता। प्रदेश के नगर निकायों को अपनी खूबियों के अनुसार शहर को पर्यटकों के सौंपना होगा। शहरों की जमीन पर राजनीति उगाने की कोशिश में हमने कई आकर्षण खो दिए। उदाहरण के लिए, पालमपुर को अगर हिमाचल का चाय शहर प्रचारित करना है, तो उसके लिए कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग, नगर निगम, नागरिक समाज तथा प्रशासन को भी अधोसंरचना निर्माण के साथ वार्षिक गतिविधियों का एक कैलेंडर बनाना चाहिए। कुछ वर्षों से एग्रो टूरिज्म की निगाह से किन्नौर की सांगला वैली में एक उछाल आया, लेकिन आज वहां घाटी, खेत और बागीचे को कंक्रीट छीन रहा है। बेशक कीरतपुर से मनाली तक के फोरलेन पर तीन होटलों की परिकल्पना की जा रही है, लेकिन होटल और पर्यटन परिसर के अंतर में अगर निर्माण होता है, तो हर परिसर में विश्राम व खान-पान की सहूलियतों के साथ-साथ हिमाचल के दर्शन भी होंगे। इसी संबंध में कीरतपुर से मनाली तक के जिस फोरलेन की जद में बीरबल शर्मा द्वारा निर्मित हिमाचल दर्शन फोटो गैलरी का अस्तित्व सिमट रहा है, तो इसके भविष्य पर कौन संज्ञान लेगा। पर्यटन जितना सरकारी ढांचे में है, उससे कहीं ज्यादा निजी क्षेत्र के हस्तक्षेप से संभव हो रहा है। ऐसे में जरूरत यह भी है कि निजी क्षेत्र के अभिनव प्रयोगों को सम्मानित व संरक्षित किया जाए। तमाम होटल, ट्रैवल, टैक्सी, बस आपरेशन, व्यापार, मनोरंजन व रेहड़ी-फड़ी से जुड़ी एसोसिएशनों से पूछा जाए या उनके सहयोग से पनपते पर्यटन को महसूस किया जाए, तो विविधता के कई आयाम नजर आएंगे। उदाहरण के लिए पिछली आधी सदी से शिमला के रिज-मालरोड पर एक शख्स नमकीन की पुड़िया बेच रहा है। इसे केवल हम उसकी रोजीरोटी से जोड़कर देखें तो कुछ नहीं मिलेगा, लेकिन पर्यटक के हाथ में शिमला की इस पुड़िया का जिक्र इसे आकर्षण बना देता है। प्रदेश की सड़कों के किनारे ऐसे कई स्वाद हैं, जहां पर्यटक चाट-पकौड़ी, मैगी, नारियल पानी, गोल-गप्पे और देसी फल-सब्जियों के लिए रुक जाते हैं। ये लोग पर्यटकों की लंबी यात्रा को कुछ क्षणों के लिए सही, अपने अनुभव से जोड़ देते हैं। ऐसे में पीडब्ल्यूडी या अन्य सड़क निर्माण एजेंसियां अगर हर बीस किलोमीटर के बाद पर्यटक सुविधा ठहराव केंद्र विकसित करें तो यह आकर्षण रोजगार व पर्यटन उद्योग को नए संस्कार देगा।

पर्यटन को अगर दक्षिण, पश्चिम और पूर्वोत्तर राज्यों की निगाह से देखें तो ऊना, हमीरपुर, सिरमौर व बिलासपुर जैसे सीमांत जिला भी डेस्टिनेशन हैं। सवाल यह है कि हम इधर-उधर लांघते पर्यटन को हर जगह रोक के बताएं। क्या हम योजनाएं बनाते हुए सोचते हैं कि ऊना या हमीरपुर का पर्यटन पैकेज क्या होगा। आरंभिक दौर में पर्यटन निगम की सामग्री में यह जोर था कि हर क्षेत्र को पर्यटन से जोड़ा और संवारा जाए, लेकिन ये प्रयोग असफल क्यों हुए किसी ने सोचा नहीं। नूरपुर, ऊना, बैजनाथ, स्वारघाट व रेणुकाजी इत्यादि जगह पर पर्यटन इकाइयां क्यों असफल हुईं, अगर सोचा होता तो इन क्षेत्रों के मायने बदल जाते। उदाहरण के लिए ऊना, हमीरपुर, सिरमौर या बिलासपुर की परिधि में पर्यटन थीम पार्क, मनोरंजन पार्क, साइंस सिटी या वाटर स्पोर्ट्स जैसी परिकल्पनाओं का आगाज किया होता, तो पर्यटकों के सप्ताहांत जमावड़े इन क्षेत्रों में भी लगते।

## अहंकार पर काबू पाने के लिए हमें जीवन में छह विशिष्ट अनुभवों से गुजरना होगा

# अहंकार पर काबू पाने के लिए हमें जीवन में छह विशिष्ट अनुभवों से गुजरना होगा

पी. के. खुराना

जब हम दूसरों के बीच रहते हुए भी प्राकृतिक जीवन जीते हैं, जो हम हैं, जैसे हम हैं, वैसा ही व्यवहार करते हैं तो हमारा अहंकार आड़े नहीं आता। अहंकार से पार पाने का यह सबसे प्रभावी उपाय है। नन्हे बच्चों के स्कूल से धीरज, किसान के खलिहान से भोजन और पर्यावरण का सम्मान, अस्पताल से स्वास्थ्य का महत्त्व, मानसिक अस्पताल से अपमान सहने की क्षमता और कारागार में सजा भुगत रहे अपराधियों से दया की भावना और माफ कर देने की क्षमता का विकास होगा। इसी तरह यदि हम दिखावा न करके प्राकृतिक जीवन जीते हैं तो 'मैं भी कुछ हूं' को साबित करने के लिए कुछ कहने या करने की आवश्यकता नहीं रहती।

**जीवन** में जब कभी कठिनाई आए, समस्याएं आएं, निराशा हो, उदासी हो, चिंता हो, परेशानी हो तो हमें किसी नई दिशा में, किसी नये तरीके से सोचना शुरू करना चाहिए। इसी तरह जब कभी हम अपनी उपलब्धियों पर, अपनी सफलता पर, अपनी कामयाबियों पर फूल कर कुप्पा हो रहे हों और खुद पर बहुत घमंड हो रहा हो तो अपने अहंकार पर काबू पाने के लिए हमें जीवन में छह विशिष्ट अनुभवों से गुजरना होगा। इन अनुभवों से गुजरने के लिए हमें अपने जीवन के छह दिन, छह अलग-अलग जगहों पर गुजारने की जरूरत है, और वे छह जगहें हैं, किंडरगार्टन स्कूल, किसान का खेत, सामान्य अस्पताल, मानसिक अस्पताल, जेल और एकांत। जब हम नन्हे बच्चों के किसी स्कूल में जाएं और अपना पूरा एक दिन स्कूल में गुजारें तो स्कूल के अध्यापकों को बच्चों को पढ़ाते हुए और उनके साथ विभिन्न खेल खेलते हुए देख सकेंगे। गौर से देखेंगे तो हम पायेंगे कि उन अध्यापकों में बहुत अधिक धैर्य है। वे बड़े धीरज से बच्चों की गलतियां और नासमझियां बर्दाश्त करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और उंगली पकडक़र सीधी राह पर चलना सिखाते हैं। यह सच है कि छोटे बच्चों को सिखाना बड़े जीवट और धीरज का काम है। तब हम अपने खुद के विकास पर गौर करें और विश्लेषण करें कि हम कहां से कहां तक आ पहुंचे हैं। तब हम शायद ज्यादा जिम्मेदार और ज्यादा धैर्यवान हो जाएंगे। जीवन में अक्सर हमें बड़े और परिपक्व लोगों से भी ऐसा व्यवहार करने की आवश्यकता होती है, मानो वे छोटे बच्चे हों। हर हालत में धैर्य बनाये रखना हमारा पहला सबक है। हमारा एक पूरा दिन किसी किसान के साथ गुजरे तो हम देखेंगे कि वे खेत में किस तरह से मेहनत करते हैं। हल जोतना, बीज बोना, फसल को पानी लगाना, कीड़े-मकोड़ों, सुंडियों, पशुओं, खर-पतवार-नदीम आदि से बचाना, फसल को बीमारियों से बचाना, काटना, संभालना और बाजार तक ले जाना, बहुत मेहनत भरे काम हैं। जब हम इस मेहनत को करीब से देखेंगे तो हम अपने भोज्य पदार्थों और भोजन का आदर करना सीखेंगे, पेड़-पौधों का आदर करना सीखेंगे और पर्यावरण का आदर करना सीखेंगे। तब हमें अहसास होगा कि शान-ओ-शौकत वाले शहरों के साथ-साथ पेड़-पौधे और वन ही नहीं, वन्य जीवन भी हमारे ही जीवन की अनिवार्य आवश्यकताएं हैं। प्रकृति द्वारा प्रदत्त भोजन श्रृंखला के जटिल



चक्र में हम सब एक-दूसरे पर निर्भर हैं और इस संतुलन को बनाए रखने में ही हमारी भलाई है। भोजन और पर्यावरण का आदर करना हमारा दूसरा सबक है। एक पूरा दिन अस्पताल में गुजारने पर हम देखेंगे कि लोगों के जीवन में कितने कष्ट हैं, दुख हैं, बीमारियां हैं, और तब हम अपने जीवन की छोटी से छोटी खुशियों का भी महत्त्व समझ पायेंगे। अस्पताल में लोगों के कष्ट देखने पर हम समझ पायेंगे कि हम कितने भाग्यशाली हैं और तब हम अपने स्वास्थ्य का महत्त्व समझ पायेंगे और स्वस्थ जीवन की आदतें सीखने की ओर ज्यादा ध्यान देंगे। स्वास्थ्य का महत्त्व जानना और जीवन में स्वास्थ्यकर आदतें अपनाना हमारा तीसरा सबक है। हमारा एक पूरा दिन मानसिक रोगियों के अस्पताल में गुजरने पर हम महसूस करते हैं कि मानसिक विक्षिप्तता के क्या मायने हैं? मानसिक रोगी किस तरह से हमारी कोई गलती न होने पर भी हमारा अपमान करते हैं, फिर भी हम उन्हें कुछ नहीं कहते क्योंकि हम जानते हैं कि इसमें उनका कोई दोष नहीं है। हम जानते हैं कि मानसिक विक्षिप्तता की अवस्था में वे इसीलिए पहुंचे हैं क्योंकि उन्होंने अपनी कल्पना में अपनी एक अलग दुनिया रच ली है और वे असली दुनिया में नहीं, बल्कि उसी कल्पनालोक में जीते हैं। उनके व्यवहार से हम अपमानित महसूस नहीं करते। मानसिक रोगियों के अस्पताल में एक दिन गुजारने के बाद शायद हम समझ पायेंगे कि जीवन में बहुत से लोगों ने भी अपने ज्ञान के झूठे अभिमान में अपनी ही दुनिया रच ली है और वे उस दुनिया से बाहर आने को तैयार नहीं हैं, इसीलिए वे दूसरों का अपमान करते रहते हैं। ऐसे लोगों के साथ बातचीत में उनका खोखलापन जानकर भी तब हम नाराज नहीं होंगे और उनकी बातों से अपमानित नहीं होंगे बल्कि ऐसे लोगों की सीमाएं समझ सकेंगे और उन्हें बर्दाश्त कर सकेंगे। यह हमारा चौथा सबक होगा। यदि हम अपने जीवन का एक दिन जेल में गुजारें तो पायेंगे कि अपराधी माना जाने वाला हर व्यक्ति आरंभ से ही अपराधी नहीं था। उसे किसी के अपमान, अनुचित व्यवहार, अन्याय या फिर उसके हालात ने उसे अपराधी बनने पर विवश कर दिया। तब हमें समझ में आता है कि शायद हर अपराधी वास्तव में किसी अन्याय का शिकार रहा है, तब हम शायद उनकी विवशताओं को बेहतर समझ पाते हैं, तब हममें उनके प्रति दया उमडऩे लगती है और हम उन्हें माफ करना सीख सकते हैं। यह हमारा पांचवां सबक है। इसी तरह यदि एक पूरा दिन हम बिल्कुल अकेले गुजारें तो हम पूरी तरह से प्राकृतिक जीवन जिएंगे, तब हम कोई दिखावा नहीं कर रहे होंगे और उस तरह से जीवन जिएंगे, जैसे हम वस्तुतः हैं। जब कोई हमारे साथ होता है तो हम उसे प्रभावित करना चाहते हैं, उसे अपना ज्ञान दिखाना चाहते हैं, शक्ति दिखाना चाहते हैं, या अच्छाई दिखाना चाहते हैं। लेकिन जब कोई अन्य हमारे साथ न हो तो किसी भी दिखावे की आवश्यकता ही नहीं रहती। तब हम नन्हे बच्चे की तरह हो जाते हैं जो पूरी तरह से प्राकृतिक जीवन जीता है और कोई दिखावा नहीं करता। जब हम दूसरों के बीच रहते हुए भी प्राकृतिक जीवन जीते हैं, जो हम हैं, जैसे हम हैं, वैसा ही व्यवहार करते हैं तो हमारा अहंकार आड़े नहीं आता। अहंकार से पार पाने का यह सबसे प्रभावी उपाय है। नन्हे बच्चों के स्कूल से धीरज, किसान के खलिहान से भोजन और पर्यावरण का सम्मान, अस्पताल से स्वास्थ्य का महत्त्व, मानसिक अस्पताल से अपमान सहने की क्षमता और कारागार में सजा भुगत रहे अपराधियों से दया की भावना और माफ कर देने की क्षमता का विकास होगा। इसी तरह यदि हम दिखावा न करके प्राकृतिक जीवन जीते हैं तो 'मैं भी कुछ हूं' को साबित करने के लिए कुछ कहने या करने की आवश्यकता नहीं रहती। इन छह महत्त्वपूर्ण दिनों से हमारा जीवन बदल सकता है, हम अपनी गलतियों से और अपने अहंकार से पार पा सकते हैं और नाकामियों से बच सकते हैं। तब हमें क्रोध नहीं आयेगा, अहंकार नहीं होगा, झूठा मोह नहीं होगा, किसी को अपमानित करने अथवा छोटा साबित करने की आवश्यकता नहीं होगी और हम एक स्वस्थ, मंगलकारी और परिपूर्ण जीवन जी सकेंगे। आज हमें इसी की आवश्यकता है और इसी की चाहत है।

# साइबर अपराध के बढ़ते मामले

कंप्यूटर अपराध करने के लिए अपराधी मैलवेयर की सहायता लेता है। मैलवेयर एक बेहद हानिकारक सॉफ्टवेयर होता है जिसे विशेष रूप से किसी कंप्यूटर या उसमें स्टोर किए गए डाटा को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाया जाता है। मैलवेयर के मुख्य प्रकार हैं- वायरस, स्पाइवेयर, वार्म एडवेयर, रैंसमवेयर। वायरस का मुख्य काम होता है चलते कंप्यूटर को शटडाउन कर देना और कंप्यूटर के अंदर मौजूद जरूरी डाटा फाइल्स को डिलीट कर देना। वहीं स्पाइवेयर में अपराधी उपयोगकर्ता की जानकारी के बिना वह कंप्यूटर पर क्या काम कर रहा है, वह जो भी ऑनलाइन एक्टिविटीज कर रहा है, उस पर नजर रखता है। किस तरह की साइट पर वो काम कर रहा है, उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड का कॉन्फिडेंशियल डाटा, यह सब उपयोगकर्ता की जानकारी के बिना अपराधी एकत्रित कर लेता है। वार्म एक प्रकार का मैलवेयर है जो एक सिस्टम से दूसरे सिस्टम पर जाता है। एक कंप्यूटर को डैमेज करने के बाद वह अगले कंप्यूटर को डैमेज करता है।

**अपराध** कानूनी नियमों-कानूनों के उल्लंघन करने की नकारात्मक प्रक्रिया है। इसमें चोरी करना, हत्या करना, बलात्कार करना कुछ विशेष अपराध हैं जिनके सिद्ध होते ही अपराधी को कड़ी सजा मिलती है। परंतु डिजिटल इंडिया के चलते अपराध की एक और श्रेणी का आरंभ हुआ है जिसे हम साइबर अपराध के नाम से जानते हैं। साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिसमें कंप्यूटर और नेटवर्क शामिल है। किसी भी कंप्यूटर का आपराधिक स्थान पर मिलना या कंप्यूटर से कोई अपराध करना कंप्यूटर अपराध कहलाता है। किसी की निजी जानकारी को प्राप्त करना और उसका गलत इस्तेमाल करना, फिरौती मांगना, भयदोहन करना, किसी का मानसिक या शारीरिक शोषण करना कंप्यूटर अपराध के अंतर्गत आता है। कंप्यूटर अपराध करने के लिए अपराधी मैलवेयर की सहायता लेता है। मैलवेयर एक बेहद हानिकारक सॉफ्टवेयर होता है जिसे विशेष रूप से किसी कंप्यूटर या उसमें स्टोर किए गए डाटा को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाया जाता है। मैलवेयर के मुख्य प्रकार हैं- वायरस, स्पाइवेयर, वार्म एडवेयर, रैंसमवेयर। वायरस का मुख्य काम होता है चलते कंप्यूटर को शटडाउन कर देना और कंप्यूटर के अंदर मौजूद जरूरी डाटा फाइल्स को डिलीट कर देना। वहीं स्पाइवेयर में अपराधी उपयोगकर्ता की जानकारी के बिना वह कंप्यूटर पर क्या काम कर रहा है, वह जो भी ऑनलाइन एक्टिविटीज कर रहा है, उस पर नजर रखता है। किस तरह की साइट पर वो काम कर रहा है, उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड का कॉन्फिडेंशियल डाटा, यह सब उपयोगकर्ता की जानकारी के बिना अपराधी एकत्रित कर लेता है। वार्म एक प्रकार का मैलवेयर है जो एक सिस्टम से दूसरे सिस्टम पर जाता है। एक कंप्यूटर को डैमेज करने के बाद वह अगले कंप्यूटर को डैमेज करता है। ऐसे मैसेज आते हैं कि इस मैसेज को 11 लोगों के साथ शेयर करो, आपको फ्री में कुछ गिफ्ट मिलेगा। कई बार उपयोगकर्ता बिना सोचे समझे अपने ही सगे संबंधियों के साथ इस तरह के मैसेज का आदान-प्रदान कर देते हैं और उससे उनके सिस्टम पर वायरस उनके पूरे डाटा को खराब कर देता है। एडवेयर मैलवेयर विज्ञापनों के रूप में उपयोगकर्ताओं के कंप्यूटर स्क्रीन पर आता है। जैसे ही उपयोगकर्ता उस लिंक पर क्लिक करता है उसके सिस्टम में मैलवेयर आ जाता है। इसके अलावा रैंसमवेयर होता है जिसमें जिसके कंप्यूटर में आ जाने के बाद कंप्यूटर स्क्रीन पर एक वार्निंग आने लगती है कि आप इतने पैसे दीजिए, तभी यह वायरस आपके सिस्टम से हटाया जाएगा, नहीं तो यह वायरस आपके सिस्टम का महत्त्वपूर्ण डाटा खराब कर देगा। इन सभी प्रकार के मैलवेयर से बचने के लिए हमें बहुत ही ज्यादा सतर्क होने की जरूरत है। जिस लिंक की हमें जानकारी नहीं है, उस पर हमें क्लिक नहीं करना चाहिए, किसी भी मैसेज को बिना सोचे-समझे अपने सगे संबंधियों के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। और अगर किसी भी तरीके से हम किसी मैलवेयर के शिकार हो जाते हैं तो हमें बिल्कुल समय बर्बाद न करते हुए किसी से मदद लेनी चाहिए। फिशिंग एक प्रकार की सोशल इंजीनियरिंग है जिसका उपयोग यूजर का डेटा चुराने के लिए किया जाता है। फिशिंग अटैक में अपराधी उपयोगकर्ता को एक धोखाधड़ी वाला संदेश भेजता है और उपयोगकर्ता की लॉगिन क्रेडेंशियल और क्रेडिट कार्ड नंबर जैसी संवेदनशील जानकारी चुरा लेता है। इबर अपराधियों का फिशिंग अटैक करने के पीछे का मुख्य उद्देश्य होता है उपयोगकर्ता की गुप्त जानकारी चुराना। साइबर अपराधियों द्वारा भेजे गए इस संदेश को अक्सर उपयोगकर्ता असली संदेश समझ लेता है और अपनी निजी जानकारियां दे देता है। यह बिल्कुल मछली पकडने जैसा है। जिस प्रकार मछली भोजन के चक्कर में मछुआरे के हुक में फंस जाती है, ठीक उसी प्रकार फिशिंग अटैक को अंजाम दिया जाता है। बस फर्क इतना है कि यहां पर मछली की जगह एक उपयोगकर्ता फंस जाता है। फिशिंग अटैक के बहुत प्रकार होते हैं। ईमेल फिशिंग, स्पीयर फिशिंग, व्हेलिंग फिशिंग, स्मिशिंग, विशिंग। फिशिंग अटैक करने के लिए ईमेल हमेशा से ही साइबर अपराधियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण तरीका रहा है। जब व्हाट्सऐप और बाकी मैसेजिंग के माध्यम नहीं थे, उस वक्त से ईमेल फिशिंग सबसे अधिक होने वाला अटैक था और यह सबसे पुराना और कारगर तरीका माना जाता है जो आज भी साइबर अपराधियों द्वारा फिशिंग अटैक के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है।



ईमेल फिशिंग अटैक में साइबर अपराधी एक साथ हजारों लोगों को फर्जी ईमेल भेजते हैं जो बिल्कुल असली ईमेल जैसे दिखाई पड़ते हैं और इन इमेल्स में उपयोगकर्ता को किसी ऑफर का लालच दिया जाता है। इसमें साइबर अपराधी बड़ी-बड़ी कंपनियों के मिलते-जुलते वेब डोमेन खरीदकर ओरिजिनल वेबसाइट जैसी फर्जी वेबसाइट बनाता है, जैसे अमेजन डॉट काम की जगह अमाजोन डॉट काम। अगर उपयोगकर्ता इसको सावधानी से न देखे तो वह बहुत आसानी से धोखा खाकर अपराधी की चाल में फंस जाता है। विशिंग अटैक जो आजकल बहुत ही लोकप्रिय है, जिसमें लोगों को फर्जी कॉल किए जाते हैं। और कई बार उपयोगकर्ता उस फर्जी कॉल के झांसे में आ जाते हैं और अपनी निजी जानकारी उनके साथ सांझा कर अपने पैसों का नुकसान करवा देते हैं। कई फिशिंग अटैक में लोगों को टारगेट किया जाता है। इसके अलावा लोगों को एसएमएस भेजे जाते हैं और कॉल कर भी उनसे उनकी बैंक डिटेल्स की जानकारी हासिल की जाती है। इस डिजिटल इंटरनेट की दुनिया में हमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए बेहद सावधान और सतर्क रहने की आवश्यकता है। अगर हम कभी भी साइबर अपराध के शिकार बन जाते हैं तो बिल्कुल भी समय बर्बाद न करते हुए हमें वेबसाइट 'ट्रिपल डब्ल्यू डॉट साइबरक्राइम डॉट जीओवी डॉट इन' पर संपर्क करना चाहिए और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अवश्य ही कॉल करनी चाहिए।

## देश दुनीया से

# उल्टी गंगा के बहाव में हाथ धोना

**क्या** करें कोरोना जाते-जाते वापस लौटता है और जानी-पहचानी बीमारियां नये वायरस के साथ प्रकट हो जाती हैं। अब यहां इनके लिए उचित टीके या दवा की तलाश करना ऐसा ही है, जैसे किसी बबूल में से कांटे की जगह फूल को पा लेने जैसा है, या कि किसी बरखुरदार द्वारा अपने बुजुर्ग की सेवा का दम भरने जैसा। आजकल तो आप जानते हैं, सब ओर उल्टी गंगा बहने लगी है। मौसम को देख लो, जब गर्मी से आदमी का माथा घूमने लगे, तब घोर बरसात जम कर बरसती है। आदमी तो तीखी धूप की उम्मीद कर रहा था, अब कैसे कह दें, बरखा रानी जरा जम के बरसो, मेरा दिलबर जा न पाये, जरा झूम के बरसो। कौन कहता है भारत में अशिक्षा का बोलबाला है। यूं ही चलता रहा, तो देश की साक्षरता दर के रिकार्ड बनेंगे। बिल्कुल उसी तरह जैसे पिछले बरसों में हमने महामारी के प्रकोप के बावजूद लाकडाऊन नहीं लगाया, अधूरे लाकडाऊन से काम चलाया है और घोषणा कर दी है कि देश की विकास दर में कमी नहीं आयेगी। भुखमरी बढ़ी तो अब हम क्या करें? भूखे नंगों का तो काम ही मास्क लगा कर नौकरी तलाशना है। भई लाख कहा था, नौकरी नहीं मिलती तो पकौड़े तल लो। लीजिये पकौड़े नहीं तलेंगे, और कोरोना के इन विकट दिनों में भी उन चन्द धनपतियों से ईष्र्या करेंगे, जिन्होंने मिट्टी को भी हाथ लगाया तो सोना हो गई। करोड़पति थे, जनता की जरूरत की चीजों को गायब करके काले बाजार में ये अरबपति हो गये। आप कहते हैं, इस अंधेरे काल में देश ने तरक्की नहीं की। जरा इनकी अट्टालिकाओं की ऊपर उठती मंजिलों की ओर देखो। यह अपनी हवेली की ऊपरी मंजिल से आवाज लगायें, तो एक की जगह दस दिलबर चली आए। तब बरखा रानी को बुलाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। आपका यह दिलबर इस हवेली में आ गया तो कभी वापस जाने का नाम नहीं लेगा। क्या आप नहीं जानते कि प्यार मोहब्बत के सर्वाधिकार इनकी महफिलों के नाम सुरक्षित हो गये हैं। आपके लिए बाकी रह गया है महामारी का डर, इससे बचने के लिए मास्क लगाने के आदाब। बात करनी है तो दूर दो हाथ दूर रह कर बात करो। रोमांस के संवाद चिल्ला कर बोलने का अभ्यास कर लो, क्योंकि आजकल बात सामाजिक अंतर की होती है, सौंदर्य बोध की नहीं। आजकल लोग बबूल की छांव में सोने का अभ्यास कर रहे हैं, बरगदों की जगह हवेलियों का पिछवाड़ा उनके लिए हो गया है। लेकिन इतना समझाया, इसके बावजूद तुम्हारी तलाश खत्म नहीं हुई। 'भला, बताओ इस लम्बी कतार में खड़े होकर किस दिलबर के प्रकट हो जाने का इंतजार कर रहे हो।' जी नहीं, इंतजार दिलबर का नहीं, नई नई बीमारियों के वायरस निरोधी टीकों के लगाने का हो रहा है। किसी मौसमी बीमारी के टीके की पहली खुराक लगे, तो हम दिलबर से मुकाबला करने जायें। सुनने वाले हंस दिये। 'मियां टीका न हुआ घातक वायरस का सामना करने की ताकत हो गया।' लेकिन वायरस सामना और दिलबर से मुलाकात! भला क्या तुक भिड़ाया है? हमने कह दिया। लेकिन कहने, पूछने से क्या होता है? आजकल तो किसी भी सवाल का जवाब नहीं मिलता। अब मुलाकात की हमारी शिद्दत देखी तो कह दिया। अब हर तरह के वायरस की डोज समय समय पर लगवाते रहना, अधिक महफूज रहोगे। हम टीका लगवा कर प्रेम करने के इस आदाब को समझ नहीं पाये, कि जैसे इस बात को भी नहीं समझे कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी।

आजकल तो आप जानते हैं, सब ओर उल्टी गंगा बहने लगी है। मौसम को देख लो, जब गर्मी से आदमी का माथा घूमने लगे, तब घोर बरसात जम कर बरसती है। आदमी तो तीखी धूप की उम्मीद कर रहा था, अब कैसे कह दें, बरखा रानी जरा जम के बरसो, मेरा दिलबर जा न पाये, जरा झूम के बरसो। कौन कहता है भारत में अशिक्षा का बोलबाला है। यूं ही चलता रहा, तो देश की साक्षरता दर के रिकार्ड बनेंगे। बिल्कुल उसी तरह जैसे पिछले बरसों में हमने महामारी के प्रकोप के बावजूद लाकडाऊन नहीं लगाया, अधूरे लाकडाऊन से काम चलाया है और घोषणा कर दी है कि देश की विकास दर में कमी नहीं आयेगी। भुखमरी बढ़ी तो अब हम क्या करें? भूखे नंगों का तो काम ही मास्क लगा कर नौकरी तलाशना है। भई लाख कहा था, नौकरी नहीं मिलती तो पकौड़े तल लो।

## कुछ अलग

# 'ईस्ट इंडिया' का नया प्रतीक

**लोकतंत्र** की हर रोज हत्या होती है। लोकतंत्र हर रोज खत्म होता है। फिर खत्म होता है। बार-बार हो रहा है। यह कैसा प्राणी है? लोकतंत्र की मौत या हत्या हर रोज कैसे संभव है? भारत फिर भी एक संप्रभु राष्ट्र है। संविधान, संसद, कानून, अदालतें और चुनाव प्रणाली सब कुछ है, जो एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश में होने चाहिए। फिर बार-बार यह बयानबाजी क्यों की जाती है कि लोकतंत्र की हत्या कर दी गई? लोकतंत्र न होता, तो देश पर एक ही दल हुकूमत करता। देश वाकई में 'उत्तर कोरिया' बन जाता! किसान आंदोलन नहीं कर पाते और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विदेशी दुकानें न खुल पातीं! जब भारत में 'ईस्ट इडिया कंपनी' ने सेंध लगाई थी, तब शुक्र है कि भारत 'गुलाम देश' था। तब किसकी मौत, हत्या और खात्मे के शोर बुलंद किए जाते? अब ट्विटर के सह-संस्थापक और सीईओ रहे जैक डॉर्सी ने एक बयान दिया है, तो हाय-तौबा मच गई है कि 'तानाशाह एक डरपोक आदमी होता है।' हमारे संविधान ने मौलिक और नागरिक अधिकार सिर्फ 'भारतीय' को दिए हैं। विदेशी उद्योगपति उस श्रेणी के बाहर हैं। भारत में जो हजारों विदेशी कंपनियां कार्यरत हैं, वे पूरी तरह भारतीय कानूनों की परिधि में हैं। यदि ट्विटर ने बार-बार भारतीय कानूनों का उल्लंघन किया है, तो यकीनन वह अपराधी है, लिहाजा दंडनीय भी है। अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ को वह अपना 'सुरक्षा-कवच' नहीं बना सकता। डॉर्सी ने जो बयान दिया है, वह मूलतः सच है, लेकिन तस्वीर का एक ही पक्ष पेश किया गया है। भारत सरकार ने ट्विटर से सिर्फ किसान आंदोलन से जुड़े अकाउंट्स बंद करने का आग्रह जरूर किया था, बल्कि ऐसे 1178 संदिग्ध और फेक खातों के खिलाफ भी कार्रवाई करने का आदेश दिया था। ऐसे अकाउंट्स देश की सुरक्षा, एकता, अखंडता के लिए खतरा बन सकते हैं। गड़बड़ी और अराजकता तक फैला सकते हैं। किसी भी देश की सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को चेतावनी क्यों नहीं देगी? बंद की कार्रवाई भी कर देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देश विरोधी दुष्प्रचार के अड्डे खुले हुए हैं। डॉर्सी अब ट्विटर में कुछ भी नहीं हैं। एलन मस्क उसके नए मालिक हैं, लिहाजा अतीत में क्या हुआ था, सिर्फ उसी के आधार पर भारत के लोकतंत्र का आकलन नहीं किया जा सकता। बात छिड़ी है, तो हम पाठकों को बता दें कि तत्कालीन ट्विटर ने भारत का गलत मानचित्र दिखाने का दुस्साहस किया था। जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा माना था। वह भारत-विरोधी एजेंडे पर काम कर रहा था। यहां तक कि उसने भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के खाते पर से 'ब्लू टिक' हटा लिया था। यानी अकाउंट की पुष्टि नहीं की थी। किसान आंदोलन के दौरान जनवरी, 2021 में जब हिंसक विरोध-प्रदर्शन भडक़ उठे थे, तब ट्विटर ने भारत सरकार को 'नरसंहारी' करार दिया था। यकीनन यह दुष्प्रचार दुनिया भर में पहुंचा होगा। बाद में सच कुछ और ही निकला। आज यूरोपीय संघ 'फेक न्यूज' के लिए ट्विटर पर पाबंदी थोपने की धमकी दे रहा है।

## नागरिक बोध

# विश्व शांति का दिव्यास्त्र अहिंसा, हिंसा कायरता है

**आज** का मानव धर्म विस्मरण करता जा रहा है। इसका ही परिणाम है कि अहिंसा का स्थान हिंसा ने, आचार का स्थान अनाचार ने और शांति के स्थान पर अशांति ने अपना पांव फैला दिये है। लोहा, सीमेंट एवं ईंटों से आज भव्य अट्टालिकाएँ बनाई जा रही है, मगर आत्म अट्टालिका की और हमारा ध्यान ही नही है। जीवन मे यदि शांति का सुमार्ग ढूंढना है तो हमे सर्व प्रथम धर्म के आंगन में उतरना होगा। धर्म को किसी की परिभाषा में नही बांधा जा सकता है।वस्तु का अपना स्वभाव धर्म है तो जीवो की रक्षा करना भी धर्म है। धर्म उत्कृष्ट मंगल है।अहिंसा ,संयम और तप उसके लक्षण है। जिसका मन हमेशा धर्म मे रमता है।उसे देवता भी नमस्कार करते है। अहिंसा के समान कोई धर्म नही है। संत तुलसीदास जी ने भी अहिंसा को परम धर्म बताया है। अर्थात वेदों में विदित अहिंसा परम धर्म है।हिंसा अहिंसा दोनों का संबंध आत्मा में है। अहिंसा के दिव्यास्त्र द्वारा ही महात्मा गांधी ने स्वराज पाने का अपना भारतीय स्वाधीनता के आंदोलन चलाया। अहिंसा तो जीवन जीने की सीख देती है। तुच्छ स्वार्थ के लिए यदि हम हिंसा का सहारा लेते है हमारे जैसा मूर्ख कौन होगा? इतिहास के पृष्ठों को पलटने पर हम पायेंगे कि हमारी परंपरा तो सदैव ही अहिंसक व धार्मिक बने रहने की रही है। यहा के क्षत्रिय राजा शाकाहारी थे।आज तो हमारी मान्यताएं भी बदल दी गई है। इतिहास तो तौड़ मरोड़कर जनता के सामने पेश करना जैसे शासन की नियति बन गई है। श्रीराम का संदेश लेकर श्री हनुमान जब सीता के पास पहुंचे तब सीता ने हनुमान को राम का अनुचर होने का विश्वास नही किया। और कहा कि तुम राम का स्वभाव,रहन सहन और खानपान के बारे में बताओ तभी मैं विश्वास कर पाऊंगी। राम मांसाहार नही करते,मधु कासेवन नही करते,वे चावल का ही सेवन करते है। यह सुनकर ही हनुमान जी पर सीता को विश्वास हुआ। धर्म को जाने बिना अहिंसा का ज्ञान नही हो सकता। हम धर्म को समझकर ही धार्मिक बन सकते है । विश्व मे पशु पक्षियों का वध करके कोई देश सुखी नही हो सकता है। सारी उम्र गाय का दुग्ध पान करते है। उसी गाय को इस भारत भूमि में काटते है। भारत मे गाय की अहमियत है लेकिन दूसरे पश्चिमी देश भी गऊमाता को पूजनीय मानने लगे है। धर्म को जानने वाला मानव अहिंसा का पथ कैसे त्याग सकता है? जैसे दाहकता और ऊष्मा से रहित अग्नि की कल्पना नही की जा सकती,वैसे ही अहिंसा के बिना धर्म का कोई अस्तित्व नही है।हिसा करके धार्मिकता की दुहाई देना दुनिया को भ्रमित करने वाला मार्ग है। हिंसा करके परमात्मा का नाम लेकर धार्मिक कहलाने की कुचेष्ठा है। वह कभी धर्म की गहराई को समझ ही नही सकता है। यह ढोंगी है और धर्म को बड़ा बताने की बात करते है। अहिंसा स्वयं में ही धर्म है और यही धर्म विनाश की और बढ़ते कदमो को रोक सकता है। हिंसा में आंसू है,आग है तो अहिंसा में करुणा और प्यार है।

# म्यांमार के सैनिक शासकों की बेरहमी, तूफान पीड़ितों के लिए यूएन की मदद रोकी

**यंगून।**

**म्यांमार के सैनिक शासक अब प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को मिलने वाली विदेशी सहायता भी रोकने लगे हैं। उन्होंने पिछले दिनों आए चक्रवात मोचा के पीड़ितों के लिए संयुक्त राष्ट्र की सहायता रोक दी है। संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसी ने थाइलैंड की राजधानी बैंकाक में यह जानकारी दी। उसने बताया कि म्यांमार में इस समय दस लाख से अधिक लोगों को मानवीय सहायता की तुरंत जरूरत है। म्यांमार सरकार के ताजा फैसले से उन लोगों की मुसीबत और बढ़ेगी।**

म्यांमार के सैनिक शासन ने अपने ताजा फैसले का कारण नहीं बताया है। लेकिन समझा जाता है कि सैनिक शासक अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों पर भरोसा नहीं करते। इसलिए उन्होंने इन एजेंसियों की अपनी देश में पहुंच को रोकने की कोशिश की है। म्यांमार में फरवरी 2021 में सेना ने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों का तख्ता पलट कर देश की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था।

संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी के समन्वयक रामनाथन बालाकृष्ण ने एक बयान में कहा है- 'मैं म्यांमार सरकार से अपील करता हूं कि वह अपने इस फैसले पर तुरंत पुनर्विचार करे और सहायता पहुंचाने के लिए पहले दी गई अनुमति को बहाल कर दे। हम उन लोगों को मदद पहुंचाने के लिए तैयार हैं, जिन्हें इनकी बेहद जरूरत है।

म्यांमार में पिछले 14 मई को मोचा चक्रवात आया था। खासकर रखाइन प्रांत में इससे बड़ी तबाही हुई। समुद्र में उठी ऊंची लहरों और भारी बारिश के कारण इस प्रांत के कई इलाकों में बाढ़ आ गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चक्रवात के कारण कम से कम 148 लोगों की जान गई थी। उनमें से 80 फीसदी रोहिंग्या मुसलमान थे। इसी इलाके में रोहिंग्या मुसलमान रहते हैं। म्यांमार की सेना पर आरोप है कि वह रोहिंग्या समुदाय के उत्पीड़न में शामिल रही है।

चक्रवात से तबाही की खबर मिलने के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र की सहायता और शरणार्थी एजेंसियों ने राहत कार्य की शुरुआत की। इसके लिए राहत सामग्रियों को इकट्ठा किया गया। सहायता एजेंसियों के अधिकारियों के पास म्यांमार जाने के लिए जरूरी दस्तावेज पहले से मौजूद थे। लेकिन इस महीने सैनिक शासकों ने यात्रा अनुमति को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि अनुमति दोबारा देने के पहले म्यांमार की आपदा प्रबंधन समिति विदेशी एजेंसियों की गतिविधियों की समीक्षा करेगी। खबरों के मुताबिक चक्रवात से प्रभावित हुए एक लाख दस हजार से अधिक लोग अलग-अलग जगहों पर राहत शिविरों में हैं। बालाकृष्णन ने अपने बयान में बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां रखाइन प्रांत में तीन लाख लोगों को खाद्य सहायता पहुंचा चुकी हैं। उधर म्यांमार सरकार के एक अधिकारी ने एक रेडियो चैनल से कहा कि हर प्रकार की विदेशी सहायता पर रोक नहीं लगाई गई है। सिर्फ यह नियम लागू किया गया है कि सहायता से जुड़े कर्मियों को पीड़ित इलाकों में जाने के पहले पूर्व अनुमति लेनी होगी। उधर म्यांमार की एक स्वतंत्र न्यूज एजेंसी ने कहा है कि सैनिक शासकों को शक है कि संयुक्त राष्ट्र की मदद उन विद्रोही ताकतों के हाथ में पहुंच सकती है, जिन्होंने सैनिक शासन के खिलाफ गृह युद्ध छेड़ रखा है।

## न्यूज ब्रीफ

### नाटो चीफ बोले- जवाबी कार्रवाई में रूस पर भारी पड़ रहा यूक्रेन, बातचीत की मेज पर मिलेगा फायदा

**वॉशिंगटन।** यूक्रेन ने रूस के खिलाफ अपनी बहुप्रतिक्षित जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। अब नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टॉल्टेनबर्ग ने अपने एक बयान में कहा है कि जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन रूस पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा कि नाटो, यूक्रेन को अपनी मदद भी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। स्टॉल्टेनबर्ग ने अमेरिका के ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात भी की। राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करने अमेरिका पहुंचे स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा कि हम जो यूक्रेन को मदद दे रहे हैं, वह अब युद्ध के मैदान में अंतर पैदा कर रही है। जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन, रूस के खिलाफ बढ़त बना रहा है। हालांकि अभी यह शुरुआत है लेकिन जल्द ही यूक्रेन ज्यादा जमीन को आजाद करा पाएगा और बातचीत की मेज पर जब रूस और यूक्रेन बैठेंगे तो यूक्रेन की स्थिति मजबूत रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई में दक्षिणी जापोरिज्जिया मोर्चे पर अनुभवी रूसी टॉप जनरल की मौत हो गई है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप रूस की 35वीं संयुक्त शस्त्र सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल सर्गेई गोर्याचेव की मौत हो गई है। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेन के हमले में कई शीर्ष जनरल मारे जा चुके हैं। स्टॉल्टेनबर्ग का अमेरिका दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब नाटो के जनरल सेक्रेटरी का उनका कार्यकाल इस साल सितंबर में समाप्त हो रहा है। स्टॉल्टेनबर्ग बीते नौ सालों से इस पद पर हैं और ऐसी चर्चा है कि उनका कार्यकाल आगे भी बढ़ाया जा सकता है। जुलाई के मध्य में लिथुआनिया में नाटो सम्मेलन होने जा रहा है, जिसमें स्टॉल्टेनबर्ग के कार्यकाल, यूक्रेन युद्ध और नाटो की एकजुटता को लेकर अहम फैसले हो सकते हैं।

### संसद भवन में प्रभावशाली नेता ने किया यौन उत्पीड़न, लिडिया थोर्प के आरोपों से ऑस्ट्रेलिया में भूचाल

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल वहां की एक महिला सांसद ने एक प्रभावशाली सांसद पर संसद भवन में ही उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली सांसद निर्दलीय लिडिया थोर्प हैं। थोर्प ने कहा कि संसद भवन परिसर में उन पर यौन टिप्पणियां की गईं, साथ ही उन्हें गलत तरीके से छूआ गया। थोर्प ने अपने ही वरिष्ठ साथी डेविड वान पर यह आरोप लगाए। वहीं थोर्प के आरोपों को डेविन वान ने झूठा करार दिया है। हालांकि वान की पार्टी लिबरल पार्टी ने उन्हें गुरुवार को पार्टी की सदस्यता से बर्खास्त कर दिया। लिंडिया थोर्प ने कहा कि इन घटनाओं से मैं इतना डर गई थी कि मैं ऑफिस के दरवाजे से बाहर निकलने में भी डरती थी। मैं दरवाजा खोलने के बाद पहले देखती थी कि रास्ता साफ है और उसके बाद ही बाहर आती थी। थोर्प ने कहा कि संसद भवन परिसर में अकेले आने में भी उन्हें डर लगता था। संसद भवन में महिला नेता के यौन उत्पीड़न का यह पहला मामला नहीं है बल्कि इससे पहले भी ऐसी घटनाएं सुर्खियां बटोर चुकी हैं। इससे पहले ब्रिटनी हिगिंस नामक महिला नेता ने कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पर उसके साथ मार्च 2019 में संसद भवन परिसर में ही बलात्कार करने का आरोप लगाया था। साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने एक जांच कराई थी, जिसमें पता चला कि ऑस्ट्रेलियाई संसद के हर तीन लोगों में से एक यौन उत्पीड़न का शिकार है।

### हैकिंग के अंदेशे को बिना दूर किए बांग्लादेश ने डिजिटल बैंक बनाने को दी मंजूरी

**ढाका।** बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक ने देश में डिजिटल बैंक बनाने की पहल की है। इसके लिए एक खाका तैयार किया गया है, जिसे देश के सेंट्रल बैंक- बांग्लादेश बैंक- ने मंजूरी दे दी है। बैंक ने कहा है कि उसका मकसद बांग्लादेश को एक कैशलेस (नकदी-रहित) समाज बनाना है। बांग्लादेश ने यह लक्ष्य तय किया है कि साल 2027 तक देश में कम से कम 75 फीसदी लेन-देन कैशलेस हो। यह योजना सरकार के 2041 तक 'स्मार्ट बांग्लादेश' बनाने के लक्ष्य का हिस्सा है। फिलहाल, देश में 61 परंपरागत बैंक हैं। उनमें से कई एप और अन्य माध्यमों से डिजिटल सेवाएं देते हैं। बांग्लादेश बैंक ने डिजिटल बैंकों के लिए जो गाइडलाइंस तैयार की हैं, उनके मुताबिक ऐसे जो बैंक बनेंगे, वे डिजिटल के अलावा कोई अन्य सेवा नहीं देंगे। मुख्यालय के अलावा उनके कोई अन्य कार्यालय भी नहीं होंगे। ये बैंक कस्टमर बैंक कार्ड जारी करेंगे। वे क्यूआर कोड और अन्य उन्नत तकनीक के जरिए लेन-देन की सेवाएं देंगे। गाइडलाइंस के ड्राफ्ट में कहा गया है- 'डिजिटल बैंकों को कुशल, किफायती और नई सेवाएं' ग्राहकों को देनी होंगी। ये बैंक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे।

## लंदन में भारतीय हाई कमीशन पर हमले का मामला

# एनआईए ने 45 आरोपियों की तस्वीरें और लुकआउट नोटिस जारी किया, लोगों से पहचान में मदद मांगी

**लंदन।**

19 मार्च को लंदन स्थित इंडियन हाई कमीशन पर हमला करने वाले खालिस्तान समर्थकों में से कुछ आरोपियों की पहचान कर ली गई है। 45 आरोपियों की तस्वीरें जारी की हैं। एक लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है।

लोगों से अपील की गई है कि वो तस्वीरों में नजर आ रहे लोगों की पहचान में मदद करें। इसके लिए एक वॉट्सएप नंबर भी जारी किया है। सोमवार को एनआईए ने हमले को लेकर 2 घंटे के वीडियो फुटेज जारी किए थे।

वहीं, खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के लंदन के चीफ अवतार सिंह खांडा की हालत नाजुक है। उसे लंदन के अस्पताल में लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, उसे किसी ने जहर दिया है।

### मार्च में खांडा को गिरफ्तार किया गया था

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च में खांडा को इंडियन हाई कमीशन के बाहर लहरा रहे तिरंगे को उतारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 'वारिस पंजाब दे' संगठन के चीफ अमृतपाल सिंह को 37 दिनों तक पुलिस के चंगुल से बचाने में खांडा का अहम रोल रहा था। बम बनाने में माहिर खांडा का जन्म पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। उसका पूरा परिवार खालिस्तान आंदोलन से जुड़ा हुआ है। खांडा को खालिस्तानी आतंकी जगतार सिंह तारा और परमजीत सिंह पम्मा का करीबी माना जाता है।

### हमले को लेकर फॉरेन मिनिस्ट्री ने होम मिनिस्ट्री से जांच में मदद मांगी थी

इंडियन हाई कमीशन पर हुए हमले का आरोप ब्रिटेन में मौजूद खालिस्तान समर्थकों पर लगा था। इन लोगों ने हाईकमीशन पर लगा हमारा नेशनल फ्लैग भी उतार दिया था। इस मामले की जांच के लिए फॉरेन मिनिस्ट्री ने होम मिनिस्ट्री से जांच में मदद मांगी थी। तब यह मामला एनआईए को सौंपा गया था।

### 12 जून को एनआईए ने फुटेज का पैकेज जारी किया था

एनआईए ने सोमवार यानी 12 जून को जो वीडियो फुटेज जारी किए थे, उनमें खालिस्तानी समर्थक नजर आ रहे हैं। ये फुटेज ऐंबैसी और उसके आसपास से फुटेज जुटाए गए हैं। कुल 2 घंटे के इन फुटेज में वो आरोपी भी नजर आ रहा है, जिसने हाई कमीशन पर लगा फ्लैग उतारने की कोशिश की थी। इन्हीं लोगों ने हाई कमीशन में तोड़फोड़ की भी कोशिश की थी।

फुटेज के साथ जांच एजेंसी ने एक वॉट्सएप नंबर (+91 7290009373) भी जारी किया था। इसके साथ जारी बयान में जांच एजेंसी ने कहा- आम लोगों से अपील है कि वो फुटेज में नजर आ रहे लोगों की पहचान में हमारी मदद करें। मददगारों की पहचान उजागर नहीं की जाएगी।

19 मार्च को इंडियन हाई कमीशन पर हमले और हंगामे के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाया था। बाद में ब्रिटिश पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। भारत में मौजूद ब्रिटिश हाई कमिश्नर एलेक्स एलिस ने घटना को अफसोसनाक बताया था।

### सोशल मीडिया पर लिंक शेयर

एनआईए ने कुल मिलाकर पांच वीडियो जारी किए थे। इन्हें अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया और इसका लिंक ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर दिया था। इस मामले की जांच के लिए एनआईए की टीम कई बार लंदन गई और उसने स्कॉटलैंड यार्ड से भी बातचीत की। अप्रैल में यूनियन होम सेक्रेटरी अजय भल्ला ने इस बारे में ब्रिटिश सरकार से बातचीत की थी।

भारत सरकार ने ब्रिटेन से पूछा था- हाई कमीशन को जरूरी सिक्योरिटी मुहैया क्यों नहीं कराई गई। हमले में शामिल लोगों पर क्या एक्शन लिया गया। खालिस्तान समर्थक रिफ्यूजी स्टेटस का नाजायज फायदा कैसे उठा रहे हैं।

### 19 मार्च को लंदन में क्या हुआ था

खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस कार्रवाई कर रही थी। अब वो गिरफ्तार किया जा चुका है और असम की जेल में है। 19 मार्च को इसका विरोध लंदन में मौजूद कुछ खालिस्तान समर्थकों ने किया था। ये हाई कमीशन पहुंचे और वहां तोड़फोड़ की। बाद में तिरंगा उतार दिया। भारत ने इस पर सख्त ऐतराज जताया। दिल्ली में ब्रिटिश हाई कमिश्नर को तलब किया गया। लंदन में भारत के हाई कमीशन पहुंचे लोगों के हाथ में खालिस्तानी झंडा और अमृतपाल सिंह के पोस्टर थे। पोस्टर्स पर लिखा, फ्री अमृतपाल सिंह (अमृतपाल सिंह को आजाद करो), वी वॉन्ट जस्टिस (हमें न्याय चाहिए) और वी स्टैंड विथ अमृतपाल सिंह (हम अमृतपाल के साथ हैं)। लंदन के बाद अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भी इंडियन कॉन्स्यूलेट पर हमला किया गया था। यहां भी खालिस्तान समर्थक जुटे। इन लोगों ने स्प्रे पेंट्स से अमृतपाल को रिहा करो.. लिख दिया। इन लोगों ने कॉन्स्यूलेट के गेट तोड़ दिए। वहां खालिस्तान के झंडे लगा दिए। भारत ने इस पर भी विरोध जताया था।

# सड़क पर घूम रही भारतीय मूल की छात्रा और उसके दोस्तों पर चाकू से हमला, मौत; हिरासत में आरोपी

**लंदन।**

भारतीय मूल की छात्रा की इंग्लैंड में मौत हो गई। छात्रा एक बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी थी। मध्य इंग्लैंड के नॉटिंघम की सड़क पर हुई चाकूबाजी में भारतीय मूल की छात्रा की मौत हुई है। इसके अलावा दो अन्य लोगों ने भी अपनी जान गंवाई है। जानकारी के अनुसार, भारतीय मूल की ग्रेस ओ मल्ली (19) अपनी दोस्त बरनबी वेबर (19) के साथ थीं, तभी आरोपियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के कारण मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। नॉटिंघमशायर पुलिस ने बताया कि 31 साल के संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी पहले भी हमले कर चुका है। नॉटिंघमशायर पुलिस के मुख्य हवलदार केट मेनेल ने बताया कि हम खुले दिमाग से केस की जांच कर रहे हैं। इस तरह के मामलों में जिस तरह की जांच होती है, हम वैसे ही जांच कर रहे हैं। काउंटर टेररिज्म पुलिसिंग की मदद से तथ्यों को स्थापित करने की कोशिश है। जासूसों की एक स्पेशल टीम मामले की जांच कर रही है। जल्द ही हम कुछ दिनों में सबूत इकट्ठे कर लेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी तक आधिकारिक रूप से पीड़ितों की सूची नहीं आई है। हालांकि, नॉटिंघम विश्वविद्यालय ने अपने दो छात्रों की मौत की पुष्टि की है। कहा जा रहा है ग्रेस भारतीय मूल के एक ब्रिटिश डॉक्टर की बेटी हैं। उनके पिता ने 2009 में चाकूबाजी से पीड़ित किशोरों की जान बचाई थी, जिस वजह से उन्हें प्रशंसा भी मिली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रेस ने इंग्लैंड की ओर से हॉकी में अंडर-18 भी खेला है। इसके पहले वह बेहतरीन क्रिकेटर भी रह चुकी हैं। इंग्लैंड हॉकी ने ग्रेस की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। यहां उन्होंने कहा कि नॉटिंघम में ग्रेस की मौत हो गई, इससे हम सब बहुत दुखी हैं। वहीं, वुडफोर्ड-वेल्स क्रिकेट क्लब ने कहा कि ग्रेस कठोर, प्रतिभाशाली और समर्पित क्रिकेट खिलाड़ी थीं।

### कुलपति ने जताया दुख

विश्वविद्यालय के कुलपति शीयर वेस्ट ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नॉटिंघम सिटी सेंटर में हुए हमले में हमारे विश्वविद्यालय के दो छात्रों की मौत हो गई। इससे पूरा विश्वविद्यालय सदमे में है। इस कठिन समय में विश्वविद्यालय परिवार मृतकों के परिजनों और उनके दोस्तों के साथ है।

### चीन में 10 साल में शादियां 50प्रतिशत कम: पिछले साल 68.3 लाख ने ही की शादी, जन्मदर में गिरावट इसकी वजह

**हांगकांग।**

चीन गिरती जन्म दर से जूझ रहा है। युवाओं को सरकार कई तरह के लुभावने वादे कर शादी के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद उनमें शादी को लेकर खास दिलचस्पी नहीं है। यही वजह है कि 1970 के दशक के उत्तरार्ध के बाद से चीन में बीते साल सबसे कम शादियां दर्ज की गईं। ये चीन की आबादी के बिगड़ते संतुलन को दर्शाता है। इसमें 60 से अधिक सालों में पहली बार जनसंख्या में गिरावट शामिल है। हालांकि ये आंकड़े कोविड प्रतिबंधों के दौरान के हैं जब कई शहरों में लॉकडाउन लगाया गया था। चीनी मीडिया रिपोर्ट्स में नागरिक मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक शादी के पंजीकरण में लगातार नौवें साल गिरावट आई है। पिछले साल के नवविवाहितों की संख्या 68.3 लाख रही। यह 2013 की तुलना में लगभग आधी है। 2013 में रिकॉर्ड 1.34 करोड़ जोड़े शादी के बंधन में बंधे थे। 2021 में 76.3 लाख विवाह हुए थे। यानी 2022 में 10.5प्रतिशत शादियां घट गईं। 1986 के बाद से यह सबसे कम हैं। युवाओं की गिरती संख्या इसकी एक वजह

चीनी अधिकारी कम विवाह और गिरते जन्मों के बीच सीधा संबंध देखते हैं, जहां सामाजिक मानदंड और सरकारी नियमों के कारण अविवाहित जोड़ों के लिए बच्चे पैदा करना कठिन है। विशेषज्ञ हे याफू के मुताबिक, शादी करने वालों की बढ़ती औसत आयु के साथ शादी करने की बढ़ती लागत, युवाओं की गिरती संख्या, बेटों को प्राथमिकता से विवाह कम हो रहे हैं। आधुनिक इतिहास में पहली बार नवजात शिशुओं की संख्या भी पिछले साल 1 करोड़ से कम हो गई। 60 से अधिक वर्षों में पहली बार प्रति 1,000 लोगों पर केवल 6.77 बच्चे पैदा हुए।

### अमेरिकी संसद में मंत्रोच्चार के साथ हुआ पहला हिंदू-अमेरिकी सम्मेलन: यूएस सांसद ने कहा- भारतीयों के पास देश का अगला राष्ट्रपति चुनने की ताकत

**वॉशिंगटन।**

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को अमेरिका जाने वाले हैं। इससे ठीक 7 दिन पहले 14 जून को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में पहला हिंदू-अमेरिकन सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन को अमेरिकन्स फॉर हिंदूज का नाम दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और प्रार्थना के साथ हुई। इस सम्मेलन को 20 हिंदू संस्थाओं के समर्थन से कराया गया।**

इसका मकसद अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों की दिक्कतों की तरफ अमेरिका में कानून बनाने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित करना था। इस सम्मेलन के आयोजक रोमेश जापरा ने कहा कि हमारे समुदाय ने हर एक क्षेत्र में बेहतरीन

काम किया है। फिर भी हम राजनीतिक रूप से पिछड़े हुए हैं। हमें लगता है कि अमेरिका के हिंदुओं के साथ भेदभाव होता है। इस सम्मेलन के जरिए हम सभी संस्थाओं को एक साथ लाना चाहते हैं।

### अमेरिकी हिंदुओं के पास अगला राष्ट्रपति चुनने की ताकत

अमेरिका के कैपिटल हिल में हुए अमेरिकन-हिंदू सम्मेलन में फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, बोस्टन, टेक्सास, शिकागो, कैलिफोर्निया जैसे शहरों से करीब 130 भारतीय अमेरिकी नेता शामिल हुए। इस दौरान एक अमेरिकी सांसद रिचर्ड मैकोर्मिक ने कहा कि अमेरिकी हिंदुओं के पास अगला राष्ट्रपति चुनने की ताकत है। इसके बाद पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मैकोर्मिक ने आगे कहा- मैं ये बात सिर्फ कह नहीं रहा हूं बल्कि मुझे लगता है कि आप लोगों में वो क्षमता है। एक बार आप सही नेताओं से तालमेल करेंगे तो आपको अपनी ताकत का अंदाजा होगा। आप अमेरिका के लिए कानून लिखेंगे। जो हमारे देश को कई दशकों तक तरक्की के रास्ते पर ले जाएंगे।

### अगर ये अमेरिकी-हिंदू सम्मेलन है तो इसमें दलित कहां हैं

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में पहला अमेरिकी-हिंदू सम्मलेन कराने वाली 20 संस्थाओं में से कई राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ी हैं। हिंदूज फॉर ह्यूमैन राइट्स के मेंबर राजु राजागोपाल ने द क्विंट को बताया कि लिस्ट में 2 ऐसी संस्थाएं हैं एकल विद्यालय और सेवा इंटरनेशनल जो ऋस्यूएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़ी हैं।

# नौ मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले में पत्रकारों को बनाया जा रहा निशाना, दो पर केस दर्ज

**इस्लामाबाद।**

भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पिछले माह पूरे पाकिस्तान में विद्रोह भड़काने और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के लिए उकसाने के आरोप में दो पत्रकारों सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

**इन दो पर तलवार** - पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यहां आबपारा पुलिस थाने में एंकर साबिर शाकिर, मोईद पीरजादा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में प्राथमिकी में शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 9 मई को वह मेलोडी चौक पर मौजूद था। यहां उसने शाकिर, पीरजादा और सैयद अकबर हुसैन से निर्देश लेते हुए भीड़ को देखा था। उन्होंने कहा कि वे लोगों को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने, आतंकवाद फैलाने और देश में अराजकता पैदा करने के लिए उकसा रहे थे।

**इससे पहले भी दर्ज किए गए मामले** - गौरतलब है, इस सप्ताह की शुरुआत में इसी तरह की एक प्राथमिकी

दर्ज की गई थी। इसमें पत्रकारों शाहीन सेहबाई और वजाहत सईद खान के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

**वॉचडॉग ने लगाई गुहार** - वहीं, वॉचडॉग ने पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया है कि बिना किसी विश्वसनीयता के दी गई शिकायत में लगाए गए बेतुके आरोप को न मानें। इन आरोपों को खारिज किया जाना चाहिए। उसने कहा कि किसी मासूम को बिना बात के मौत की सजा मिल सकती है। इसलिए ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करना ही सही होगा। उसने कहा कि माना पत्रकारों ने सैन्य गोपनीयता को नियंत्रित करने वाले नियमों का उल्लंघन कर दिया हो। लेकिन वह सिर्फ पत्रकारिता कर रहे थे। पत्रकारों को डराकर चुप कराने की कोशिश की जा रही है। बयान में एक टीवी न्यूज एंकर और राजनीतिक टिप्पणीकार इमरान रियाज खान के मामले का भी जिक्र किया गया है, जो एक महीने से अधिक समय से लापता हैं।

**अमेरिका ने भी किया आग्रह** - वहीं, अमेरिका ने भी पाकिस्तान से लोकतांत्रिक सिद्धांतों और कानून के शासन का सम्मान करने का भी आग्रह किया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि हम 9 मई के विरोध प्रदर्शन में संदिग्ध संलिप्तता के लिए सैन्य परीक्षणों का सामना करने वाले नागरिकों से संबंधित रिपोर्टों से अवगत हैं।

**9 मई को हुई हिंसा के बाद कुरैशी को किया गया गिरफ्तार** - नौ मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। नौ मई की घटनाओं के बाद, इमरान खान की पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। नेताओं में कुरैशी, फवाद चौधरी, असद उमर, डॉ यासमीन राशिद, शिरीन मजारी, मलीका बुखारी और फैयाजुल हसन चौहान शामिल थे। कुछ दिनों बाद फवाद, इमरान इस्माइल, शिरीन मजारी, फैयाजुल हसन चौहान, फिरदौस आशिक अवान और अन्य सहित कई प्रमुख नेताओं ने इमरान खान की पार्टी छोड़ दी। खान के समर्थकों ने लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस, फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की और संवेदनशील रक्षा प्रतिष्ठानों को भी आग लगा दी थी। इमरान समर्थकों ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी हमला किया था।

### अस्पताल में भर्ती नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल को पड़ा दिल का दौरा, डॉक्टरों ने की एंजियोप्लास्टी

**काठमांडू।** नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को सीने में दर्द की शिकायत के बाद काठमांडू के शहीद गंगालाल राष्ट्रीय हृदय केंद्र में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय पौडेल को दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। डॉक्टरों के मुताबिक, राष्ट्रपति पौडेल को मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन हो रहा है, जिसे बोलचाल की भाषा में हार्ट अटैक कहा जाता है। डॉक्टरों ने कहा कि ऐसी स्थिति मायोकार्डियम के एक हिस्से में रक्त के प्रवाह में कमी या रक्त खत्म होने के कारण पैदा होती है। राष्ट्रपति पौडेल के हृदय के दाहिने कक्ष की एक धमनी में 70 प्रतिशत अवरोध था इसके बाद सरकारी हृदय रोग अस्पताल शहीद गंगालाल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने राष्ट्रपति पौडेल की एंजियोप्लास्टी की है। यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें गुब्बारे का उपयोग संकुचित या अवरुद्ध धमनी को खोलने के लिए किया जाता है। एक अधिकारी ने कहा कि एंजियोप्लास्टी के बाद पौड़ेल को निगरानी में रखा गया और फिर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। हालांकि, राष्ट्रपति कार्यालय ने अभी तक आधिकारिक रूप से उनके अस्पताल में भर्ती होने और उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। अस्पताल में भर्ती कराए जाने से पहले राष्ट्रपति पौडेल का शनिवार को भी चेकअप हुआ था। इससे पहले इसी साल अप्रैल में पौडेल को सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन स्थिति में सुधार न होने के बाद उन्हें नेपाल से दिल्ली लाया गया। दिल्ली के एम्स अस्पताल में उनका इलाज कराया गया, जहां उनके फेफड़ों में संक्रमण की बात सामने आई थी।

# जो दिल पर पत्थर रखकर राजनीति करेगा वही होगा कामयाब : गहलोत

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान यूथ कांग्रेस में चुनाव के बाद हुई प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को संकेत दिए है कि राजस्थान में प्रत्याशियों को टिकट इस बार दो महीने पहले दे दिया जाएगा। उन्होंने मंच पर मौजूद सह प्रभारी अमृता धवन की तरफ मुखातिब होते हुए कहा कि हमने प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से भी बात की है। हम प्रयास कर रहे हैं कि जो नेता चुनाव में टिकट लेना चाहता है, उसे दो महीने पहले ही टिकट का इशारा कर दिया जाए, ताकि वह चुनाव में जुट सके। उन्होंने कहा कि जब टिकट की दौड़ लगती है तो दिल्ली में जिन्हें टिकट मिलता है, वह दौड़ दौड़ कर इतना थक जाते हैं कि चुनाव क्या लड़ेंगे। गहलोत ने कहा कि जिस तरह से असम में प्रत्याशियों को दो महीने पहले टिकट दे दिए गए थे, उसी तरह राजस्थान में भी दो महीने पहले टिकट दिए जाएं। गहलोत ने कहा कि यह इसलिए भी जरूरी है कि भाजपा को छोड़ बाकी पॉलिटिकल पार्टियों को बहुत ज्यादा टाइट किया हुआ है, केवल भाजपा को छूट है। भले ही धन की कितनी भी बात हो, लेकिन चुनाव में दिल जीतना बड़ी बात होती है और जो दिल जीतता है वही चुनाव जीतता है। मुख्यमंत्री ने चुनाव में टिकट को लेकर जिताऊ कैंडिडेट की पैरवी की। उन्होंने कहा कि चुनाव में सिर्फ और सिर्फ जीत आधार होना चाहिए और जो नेता चुनाव जीत रहा है, उसे टिकट मिलना चाहिए। साफ है कि गहलोत चुनाव में टिकट के लिए किसी फार्मूले के पक्ष में न होकर जिताऊ को टिकट देने के पक्षधर हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बहाने टिकट मांग रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कहा कि वह अति संतुष्ट पॉलिटिशियन हैं। उन्होंने टिकट मांग रहे कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि एक बात दिमाग में रखो कि जो जिंदगी में आगे बढ़ना चाहता है, उसे पार्टी आलाकमान के फैसले को मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार इन फैसलों से दुख तो होता है कि मेरी इच्छा पूरी नहीं हुई, लेकिन उस समय दिल पर पत्थर रखकर राजनीति करनी होती है, जो ऐसी राजनीति करेगा वह कामयाब होगा। गहलोत ने कहा कि यूथ कांग्रेस हमेशा अपने लिए टिकट मांगता है। टिकट वितरण के लिए पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बैठते हैं, उसमें कई बार ऐसा होता है कि यूथ कांग्रेस ज्यादा नाम दे देते हैं और टिकट नहीं मिल पाते हैं। जो नेता टिकट के दावेदार हैं, उनके नाम यूथ कांग्रेस को पहले ही सर्वे करने वाली एजेंसी को दे देने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर लोकल लेवल पर पहले से वह नाम पहुंच जाएंगे, जिन्हें चुनाव लड़ना है तो फिर सर्वे में भी कार्यकर्ता उनका नाम लेते हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार राजस्थान के माहौल से लग रहा है कि कांग्रेस पार्टी सरकार रिपीट करेगी। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनता ही अंतिम फैसला करती है, क्योंकि काम तो उन्होंने पहले भी किए थे, लेकिन कभी मोदी की आंधी में और कभी किसी और कारण से हमारी सरकार रिपीट नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि तीन बार की मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित भी मोदी की आंधी में चुनाव हार गई थी। गहलोत ने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और संजय गांधी ने यूथ कांग्रेस को संभाला, उस समय काफी अवसरवादी लोग कांग्रेस में आ गए, जो चुनाव हारते ही गायब हो गए। जो चुनाव हारने के बाद साथ रहे, वही कामयाब होते हैं।

## भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने अमरिंदर सिंह से की मुलाकात

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के आवास पर जाकर मुलाकात की। इस दौरान कैप्टन की पत्नी एवं पटियाला से सांसद परनीत कौर, बेटा रणइंदर सिंह और बेटी जय इंदर कौर मौजूद रही। इस दौरान जेपी नड्डा और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच पंजाब संबंधी कई मुद्दों पर चर्चा हुई। नड्डा केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर बुधवार से पंजाब और चंडीगढ़ के दौरे पर हैं। अमरिंदर सिंह के साथ मुलाकात के बाद नड्डा चंडीगढ़ की पूर्व मेयर सरबजीत कौर के घर पहुंचे। नड्डा ने चंडीगढ़ की इंटरनेशनल शूटर, ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी अंजुम मोदगिल के घर सेक्टर-37 जाकर उन्हें आशीर्वाद दिया और परिवार से मुलाकात की। जेपी नड्डा ने कहा कि अंजुम जैसे खिलाड़ी जूनियर खिलाड़ियों के लिए आदर्श हैं। उन्हें रोल मॉडल की तरह अन्य खिलाड़ियों को बेहतर खेल के लिए प्रेरित करना चाहिए।

# तिहाड़ में बंद लारेंस बिश्नोई को बठिंडा जेल में शिफ्ट किया गया

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस को बीती रात पंजाब के बठिंडा की जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। दिल्ली में लारेंस पर हमले की आशंका के चलते यह कार्रवाई की गई है। दिल्ली जेल प्रशासन ने बीते दिनों लॉरेंस को कोर्ट में पेश किया था, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कोर्ट ने रिमांड खत्म होने पर बठिंडा जेल भेजने के आदेश दिए थे। लॉरेंस काफी समय से बठिंडा सेंट्रल जेल में बंद था। यहां से उसे गुजरात पुलिस ने एक आपराधिक मामले की जांच के लिए हिरासत में लिया था और गुजरात की साबरमती जेल लेकर आई थी। केंद्रीय एजेंसियों को लॉरेंस पर हमले की इनपुट मिली। इनपुट के अनुसार, बंबीहा गैंग लॉरेंस पर हमला करवा सकता है। जिसके बाद उसे बीती रात बठिंडा की जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

# गुरुद्वारे के कोषाध्यक्ष पर अवैध शराब कारोबारी ने किया हमला, जांच जारी

**यमुनानगर ( हिंस )।** यमुनानगर के अर्जुन नगर स्थित सिंह सभा गुरुद्वारे में बुधवार रात को कोषाध्यक्ष मंदीप सिंह पर अवैध शराब के कारोबारी और उसके परिवार द्वारा किए गए जानलेवा हमले व गुरुग्रंथ साहिब की मर्यादा भंग करने के विरोध में सिख समाज गुरुवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय न्याय की मांग को लेकर पहुंचा। कोषाध्यक्ष मंदीप सिंह ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि बुधवार रात को वह सिंह सभा गुरुद्वारे के अंदर था। तभी गुरुद्वारे के साथ रहने वाले अवैध शराब के कारोबारी परमजीत सिंह उर्फ काली और उसके परिवार के लोगों ने तेजधार हथियारों, डंडों और सरियों से गुरद्वारे के अंदर उस पर जानलेवा हमला कर दिया और गुरुग्रंथ साहिब की भी मर्यादा भंग की। हमलावरों ने मंदीप सिंह को सिर में मारा, जिससे उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर में दाखिल कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। अर्जुन नगर चौकी के जांच अधिकारी रजत कुमार ने बताया कि कल शाम को यह घटना गुरुद्वारे में घटी थी। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को पुलिस में कब्जे में लेकर और शिकायतकर्ता के बयान पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मंदीप सिंह की हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिख समाज के गुस्साए लोगों का कहना है कि वीरवार को वह जिला पुलिस अधीक्षक पास शिकायत देने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि अवैध शराब बेचने और नशा सप्लाई करने वाले आरोपी परमजीत सिंह उर्फ काली और उसके परिवार ने गुरुद्वारे के अंदर मंदीप सिंह पर जानलेवा हमला करके गुरुग्रंथ साहिब की मर्यादा को भंग किया। उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और दोषियों को सलाखों के पीछे डाला जाए।

## पदोन्नति की शर्तों के विरोध में कर्मचारियों ने प्रतियां जलाईं

**यमुनानगर ( हिंस )।** पदोन्नति में पेपर पास करने की शर्त के विरोध में कर्मचारियों ने गुरुवार को सरकार के आदेश की प्रतियां जलाकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार (वित्त विभाग) के नाम ज्ञापन सौंपा। मौके पर पहुंचे राज्य सचिव मांगे राम तिगरा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होने के बावजूद एक बार फिर से पेपर देकर कर्मचारी भर्ती होते हैं और सरकार के ही अधिकारी इंटरव्यू भी लेते है। उन्होंने कहा कि अब तक पदोन्नति, पदोन्नति के पद की शैक्षणिक योग्यता व अनुभव की मेरिट के आधार पर हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कौशल रोजगार या प्रति वर्ष नौकरी रिन्यू करवाने वालों से हर साल भ्रष्टाचार के तहत शासन व प्रशासन पैसे ऐंठता है।

# आप नेताओं को थमाए नोटिस के विरोध में फूंका सरकार का पुतला

**सिरसा ( हिंस )।** आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हैप्पी रानियां सहित करीब तीन दर्जन से अधिक जिले के नेताओं को जिला प्रशासन द्वारा कानूनी तौर पर पाबंद करने के लिए नोटिस भेजे गए हैं। प्रशासन द्वारा भेजे गए नोटिस के अनुसार 18 जून को सिरसा में वीवीआईपी कार्यक्रम होना तय हुआ है। जिसके संबंध में गुप्त सूचना के अनुसार आप नेता 18 जून को देश के गृह मंत्री अमित शाह के वीवीआईपी कार्यक्रम में कानून व्यवस्था को बाधित कर सकते हैं। शांति भंगकर सकते हैं। अमन शांति के लिए खतरा है। इसलिए वीवीआईपी अमित शाह के कार्यक्रम की सुरक्षा गंभीर विषय है, इसलिए आप नेताओं को 50 हजार रुपए के जमानती मुचलकेव 6 महीने की नेक चाल चलनी के लिए पाबंद करने के लिए कानूनी नोटिस जारी किया गया है। भाजपा सरकार द्वारा नोटिस जारी करने के विरोध में आम आदमी पार्टी द्वारा जिला सचिवालय में चल रहे धरने के 34वें दिन धरनास्थल पर एकत्रित होकर लघुसचिवालय में हरियाणा सरकार का पुतला फूंक कर विरोध प्रकट किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष हैप्पी रानियां, जिलापार्षद जसदेव निक्का, प्रदेश महिला सहसचिव देवेंद्र कौर, महिला नेत्री सुखदीप कौर ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शन में लोकसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंहगदराना व लोकसभा सचिव विरेन्द्र कुमार विशेष तौर पर उपस्थित रहे। आप नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा गरीबों की आवाज उठाने वाले आम आदमी पार्टी के दर्जनों नेताओं के खिलाफ नोटिस जारी कर सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बताना सरकार की तानाशाही प्रवृति को दर्शाता है। भाजपा सरकार पूरी तरह से तानाशाही पर उतरी हुई है। जनता की आवाज उठाने वालों को कुचलने के लिए प्रशासन का गलत इस्तेमाल कर रही है। आम आदमी पार्टी जनता की आवाज निरंतर उठाती रहेगी। आम आदमी पार्टी के नेता किसी भी प्रकार की जमानत प्रक्रिया में नहीं जाएंगे। सरकार द्वारा गिरफ्तारी की गई तो आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता गिरफ्तारियां देने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

## बिपरजॉय : महंगाई राहत कैंप और मनरेगा के कार्य तीन दिन तक के लिए स्थगित

**जोधपुर ( हिंस )।** जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता के निर्देश पर जोधपुर जिले में महंगाई राहत कैंप एवं महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों को आगामी 17 जून तक के लिए चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के मद्देनजर स्थगित कर दिए हैं। मौसम विज्ञान विभाग जयपुर द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के सक्रिय होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए सतर्कता बरतते हुए बचाव एवं व्यवस्थाओं को लेकर ये निर्णय किया गया है। इस बारे में प्रभारी अधिकारी (आपदा प्रबन्धन एंव सहायता) एवं अपर जिला कलक्टर(तृतीय) राजेन्द्र डांगा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस तूफान को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में संचालित महंगाई राहत कैंप और महात्मा गांधी नरेगा कार्यों को आगामी 17 जून तक (3 दिवस के लिए) स्थगित किया गया है।

### आरोपियों को पकड़ कर ला रही पुलिस पर हमला

# सब इंस्पेक्टर को मारी गोली, हथियार भी लूटे

**चित्तौड़गढ़ ( हिंस )।** एक मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में गई चित्तौड़गढ़ जिले की निंबाहेड़ा सदर थाना पुलिस पर हमला हुआ है। इसमें आरोपियों ने निंबाहेड़ा सदर थाना पुलिस के सब इंस्पेक्टर को गोली मार दी। हथियार लूट के ले गए तथा पकड़े गए आरोपियों को भी जबरन छुड़ा कर ले गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही निंबाहेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची है। सब इंस्पेक्टर को उदयपुर रेफर किया गया है। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी में सामने आया कि निंबाहेड़ा सदर थाना पुलिस की टीम एक मामले में सब इंस्पेक्टर नारूलाल के नेतृत्व में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए बुधवार रात को मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में पहुंची थी। रात करीब 12 बजे निम्बाहेड़ा की सदर थाना पुलिस द्वारा मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें स्कोर्पियो से निम्बाहेड़ा ले जाया जा रहा था। इस दौरान नीमच सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम जेतपुरा (फोरलेन) के पास पल्सर पर सवार अज्ञात दो बदमाशों ने बारह बोर बंदूक से पुलिस टीम पर फायर कर रुकवा दिया। वहीं सदर थाने के सब इंस्पेक्टर नरूलाल की सर्विस रिवॉल्वर को छीन कर उसी से एसआई को जांघ पर गोली मार दी। इससे सब इंस्पेक्टर घायल हो गए। दोनों बदमाश तीनों आरोपियों को अपने साथ लेकर फरार हो गए। घायल अवस्था में एसआई को नीमच लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उदयपुर रैफर किया गया है। सूचना मिलते ही निम्बाहेड़ा सदर थाना प्रभारी फूलचंद टेलर और टीम व नीमच पुलिस मौके पर पंहुची। इधर, नीमच पुलिस ने फरार हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बना कर आसपास क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी है।

## भारत-पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ करती पकड़ी गई उज्बेकिस्तानी महिला

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रही एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला उज्बेकिस्तान की रहने वाली है और पंजाब के रास्ते पाकिस्तान में घुसने का प्रयास कर रही थी। बीएसएफ ने महिला के घुसपैठिया होने की आशंका जताई है, जो बुर्का पहनकर यहां घूम रही थी। ग्रामीणों की सूचना पर कार्रवाई करने के बाद बीएसएफ ने उसे पंजाब पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ इंडियन पासपोर्ट एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। थाना फिरोजपुर सदर के प्रभारी विनोद कुमार के अनुसार वह नियमित गश्त पर सीमावर्ती गांव न्यू बारेके के पास थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि गांव गट्टी राजोके के पास एक बुर्का पहने महिला को गांव के लोगों ने रोका है, जो अंतर्राष्ट्रीय सरहद पार करने की फिराक में थी। उन्होंने बताया कि हिरासत में ली गई 36 वर्षीय महिला का नाम तांगिया रेवा पुत्री ईसीसोवाना निवासी उज्बेकिस्तान है। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ चल रही है। उसे अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। पता लगाया जाएगा कि उसका यहां आने और बुर्का पहनकर सरहद पार करने की कोशिश का क्या मकसद था।

# रोडवेज कर्मियों ने बस अड्डा पर मांगों को लेकर दो घंटे के लिए दिया धरना

**जींद ( हिंस )।** जींद बस अड्डा प्रांगण में हरियाणा रोडवेज जागृति मंच की राज्य कमेटी के आह्वान पर जींद डिपो में परिचालक पे ग्रेड बढ़ाने, चालक-परिचालक कर्मचारी को जोखिम भत्ता देने सहित अन्य मांगों को लेकर गुरुवार को धरना दिया। धरने का संचालन डिपो प्रधान अमरजीत सैनी तथा डिपो सचिव विजय शर्मा ने किया। डिपो प्रधान अमरजीत सैनी व डिपो सचिव विजय शर्मा ने कहा कि निदेशक राज्य परिवहन द्वारा परिचालक कर्मचारी के खिलाफ एक तुगलकी फरमान के रूप में पत्र जारी किया गया है कि यदि कोई भी यात्री बस में सफर के दौरान बिना टिकट पाया जाता है तो उसका जिम्मेदार बस पर कार्यरत परिचालक होगा। ऐसे में परिचालक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस तरह के नियम जारी होने से यात्री जानबूझकर टिकट नहीं लेगा। राज्य महासचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इन तीन मांगों पर सरकार व विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो हरियाणा रोडवेज जागृति मंच की राज्य कमेटी द्वारा एक बैठक करके निर्णायक आंदोलन की घोषणा की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार तथा विभाग के उच्च अधिकारियों की होगी। डिपो चेयरमैन मुकेश सिवाच ने कहा कि वर्तमान समय में परिचालक कर्मचारी का पे ग्रेड अन्य विभागों के कर्मचारियों की तुलना में वेतनमान सम्मानजनक नहीं होकर बहुत ही कम है।

# *लेन ड्राइविंग* व *अंडर ऐज ड्राइविंग* अभियान में 3434 चालान

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा ट्रैफिक पुलिस ने एक सप्ताह के लिए प्रदेश में *लेन ड्राइविंग* और *अंडर ऐज ड्राइविंग* का एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान लेन ड्राइविंग के 3176 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 258 चालान किए गए। उन्होंने बताया कि इस प्रकार इस अभियान के दौरान कुल 3434 चालान किए गए। *लेन ड्राइविंग* और *अंडर ऐज ड्राइविंग* अभियान के बारे में गुरुवार को जिला वार जानकारी देते हुए विज ने बताया कि अंबाला जिले में कुल 653 चालान किए गए, जिसमें से लेन ड्राइविंग के 609 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 44 चालान किए गए। सिरसा जिला में कुल 137 चालान हुए, जिसमें से लेन ड्राइविंग के 123 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 14 चालान किए गए। कुरुक्षेत्र जिला में कुल 17 चालान हुए जिसमें से लेन ड्राइविंग के 11 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 6 चालान किए गए। मेवात जिला में कुल 236 चालान हुए जिसमें से लेन ड्राइविंग के 234 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 2 चालान किए गए। विज ने बताया कि रोहतक जिले में लेन ड्राइविंग के 40 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 3 चालान, करनाल जिले में लेन ड्राइविंग के 2 और अंडर ऐज ड्राइविंग के 57 चालान और हिसार जिले में लेन ड्राइविंग के 61 चालान किए गए। इसी तरह यमुनानगर जिले में कुल 135 चालान, पानीपत जिले में कुल 331, झज्जर जिले में कुल 168, गुरुग्राम जिले में कुल 175, सोनीपत जिले में कुल 90, फरीदाबाद जिले में कुल 684, भिवानी जिले में कुल 37, पंचकूला जिले में 122 चालान, चरखी दादरी जिले में कुल 83 चालान, नारनौल जिले में कुल 143 चालान और रेवाड़ी जिले में कुल 95 चालान किया गया। उन्होंने बताया कि जींद जिले में कुल 32 चालान, हांसी जिले में कुल 12, कैथल जिले में कुल 96, फतेहाबाद जिले में कुल 24 चालान और पलवल में लेन ड्राइविंग का केवल एक चालान किया गया।

# बिपरजॉय चक्रवात : मुजफ्फरपुर पोरबंदर एक्सप्रेस रेल-सेवा रहेगी रद्द

**जयपुर ( हिंस )।** अरब सागर में बिपरजॉय चक्रवात तूफान के कारण संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा मुजफ्फरपुर-पोरबंदर एक्सप्रेस रेलसेवा को रद्द किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी बिपरजॉय चक्रवात को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित गाड़ी संख्या 19270, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर एक्सप्रेस रेलसेवा 18.06.23 को रद्द रहेगी।

# पंजाब के 35 बैडमिंटन खिलाड़ी प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद रवाना

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों के लिए तैयार करने के लिए पंजाब के 35 बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुटा अकादमी आफ एक्सीलेंस में एक महीने के लिए विशेष प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद के लिए रवाना हुए। खेल विभाग के मुख्य कार्यालय हाकी ओलम्पियन बलबीर सिंह सीनियर अंतर्राष्ट्रीय हाकी स्टेडियम से रवाना हुए खिलाड़ियों खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने शुभकामनाएं देते कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पंजाब को खेल में देश का नंबर एक सूबा बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के अंतर्गत पंजाब में खेल माहौल पैदा किया जा रहा है। इन 35 बैडमिंटन खिलाड़ियों में अंडर-9 से 16 वर्ष तक की 18 लड़कियां और 17 लड़के शामिल हैं। इसके अलावा उस दल में पंजाब के दो बैडमिंटन प्रशिक्षक भी रवाना हुए हैं। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद बैडमिंटन खेल का एक बड़ा प्रशिक्षण केंद्र है। इन खिलाड़ियों को हैदराबाद प्रशिक्षण केंद्र में भेजने की व्यवस्था पहली बार पंजाब सरकार कर रहा है।

## योग को पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला हरियाणा पहला राज्य : डॉ. जयदीप आर्य

**हिसार ( हिंस )।** हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष व पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी डॉ. जयदीप आर्य ने कहा है कि मनुष्य को अहंकार छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। यह हमेशा याद रखना चाहिए कि सेवा करने वाला ही बड़ा होता है। वे गुरुवार को यहां के ठाकुरदास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के नौवें दिन मुख्य अतिथि के तौर पर साधकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला राज्य है, जहां योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। हमारा लक्ष्य है कि हर आंगन में योग होद।

# पानी की समस्या से परेशान महिलाओं का गुस्सा फूटा

**भीलवाड़ा ( हिंस )।** जिले में पानी की समस्या से परेशान महिलाओं ने गुरुवार को सड़क पर जाम लगा दिया। उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अचानक लगे जाम से सड़क के दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। इसके बाद मौके पर पुलिस व प्रशासन के अफसर पहुंचे और महिलाओं को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। हिंदुस्तान जिंक के पास रामपुरा गांव की सैकड़ों महिलाओं ने पेयजल समस्या को लेकर रोड जाम किया। सबसे बड़ी हिंदुस्तान जिंक कम्पनी के मेन गेट से कुछ दूरी पर स्थित रामपुरा गांव के वासी पानी के लिए दरदर भटक रहे हैं। पेयजल समस्या को लेकर सैकड़ों आक्रोशित महिलाओं ने गुलाबपुरा, बनेडा मार्ग को जाम कर, वाहनों की आवाजाही को पूर्ण बंद कर दिया। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिंक के कर्मचारीयों को भी ड्यूटी नहीं जाने दिया। जिससे प्रशासन हरकत में आया व मौके पर समझाईश के प्रयास शुरू किये। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि पीने के लिए पानी दस से पद्रह दिन में चंबल की सप्लाई कुछ देर के लिए दी जाती है। ग्राम पंचायत व जिंक अधिकारी एंव प्रशासन, पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को समझाईश के बाद रास्ता खुलवाया गया।

# तो अमेरिका से ड्रोन और फाइटर जेट इंजन तकनीक हासिल कर सकता है भारत! रक्षा परिषद की अहम बैठक में चर्चा

**नई दिल्ली ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा की तैयारियों के बीच रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को अमेरिका से प्रीडेटर (एमक्यू-9 रीपर) ड्रोन खरीदने के सौदे को मंजूरी दे दी है, अब इसके लिए अंतिम निर्णय सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) लेगी। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्रीडेटर ड्रोन के सौदे को रक्षा खरीद परिषद की बैठक में मंजूरी दी गई। अधिग्रहण प्रस्ताव को अब आगे की प्रक्रिया का पालन करना होगा, जिसके बाद इसे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की ओर से मंजूरी दी जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद की बैठक सुबह 10 बजे शुरू हुई, जिसमें अमेरिका से एमक्यू-9 रीपर सशस्त्र ड्रोन खरीदने के सौदे पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्रालय और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बैठक के एजेंडे के बारे में बताया कि इसमें अन्य मेड इन इंडिया रक्षा सौदों जुड़ी बातचीत भी शामिल किया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत देश में लड़ाकू विमानों के इंजनों के संयुक्त रूप से निर्माण पर सहमत हो सकते हैं। चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर दोनों देशों के बीच ये घनिष्ठ सैन्य सहयोग के संकेत हैं। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, सौदा फिनिश लाइन के करीब है, सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा है कि इन सौदों के विवरण गोपनीय हैं। सूत्रों ने बताया कि व्हाइट हाउस मैसाचुसेट्स स्थित एयरोस्पेस विनिर्माण दिग्गज जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है, जिसमें तेजस हल्के लड़ाकू विमान के लिए सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ इंजन का उत्पादन करने की बात कही गई है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने नई दिल्ली में एक सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से जुड़ी कई बातें एक पृष्ठ पर सिर्फ बुलेट पॉइंट नहीं हैं। वे मूल रूप से रक्षा व्यापार में, उच्च तकनीक व्यापार में, हमारे प्रत्येक देश में निवेश में उन बाधाओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सुलिवन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले शीर्ष भारतीय अधिकारियों के साथ बैठक के लिए इस सप्ताह भारत में हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### सेंसेक्स के मुकाबले दोगुना रिटर्न दे सकते हैं छोटे-मझोले शेयर: बड़े शेयरों में स्थिरता के चलते बढ़ा मिडकैप-स्मॉलकैप शेयरों में निवेश

**मुंबई।** अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष में अब तक छोटी-मझोली कंपनियों के शेयरों ने बड़ी कंपनियों के मुकाबले ढाई गुना रिटर्न दिया है। इस बीच सेंसेक्स में 7.2प्रतिशत तेजी आई, लेकिन मिडकैप इंडेक्स करीब 16प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 19प्रतिशत चढ़ गया। विश्लेषकों का मानना है कि इस साल स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर बड़े शेयरों के मुकाबले करीब दोगुना रिटर्न देंगे। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एलकेपी सिक्योरिटीज और मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक, 2024-25 तक निफ्टी स्मॉलकैप 100 और मिडकैप 100 इंडेक्स की अर्निंग ग्रोथ निफ्टी 50 से ज्यादा रह सकती है। एलकेपी सिक्योरिटीज का मानना है कि मार्च 2024 तक मिडकैप इंडेक्स का रिटर्न निफ्टी 50 से दोगुना रहेगा। आईसीआईसीआई सिक्यो. के मुताबिक, स्मॉलकैप शेयरों में विदेशी निवेशकों ने जून 2022 से बिकवाली रोक दी है। 2023 से ऐसे शेयरों में इनकी होल्डिंग तेजी से बढ़ रही है। ये ट्रेंड जारी रह सकता है। सेंसेक्स कई महीनों से 63,000 पर स्थिर होता नजर आ रहा है। इसके चलते निवेशक इस इंडेक्स में शामिल शेयरों के इतर ज्यादा रिटर्न देने वाले छोटे-मझोले शेयर खरीद रहे हैं। क्वालिटी मिडकैप शेयर 9 माह से अन्य कैटेगरी के शेयरों से ज्यादा तेजी दिखा रहे हैं। इसके चलते इनके प्रति निवेशकों का आकर्षण बढ़ रहा है। बढ़ते विदेशी निवेश के बीच म्यूचुअल फंड चुनिंदा लार्जकैप शेयरों में मुनाफा काट रहे हैं। ज्यादा रिटर्न के चलते ये पैसा चुनिंदा मिडकैप शेयरों में लगाया जा रहा है।

### फाइनेंशियल फ्रीडम के लिए भारत के 6500 सुपररिच छोड़ेंगे देश: सबसे ज्यादा चीनी सुपररिच देश छोड़ जा रहे, हेनले वेल्थ रिपोर्ट में हुआ खुलासा

**नई दिल्ली।** इस साल देश के करीब 6,500 सुपररिच भारत छोड़ देंगे। पिछले साल भी 7,500 सुपररिच

भारतीय देश छोड़ कहीं और जा बसे थे। हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अमीरों का देश छोड़ने का सिलसिला तेजी से जारी है। इसकी सबसे बड़ी वजह सुपररिच लोगों की वित्तीय स्वतंत्रता की चाहत है। टैक्स का बोझ बढ़ने, कानून व्यवस्था के कमजोर होने और कोर्ट के फैसलों में होने वाली देरी भी इनके देश छोड़ने की बड़ी वजहों में से हैं। इसके साथ-साथ बिजनेस का बेहतर माहौल न होने पर सुपररिच देश छोड़ देते हैं। साथ ही वे अपना कारोबार भी वहां से समेटने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि चीन से सबसे ज्यादा सुपररिच देश छोड़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल 13,500 सुपररिच चीन छोड़ देंगे, जबकि पिछले साल 10,800 चीनी अमीर चीन छोड़कर दूसरे देशों में जा बसे थे। चीन और भारत के बाद ब्रिटेन वह तीसरा देश है, जहां से सुपररिच दूसरे देशों में बसने जा रहे हैं। 10 देशों की इस सूची में सबसे खास बात यह है कि भारत वह अकेला देश जहां सुपररिच दूसरे देश छोड़कर यहां बसने आ रहे हैं।

### गूगल पर एडवरटाइजिंग बिजनेस में एंटी-कॉम्पिटेटिव प्रैक्टिस का आरोप: यूरोपीय यूनियन के एंटीट्रस्ट रेगुलेटर ने कहा- ऐड बिजनेस का हिस्सा बेचे कंपनी

**मुंबई।** यूरोपीय यूनियन के एंटीट्रस्ट रेगुलेटर ने अल्फाबेट के गूगल पर डिजिटल एडवरटाइजिंग

बिजनेस में एंटी-कॉम्पिटेटिव प्रैक्टिस करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही रेगुलेटर ने गूगल को एडवरटाइजिंग बिजनेस का कुछ हिस्सा बेचने के लिए कहा है। ईयू एंटीट्रस्ट चीफ मार्ग्रेथ वेस्टेगर ने कहा कि गूगल को अपने एडटेक बिजनेस का कुछ हिस्सा बेचना चाहिए, क्योंकि एंटी-कॉम्पिटेटिव प्रैक्टिस को रोकने के लिए एक व्यवहारिक उपाय प्रभावी होने की संभावना नहीं है। यह पहली बार है जब यूरोपीय यूनियन ने किसी बड़ी टेक कंपनी को अपने बिजनेस को बेचने या डिवाइड करने के लिए कहा है। वह इसके जरिए यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि किसी एक कंपनी के पास ज्यादा पॉवर न हो और कॉम्पटीशन निष्पक्ष हो। हालांकि, अभी एंटीट्रस्ट रेगुलेटर के अंतिम निर्णय लेने से पहले गूगल के पास अपनी बात रखने का मौका है।

### सुजलॉन का शेयर एक महीने में हुआ डबल

# निवेशकों के 1 लाख को बनाया 2 लाख, कंपनी को 6 साल बाद मुनाफा; ऑर्डर भी हुए दोगुने

**मुंबई।**

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी सुजलॉन का शेयर बीते एक महीने में लगभग डबल हो गया है। सुजलॉन के शेयरों में तेजी की वजह यह बताई जा रही है कि भारत की सबसे बड़ी विंड टरबाइन मेकर की नेटवर्थ एक दशक के बाद पॉजिटिव में आ गई है। कंपनी को लगभग छह साल बाद मुनाफा हुआ है और पिछले दो महीनों में उसके ऑर्डर भी दोगुना हो गए हैं।

#### सुजलॉन का शेयर बढ़कर 15.75 हुआ

एक महीने पहले यानी 15 मई को सुजलॉन का शेयर 8.2 का था। वहीं 12 जून को इसका शेयर बढ़कर 15.75 हो गया था, जो इसका 52 वीक हाई भी है। हालांकि, कंपनी का शेयर मामूली बढ़त के साथ 14.50 पर बंद हुआ।

#### 1 महीने में निवेशकों के 1 लाख को बनाया 2 लाख

अगर किसी निवेशक ने 1 महीने पहले कंपनी के 1 लाख रुपए के शेयर खरीदे होते तो उसका निवेश अब डबल होकर 2 लाख रुपए हो गया होता। सुजलॉन के ग्लोबल सीईओ जे पी चलसानी ने बताया, फेवरेबल मार्केट कंडीशन और स्ट्रॉन्ग बैलेंस शीट आने वाले सालों में हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाली है।

#### सुजलॉन की ऑर्डर बुक बढ़कर 1,542 मेगावॉट हुई

31 मार्च 2023 को सुजलॉन की ऑर्डर बुक 652 मेगावॉट थी, अब यह बढ़कर 1,542 मेगावॉट हो गई है। हाल

के हफ्तों में मिले कुछ बड़े ऑर्डरों की बदौलत कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। नए फाइनेंशियर ईयर में अब तक फर्म को 890 मेगावाट के ऑर्डर मिले हैं। ऑर्डर बुक का लगभग 780 मेगावाट (51प्रतिशत) अब इसकी नई 3 मेगावाट (एस144) विंड टरबाइन जनरेटर सीरीज के लिए है।

#### एफवाय-23 में कंपनी की नेट-वर्थ भी पॉजिटिव में आई

एफवाय-23 के आखिरी तक कंपनी की नेट-वर्थ 1,099 करोड़ हो गई है। एक दशक के बाद पहली बार कंपनी की नेट-वर्थ पॉजिटिव में आई है। फाइनेंशियल ईयर 2023 में कंपनी का नेट डेट घटकर 1,180 करोड़ रुपए हो गया, जो एफवाय-20 में 13,003 करोड़ रुपए था। कंपनी ने मई 2022 में राइट्स इश्यू और रिफाइनेंसिंग के जरिए 16 लेंडर्स को सिर्फ 2 नए लेंडर्स में बदल दिया। सुजलॉन के लिए एक और पॉजिटिव यह है कि कंपनी के पास एफवाय-23 में नेट फाइनेंस कॉस्ट को 44प्रतिशत तक कम करने की क्षमता थी। अब कंसोलिडेटेड नेट फाइनेंस कॉस्ट एफवाय-20 में 1,340 करोड़ से घटकर एफवाय-23 में 401 करोड़ हो गई है।

#### 2005 के बाद टॉप-6 ग्लोबल ऑनशोर टरबाइन मेकर्स में से एक बनी थी सुजलॉन

सुजलॉन ने 2005 से दुनिया भर में अपना बिजनेस तेजी से बढ़ाने की कोशिश की और पांच साल में कंपनी टॉप-6 ग्लोबल ऑनशोर टरबाइन मेकर्स में से एक बन गई। अपनी इस जर्नी के दौरान कंपनी ने जर्मनी के रिपॉवर और बेल्जियम के गियरबॉक्स मेकर हैनसेन ट्रांसमिशन जैसी कंपनियों को खरीदा। एफवाय-2009 तक सुजलॉन का रेवेन्यू 26,000 करोड़ से ज्यादा हो गया और कंपनी को 1,600 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, कुछ समय बाद सुजलॉन के स विंड फार्म्स में इसकी मशीनों के कुछ ब्लेड्स टूट गए थे और ग्लोबली इसका मार्केट भी क्रैश हो गया था। कंपनी ने फिर एक रेट्रोफिटिंग प्रोग्राम की कोशिश की थी, लेकिन इस घटना की व्यापक रूप से पश्चिमी मीडिया और भारत में रिपोर्ट की गई। जिसके कारण कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 2010 में 68,000 करोड़ से घटकर 8,000 करोड़ हो गया था। इसके बाद सुजलॉन को बिजनेस में काफी नुकसान हुआ और कंपनी को कर्ज चुकाने में असमर्थता के कारण पांच बार डेट रिस्ट्रक्चर करना पड़ा था। इसके बाद सन फार्मास्युटिकल्स के प्रमोटर दिलीप सांघवी सुजलॉन के लिए एक मसीहा बनकर आए। उन्होंने 2015 में 1,800 करोड़ में कंपनी की 23प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। फिर बैंकों ने सुजलॉन को लोकल मार्केट पर फोकस करने और लागत कम करने के लिए बिजनेस को रिऑर्गेनाइज्ड करने को कहा था। अब सुजलॉन की मुश्किलें कुछ हद तक खत्म हो रही हैं। वहीं कंपनी के फाउंडर-चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर तुलसी तांती का पिछले साल 1 अक्टूबर को 64 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

### खाने के तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

# तेल की इंपोर्ट ड्यूटी 5प्रतिशत घटकर 12.5प्रतिशत हुई, दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदार है भारत

**नई दिल्ली।**

सरकार ने रिफाइन्ड सोया और सूरजमुखी ऑयल पर बेस इंपोर्ट ड्यूटी को 17.5प्रतिशत से घटाकर 12.5प्रतिशत कर दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में खाने के तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना, ब्राजील, यूक्रेन और रूस से सोया तेल और सूरजमुखी तेल का आयात करता है। भारत वनस्पति तेलों का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार है और अपनी मांग का लगभग 60प्रतिशत आयात करता है। इस कारण अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव का घरेलू बाजार पर सीधा असर पड़ता है। कुल आयात की बात करें तो भारत सालाना 14 एमटी तेल आयात करता है। इसमें कच्चे तेल और रिफाइंड तेल की हिस्सेदारी 75प्रतिशत और 25प्रतिशत है। सालाना खपत 24 एमटी है।

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मेहता ने कहा, तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि मौजूदा ऑयल ईयर (नवंबर-अक्टूबर) की पहली छमाही में सूरजमुखी और सोयाबीन तेल का शिपमेंट 3.1एमटी तक पहुंच गया है। पिछले साल ये 3.3 एमटी था। इसी महीने की शुरुआत में केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट को देखते हुए खाद्य तेल एसोसिएशन से तेल की कीमतों में 8-12 रुपए प्रति लीटर की कटौती के लिए कहा था। इसी महीने हुई खाद्य तेल एसोसिएशन के साथ बैठक के बाद खाद्य मंत्री ने कहा था कि कुछ कंपनियां जिन्होंने कीमतें कम नहीं की हैं, उन्हें कीमतें घटाना होगा। भारत का अप्रैल महीने में सोयाबीन तेल का आयात 1प्रतिशत बढ़कर 262,000 टन हो गया और सूरजमुखी तेल का आयात 68प्रतिशत बढ़कर 249,000 टन हो गया।

# ईडी ने धन शोधन मामले में एम3एम के दो प्रवर्तकों को किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली ।**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंचकूला स्थित विशेष अदालत के एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के मामले से संबंधित धन शोधन के मामले में गुरुग्राम स्थित रियल्टी समूह एम3एम के निदेशक बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दोनों निदेशकों को एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया था। धन शोधन के जिस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया है, वह अप्रैल में विशेष अदालत के पूर्व न्यायाधीश, उनके भतीजे और एम3एम समूह के तीसरे निदेशक रूप कुमार बंसल के खिलाफ हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्राथमिकी से संबंधित है। एसीबी की प्राथमिकी के अनुसार, न्यायाधीश पर एम3एम समूह के निदेशकों और आईआरईओ नामक एक अन्य रियल इस्टेट समूह के खिलाफ ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामलों में पक्षपात का आरोप था। न्यायाधीश को बाद में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दिया था। एसीबी मामले में आरोपी सभी लोगों ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। ईडी ने एक जून को आईआरईओ समूह और इसके प्रवर्तक ललित गोयल से जुड़े धन शोधन के एक अन्य मामले में एम3एम प्रवर्तकों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ छापेमारी की। इसके बाद, एजेंसी ने रूप कुमार बंसल और दो अन्य निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किया। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय से पांच जुलाई तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया गया। हालांकि, ईडी ने अब उन्हें एसीबी से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है।

# ओएमएसएस के तहत चावल और गेहूं की बिक्री बंद, बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र का फैसला

**नई दिल्ली ।**

केंद्र ने महंगाई रोकने के लिए राज्य सरकारों को ओएमएसएस (ओपन मार्केट सेल स्कीम) के तहत चावल और गेहूं की बिक्री बंद कर दी है। इस फैसले से कर्नाटक सरकार को पहले ही अवगत करा दिया गया है, जिसने जुलाई के लिए ई-नीलामी के बिना ओएमएसएस के तहत अपनी ही योजना के लिए 3,400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 13,819 टन चावल की मांग की थी। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की ओर से जारी एक हालिया आदेश के अनुसार, राज्य सरकारों के लिए ओएमएसएस (घरेलू) के तहत गेहूं और चावल की बिक्री बंद कर दी गई है। हालांकि ओएमएसएस के तहत चावल की बिक्री पूर्वोत्तर राज्यों, पहाड़ी राज्यों और कानून-व्यवस्था की स्थिति, प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने

वाले राज्यों के लिए 3,400 रुपये प्रति क्विंटल की मौजूदा दर पर जारी रहेगी। एफसीआई बाजार मूल्यों को कम करने के लिए आवश्यकता के अनुसार केंद्रीय पूल स्टॉक से निजी पक्षों को ओएमएसएस के तहत चावल बेच सकता है। 12 जून को केंद्र सरकार ने खुले बाजार की कीमतों को कम करने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए 31 मार्च, 2024 तक गेहूं पर स्टॉक सीमा लागू करते हुए ओएमएसएस के तहत चावल और गेहूं दोनों के ऑफ लोडिंग की भी घोषणा की थी। सरकार ने ओएमएसएस के तहत केंद्रीय पूल से 15 लाख टन गेहूं की बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से आटा मिलों, निजी व्यापारियों और गेहूं उत्पादों के निर्माताओं को करने की घोषणा की थी। हालांकि, इसने ओएमएसएस के तहत बिक्री के लिए इन व्यापारियों के लिए चावल की मात्रा तय नहीं की थी। केंद्र की ओर से राज्य सरकारों को ओएमएसएस के तहत चावल, गेहूं की बिक्री बंद करने पर कांग्रेस ने गुरुवार को केंद्र पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक चुनाव में मिली हार की अपनी हताशा लोगों पर निकाल रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इस कदम से सरकार समाज के सबसे वंचित तबकों को नुकसान पहुंचा रही है।

### सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

# 19 जून से खुल रही गोल्ड बॉन्ड सीरीज, 23 तारीख तक कर सकेंगे निवेश

**नई दिल्ली।**

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 की पहली सीरीज 19 जून से खुल रही है। इसमें 23 जून तक निवेश कर सकते हैं। ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से इसमें निवेश किया जा सकता है। ऑनलाइन अप्लाय करने पर 50 रुपए की छूट मिलती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। एसजीबीस में निवेश पर 2.50प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड यानी आईबीजेए के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

**क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड** - सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। इसका मूल्य रुपए या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

**शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं** - एसजीबीस में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

**अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश** - एसजीबीस के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1

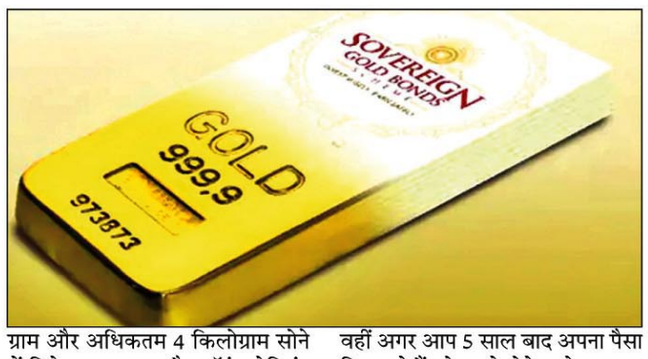


ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जॉइंट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

**8 साल से पहले निकालने पर देना होता है टैक्स** - सॉवरेन 8 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80प्रतिशत टैक्स लगता है।

**ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश** - आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड , मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

### सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट: 59 हजार पर आया सोना, चांदी 71 हजार रुपए के करीब आई

**नई दिल्ली।** सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 244 रुपए गिरकर 59,020 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,062 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 684 रुपए सस्ती होकर 71,421 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 72,105 रुपए पर थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने 15 महीने बाद, जून की पॉलिसी में उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसका सोने-चांदी की कीमतों पर विपरीत असर पड़ा है। हालांकि, आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि ये गिरावट स्थायी नहीं है और आने वाले दिनों में इनकी कीमतों में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। इनके अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार और चांदी 80 हजार तक जा सकती है।

# पीपली लाइव के नत्था ने सुनाई व्यथा, पढ़ाई-लिखाई की होती तो आज और कुछ होता

**मुंबई (ईएमएस)।** एक साधारण से किसान परिवार में जन्मे ओंकार दास माणिकपुरी को लोग हिंदी फिल्म पीपली लाइव में निभाए गए किरदार नत्था के नाम से जानते हैं। राजनांदगांव के महुआभाठा में जन्में ओंकार दास ने बताया कि पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगता था। लेकिन रामलीला या नाचा देख-देखकर उस-ाकी नकल अच्छे तरीके से कर लेता था। बाद में रिश्तेदारों ने घरवालों को सलाह दी कि बच्चे में प्रतिभा है, इसे पढ़ाओ। तब लौटकर मैंने महुआभाठा में पढ़ाई शुरू की। 12 साल की उम्र में पांचवीं तक मैंने पढ़ाई की। आज यह सोचकर अफसोस होता है कि अच्छे से पढ़ाई लिखाई हुई होती, तो जीवन में और आगे बढ़ने का मौका मिलता। नत्था ने छत्तीसगढ़ में भी एक्टर बनने के लिए काफी संघर्ष किया। बिंदानगर में एक नाटक मंडली से जुड़ा, वहां कुछ सीखा। फिर लोक संगीत और नाचा मंडली से जुड़कर थोड़ी-बहुत कमाई भी हो जाती थी। कई बार तो खुद अपनी जेब से खर्च करने के बाद मंच पर मौका मिल पाता था। मैं लोक गीत गाता था, लेकिन शुरूआती दिनों में पब्लिक को मेरे गाने या मेरी प्रस्तुति पसंद नहीं आती थी। मगर धीरे-धीरे स्थितियां बदली और आज लोग मुझे पसंद करने लगे हैं। उन्होंने नत्था के रोल पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अनेक रहस्यमयी बातें बताई। उन्होंने कहा कि पीपली लाइव का रोल मिलने के पीछे रोचक कहानी है। नवां किसान ग्रुप में रहने के दौरान 1999 में कुष्ठ रोग के ऊपर नाटक करने का मौका मिला। आखिरी शो जिस दिन था, उस दिन हबीब तनवीर जी भी आए थे। परफॉर्मेंस से पहले हमारे निर्देशक ने कहा कि आज ऐसा शो दिखाओ, ताकि कुछ लोगों का भला हो जाए। उस दिन हमने जो नाटक किया, वह देखकर हबीब साहब और उनकी बेटी ने हमारा अपने थियेटर के लिए चयन कर लिया। वह मेरी जिंदगी का बड़ा मोड़ है। 2006 में हबीब साहब से किसी बात पर तकरार हो गई थी। इसलिए उनके ग्रुप से निकल आया। तब मेरे पास कोई काम नहीं था। इस दौरान मैं सब्जी का ठेला लगाने लगा। हालत यहां तक पहुंच गई कि आलू-प्याज बेचने लगा। फिर कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी करने लगा। इसी दौरान भोपाल से एक साथी का फोन आया कि आमिर खान की फिल्म में तुझे मौका मिल सकता है। ऑडिशन देने गया तो सबका नंबर आया, लेकिन मुझे बुलाया ही नहीं गया। मुझे दूसरे दिन आने को कहा गया। दूसरे दिन मैं बिना नहाये, बगैर शेविंग किए ही ऑडिशन देने पहुंच गया। वहीं मुझे एक डायलॉग मिला- का भैया, जोरु के मरने पर भी पैसा मिलत है का? वह डायलॉग बोलकर मैं चला आया। आयोजक में से एक ने कहा कि आपको बाद में फोन करेंगे। फिर 10 दिनों के बाद मुंबई से आमिर खान के यहां से फोन आया कि आपको नत्था के रोल के लिए चुना गया है। इसके कुछ दिनों के बाद फिर आमिर खान से भी मुलाकात हुई। फिल्म रिलीज होने से पहले लगता था कि फिल्म में न आमिर खान है न शाहरुख खान, इसे कौन देखने आएगा। फिल्म की शूटिंग के दौरान एक महीने तक नहाया भी नहीं। हम लोगों ने काफी कठिनाई के माहौल में फिल्म पूरी की।

# रकुल प्रीत ने शुरू की आई लव यू की तैयारी

## -एक्ट्रेस सीन के लिए 14 घंटे तक पानी में रहीं

**मुंबई (ईएमएस)।** आने वाली फिल्म आई लव यू की एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एक्ट्रेस को दो मिनट 30 सेकंड के लिए पानी के अंदर रहना पड़ा। फिल्म की तैयारी के लिए एक्ट्रेस ने वह सब कुछ किया जो वह पानी में रहकर कर सकती थी! एक्ट्रेस ने कहा, भावनाओं को गहराई से समझने के लिए फिल्म के लिए मुझे एक खास तरह की सोच की जरूरत थी। कुल मिलाकर, मैंने अपनी भावनाओं के साथ सही मायने में जुड़ने के लिए एक महीने तक कड़ी तैयारी की। अंडरवाटर सीक्वेंस के लिए ट्रेनिंग पर अजहान एडनवाला नाम के एक स्कूबा प्रि-शक्षक थे जिन्होंने मुझे दो मिनट 30 सेकंड के लिए अंडरवाटर होल्ड करने के लिए ट्रेंड किया।सीक्वेंस दोपहर 2 बजे से सुबह 4 बजे तक शूट किया गया था। उसे दिन और रात दोनों सीक्वेंस के लिए पानी के नीचे शूट करना था। तो मैंने उसके कुछ सेंशन किए। कुल मिलाकर, भावनाओं से जुड़ने और फिल्म के लिए शारीरिक प्रशिक्षण के लिए हर रोज मेहनत की। उन्होंने आगे कहाः अंडरवाटर सीक्वेंस को शूट करने की सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि मैं दोपहर 2 बजे से लेकर सुबह 4 बजे तक पानी में थी और मैं पूरे दिन गीली थी और पानी बहुत ठंडा था।वे हर शॉट के बाद मेरे ऊपर गर्म पानी डाल रहे थे ताकि मेरा शरीर ज्यादा ठंडा न हो जाए। पानी में क्लोरीन की वजह से आपकी आंखों में जलन हो रही थी, जोकि एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन मैंने वास्तव में इस चुनौती का आनंद लिया। रकुल प्रीत सिंह और पावेल गुलाटी स्टारर रोमांटिक थ्रिलर आई लव यू 16 जून को जियोसिनेमा पर अपने डायरेक्ट-टू-डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी हैं।

# काजोल की वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज

एक्ट्रेस काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज द ट्रायल को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। काजोल की इस वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। वेब सीरीज द ट्रायल के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर काजोल पहुंची थीं। वहीं, काजोल के पति अजय देवगन भी इस मौके पर मौजूद रहे। वेब सीरीज द ट्रायल के मौके पर काजोल ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं। काजोल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। काजोल अपने पति अजय देवगन के साथ बात करती दिखीं। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर दोनों को पैपराजी को अपने कैमरे में कैद किया है। वेब सीरीज द ट्रायल के ट्रेलर लॉन्च के मौके से जो काजोल की तस्वीर सामने आई है। इसमें देखा जा सकता है कि काजोल ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं। बता दें कि काजोल अपनी एक्टिंग के साथ ही अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं।

# रूपाली गांगुली ने हर पुरस्कार को बताया खास, राजन सेठी की हुई तरीफ

**मुंबई(ईएमएस)।** एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने हर पुरस्कार को खास बताते हुए अपना विजन सामने रखा है। रूपाली गांगुली का अनुपमा वाला किरदार हर भारतीय गृहिणी के मन में बसा हुआ है, उन्होंने शोरनर राजन सेठी की तारीफ करते हुए उन्हें एक मास्टर किस्सागो बताया है। मुंबई में आयोजित 9वें आइकॉनिक इंटरनेशनल अवार्डस के मौके पर बोलते हुए रूपाली ने कहा, जब हमने यह शो शुरू किया, तो राजन सर ने मुझसे कहा कि वह चाहते हैं कि मैं इसके लिए हर पुरस्कार जीतूं और वह चाहते हैं कि मैं पुरस्कार लेने के लिए हर पुरस्कार समारोह में जाऊं। मेरे लिए हर अवॉर्ड खास होता है, और मैं हर उस जगह जाऊंगी जहां मेरे काम, मेरे शो और राजन सर को पहचान मिले। बता दें कि शो ने कई पुरस्कार जीतें हैं। रूपाली ने शो के लिए अपने विजन के बारे में बात करते हुए कहा कि राजन सर एक मास्टर किस्सागो हैं। वह क्या सोचते हैं, क्यों सोचते हैं और कैसे सोचते हैं, कोई नहीं समझ सकता। उन्होंने कहा कि यहां तक कि हम कलाकार भी शो की आने वाली कहानी के बारे में नहीं जानते। मुझे लगता है कि हमें उनसे पूछने का कोई अधिकार नहीं है। यह उनकी कहानी है, उनके किर-दार हैं। हम केवल एक्टर्स हैं, जिन्हें हमसे जो भी करने को कहा जाता है, उसे करना होता है। उनके विजन का कोई अंदाजा नहीं लगा सकता। वह कहानी कहने के मास्टर हैं। राजन श-ाही के डायरेक्टर कुट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित अनुपमा जुलाई 2020 से सोनी टीवी पर चल रहा है और आज देश में टॉप रेटेड टीवी शो है।

# सुदीप्तो सेन के निर्देशन में तैयार हो रही सहाराश्री की बायोपिक

**मुंबई (ईएमएस)।** द केरला स्टोरी को निर्देशित करने वाले सुदीप्तो सेन अपने नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर रहे हैं। वे निमार्ता संदीप सिंह की अगली फिल्म को निर्देशित करने जा रहे हैं। अब वे डॉक्टर जयंतीलाल गाडा के साथ मिलकर सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सुब्रत रॉय के जीवन पर आधारित फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं, इसके निर्देशन की जिम्मेदारी सुदीप्तो सेन को सौंपी गई है। द केरला स्टोरी का निर्देशन करने के बाद, जो बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है, सुदीप्तो सेन एक और प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं। यहां गौरतलब है कि सहाराश्री नाम की आगामी फिल्म बिजनेस टाइकून और सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सुब्रत रॉय के जीवन पर आधारित होगी। 10 जून को सुब्रत रॉय के जीवन के 75 साल पूरे होने पर, निमार्ता संदीप सिंह और डॉ. जयंतीलाल गाडा ने सहाराश्री के लिए निर्देशक सुदीप्तो सेन के साथ हाथ मिलाया है। यह बायोपिक बिजनेस मैग्नेट सुब्रत रॉय के दिनों की एक मनोरंजक कहानी को उजागर करती है, जो अपेक्षाकृत अज्ञात इकाई के रूप में भारत के सबसे प्रभावशाली और गतिशील व्यक्ति के रूप में उभरती है, जिसके बारे में देश में हर कोई जानता था। सुब्रत रॉय की जीवन कहानी सिडनी शेल्डन उपन्यास की तरह पढ़ती है। निर्देशक ने कहा कि बायोपिक को फिल्माना किसी भी फिल्म निमार्ता के लिए कभी भी आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा, बायोपिक का निर्देशन किसी भी फिल्म निमार्ता के लिए हमेशा एक चुनौतीपूर्ण काम होता है। एक फिल्म के लिए एआर रहमान, गुलजार, संदीप सिंह और डॉ। जयंतीलाल गड़ा का एक साथ होना बहुत बड़ी बात है। फिल्म की घोषणा के बीच, प्रशंसक अभी भी सोच रहे हैं कि सुब्रत रॉय की भूमिका कौन निभाएगा? इसके लिए शीर्ष सुपरस्टार्स पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही एक नाम का खुलासा किया जाएगा। यह फिल्म अगले साल की शुरूआत में फ्लोर पर जाएगी और इसे बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, कोलकाता और लंदन में शूट किया जाएगा।

# जरा हटके जरा बचके की कमाई 50 करोड़ के पार

फिल्म जरा हटके जरा बचके ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। सारा अली खान और विक्की कौशल की फिल्म को रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो गए है।सारा अली खान और विक्की कौशल की लीड रोल वाली इस फिल्म ने 10वें दिन बॉक्स ऑफिस जो कमाई की वो उम्मीदों से परे जाकर हुई है। फिल्म ने कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। 40 करोड़ रुपये में बनी फिल्म ने कुछ ही दिनों में बजट से ज्यादा कमाई कर ली है। इन सब के बाद अब विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके की कमाई के नए 10वें दिन के आंकड़े सामने आ गए है।विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके की कमाई के आंकड़ों को देखने के बाद फैंस और मेकर्स काफी खुश दिखाई दिए। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म ने 10वें दिन 7.02 करोड़ रुपये कमाए है। इसके साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 53.55 करोड़ रुपये हो गया है।

# भरी महफिल में लिपलॉक किया जेनिफर और बेन ने

हॉलीवुड एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक दोनों अपनी केमिस्ट्री से फैंस का दिल जीतने में कभी असफल नहीं होते। बीते दिनों जेनिफर और बेन को लॉस एंजिल्स में नई फिल्म द फ्लैश के प्रीमियर में स्पॉट किया गया, जहां दोनों भरी महफिल में लिपलॉक करते नजर आए और अपनी बॉन्डिंग से सबका ध्यान खींचते दिखे। कपल की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। रेड कार्पेट पर पोज देते कपल ने सरेआम सबके सामने एक दूजे लिपलॉक करते दिखे। दोनों की इस केमिस्ट्री ने फैंस का दिल जीत लिया।तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बेन और जेनिफर रेड कार्पेट पर जबरदस्त बॉन्डिंग बना रहे हैं और एक दूजे की बाहों में पोज दे रहे हैं। इस दौरान जेनिफर डीप नेक ब्लैक ब्लेजर के साथ न्यूड कलर की लॉन्ग स्कर्ट में काफी हॉट लग रही हैं। जबकि उनके पति ब्लैक पैंटसूट में जबरदस्त दिख रहे हैं।

# नोरा, अभिषेक ने किया कजरा रे पर डांस

बालीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय पर सुपरहिट गाना ह्यकजरा रे फिल्माया गया था। बंटी और बबली का यह गाना आज भी पाटियों और शादियों का हिस्सा रहता है। इसी गाने पर नोरा फतेही और अभिषेक को एक बार फिर थिरकते हुए देख लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें अभिषेक बच्चन ह्यकजरा रे गाने पर नोरा फतेही के साथ डांस करते दिख रहे हैं। इस दौरान दोनों ने ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग की है। नोरा ने ब्लैक बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वहीं अभिषेक बच्चन भी ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। नोरा फतेही ने यह डांस वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया है। इस वीडियो में नोरा और अभिषेक बच्चन कई अन्य लोगों के साथ पार्टी में झूमते नजर आ रहे हैं।

# मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के प्रमोशन के लिए पहुंचे पटना

**पटना, (हि.स.)।** बॉलीवुड फिल्म स्टार मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के प्रमोशन को लेकर बुधवार को पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत को याद करते हुए कहा कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री आज भी उन्हें भूला नहीं पाई है। उनके करीबियों के साथ हमलोग भी उन्हें याद करते हैं। आज सुशांत सिंह राजपूत की तीसरी पुण्यतिथि है। अपनी फिल्म के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि 'सिर्फ एक बंदा काफी है' फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म का उद्देश्य बाल सुरक्षा को लेकर समाज को जागरूक करना है। इस फिल्म में मैंने सोलंकी नाम के वकील का किरदार निभाया है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। अब दर्शकों की डिमांड पर इसे कई बड़े स्क्रीन पर रिलीज किया गया है।

**बिहार में फिल्म पॉलिसी को जल्द कार्यान्वित करने की अपील की –** फिल्म के प्रमोशन के बाद उन्होंने बिहार में फिल्म इंडस्ट्री के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी याद से बात कर अपना सुझाव रखा। उन्होंने यहां के लिए बनी फिल्म पॉलिसी को जल्द से जल्द कार्यान्वित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पॉलिसी आने के बाद सभी फिल्म इंडस्ट्री के लोग बिहार आकर फिल्म शूट करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे बिहार की फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनेगी। इससे ज्यादा हम बिहारियों के लिए और क्या खुशी होगी।

**पटना एयरपोर्ट और गांधी घाट पर फैंस की रही भीड़ –** इससे पूर्व पटना एयरपोर्ट पर मनोज बाजपेयी की झलक पाने के लिए उनके फैंस और चाहने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान मनोज बाजपेयी भी काफी उत्साहित दिखे और फैंस का अभिवादन किया। मनोज बाजपेयी अपने दो दिनों के कार्यक्रम के लिए बिहार आए हैं। अपने दो दिनों के बिहार विजिट में मनोज बाजपेयी अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसी कड़ी में वे पटना के खूबसूरत गांधी घाट भी गए। जहां उनकी एक झलक पाने के लिए प्रशंस-ाकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जहां उन्होंने अपने फैंस का अभिवादन किया।

## सूडोकु नवताल- 6463

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -6462 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

## शब्दजाल - 7210

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मु | हु | मे | रि | दु | ला | रा | ल | च | ट | र्जी |
| का | खु | क | दू | इं | जी | ने | शि | या | ड़ | नी |
| ब | पी | जा | ल्हे | र | ग | बा | द | ह | प | ल |
| ला | ग | ए | रा | जा | बा | बू | ल | ह | लि | प्रे |
| व | र | रा | जा | जी | ह | ला | कि | यो | प | म |
| ल | इ | वि | मो | ग | प | वा | शी | ह | गी | श |
| न | अ | ल | रा | व | मा | जो | न | व | प | क्ति |
| क | रि | ल | र | य | र | ह | त्या | ल | वि | रे |
| र | या | बा | बे | ह | न | ज | जी | शा | जू | ड्डी |
| र | ग | ल | नो | ला | व | शि | का | री | टि | ल |
| बां | स | सा | ज | न | च | ले | स | सु | रा | ल |

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला,राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा,साजन चले ससुराल,शिकारी, अलबेला,हत्या,राजाजी

**शब्दजाल - 7209 का हल**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | रा | जें | द्र | कु | मा | य | वा | ज | पे | यी |
| द | गा | ल | प्रे | व | जी | म | द | ह | कां | रा |
| वि | स | की | म | को | ह | रा | म | ल | ख | म |
| मि | स | स | क | दि | वा | ज | ध | त्रि | श | दु |
| श | आ | र | ग | स | ज | ना | तू | दे | झ | प |
| न | ल | ला | र | दि | म | उ | ती | व | घ | रिं |
| क | व | रि | फ्यू | जी | प | बा | ज | ती | व | दा |
| श | एं | वा | ई | द | ब | र्ड | डू | ए | श | न्हा |
| मी | ड | ल | फू | ल | औ | र | आ | ग | शी | आ |
| र | गॉ | ल | प | लि | जी | शी | ला | कौ | ल | द |
| वि | ज | अ | ग्नि | सा | क्षी | डि | त | ब | प | म |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग-6163

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 1 | | | 2 | | 3 |
| | 35 | 6 | 30 | 1 | 32 | 7 |
| 7 | 5 | | 3 | | 4 | |
| | 29 | 2 | 31 | 4 | 31 | |
| 2 | 4 | | | | 6 | |
| | 29 | | 40 | 5 | 34 | 6 |
| 5 | 1 | 3 | | 7 | | |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 6162 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| 2 | 39 | 1 | 29 | 6 | 26 | 5 |
| 5 | 6 | 7 | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 4 | 30 | 2 | 25 | 1 | 34 | 6 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 6 | 30 | 6 | 39 | 4 | 35 | 3 |
| 3 | 5 | 4 | 6 | 7 | 1 | 2 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# श्रीलंका-पाकिस्तान में होगा एशिया कप: भारत का कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं होगा, फाइनल मुकाबला श्रीलंका में

**कोलंबो।**

इस बार का एशिया कप हाईब्रिड मॉडल में पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने गुरुवार को टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन के वेन्यू का ऐलान कर दिया है। 31 अगस्त से 17 सितंबर के बीच आयोजित होने जा रही इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। जारी वेन्यू सूची में शहरों के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है।

### 4 मुकाबलों की मेजबानी करेगा पाक, श्रीलंका 9

इस सीजन के 4 मुकाबले पाकिस्तान में होंगे। जबकि 9 मुकाबलों का आयोजन श्रीलंका में किया जाएगा। इन मुकाबलों के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 6 टीमें को दो समूहों में बांटा गया है। हर ग्रुप की दो टीमें सुपर-4 राउंड में प्रवेश करेंगी। सुपर-4 राउंड के टॉप पर रहने वाली टीमें के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

### पाकिस्तान में कौन-कौन से मैच होंगे

एशिया कप में शुरुआती ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान और नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान और बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका और बांग्लादेश और श्रीलंका मैच शामिल हैं।

### श्रीलंका में कौन-कौन से मैच होंगे

श्रीलंका में ग्रुप स्टेज से भारत और पाकिस्तान और भारत और नेपाल मैच खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों ग्रुप से टॉप-2 स्थान पर रहने वाली टीमें सुपर-4 में पहुंचेंगी। सुपर-4 के सभी मैच और फाइनल भी श्रीलंका में ही खेले जाएंगे।

### विवादों में रही मेजबानी

एशिया कप के मौजूदा सीजन की मेजबानी विवादों में रही है। एसीसी ने इसके आयोजन का जिम्मा पाकिस्तान को दिया था, लेकिन एसीसी प्रेसिडेंट और बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पाकिस्तान में भारतीय टीम भेजने से इंकार कर दिया। ऐसे में पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में टीम भेजने से इंकार कर दिया।

### जानिए एशिया कप को लेकर विवाद क्यों

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि टीम इंडिया खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना। हालांकि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया था। हाइब्रिड मॉडल के मुताबिक, भारत के मैच पाकिस्तान के अलावा किसी और देश में करा दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### ईशान किशन ने दलीप ट्रॉफी में खेलने से किया इनकार, कहीं डेब्यू से पहले ही खत्म न हो जाए टेस्ट करियर

**नई दिल्ली।** ईशान किशन को ऋषभ पंत की वापसी से पहले भारतीय टेस्ट टीम में विकेटकीपर की पहली पसंद के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, ईशान किशन ने वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में नहीं खेलने के फैसले से सभी को चौंका दिया है। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन के पास ईस्ट जोन का प्रतिनिधित्व करने का मौका था। भारत का घरेलू टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 28 जून से 16 जुलाई तक आयोजित होगा। ईशान किशन के पास ईस्ट जोन की कप्तानी करने का मौका था, लेकिन अब अभिमन्यू ईस्वरन टीम की कमान संभालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ईस्ट जोन चयन समिति के सदस्य ने कहा कि उन्होंने जोनल चयन समिति के संयोजक देबाशीष चक्रवर्ती से पूछा था कि किशन का चयन करेंगे। चयनकर्ता ने कहा, भारतीय सीमित ओवर टीम का हिस्सा होने के नाते ईशान किशन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जाती। उन्होंने आगे कहा, देबाशीष चक्रवर्ती फोन पर किशन से संपर्क में थे और उन्होंने बताया कि ईशान की दलीप ट्रॉफी में खेलने की दिलचस्पी नहीं हैं। हमें नहीं बताया गया कि वो चोटिल है कि नहीं। बस यही पता चला कि वो खेल नहीं रहे हैं। ईशान किशन जहां सीमित ओवर क्रिकेट में पारी की शुरुआत करने के कड़े दावेदार हैं, वहीं उनका टेस्ट डेब्यू अब तक नहीं हुआ है। ईशान किशन को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम में शामिल करने की काफी पैरवी की गई थी क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में केएस भरत का प्रदर्शन सराहनीय नहीं रहा था। हालांकि, भारतीय टीम ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में केएस भरत को ही आजमाया और उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रन की करारी शिकस्त सहनी पड़ी। ईशान किशन ने अब तक 48 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें 38.76 की औसत से 2985 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 शतक और 16 अर्धशतक जमाए। यह भी जानकारी मिली कि ईशान किशन के दलीप ट्रॉफी में खेलने से इनकार करने के बाद त्रिपुरा चयनकर्ता जयंत डे ने ऋद्धिमान साहा से संपर्क साधा।

### अर्जुन तेंदुलकर समेत 20 खिलाड़ियों को एनसीए कैंप बुलाया गया: अगस्त में तीन हफ्ते का होगा कैंप, अंडर-23 एशिया कप है टारगेट

**नई दिल्ली।** युवा ऑलराउंडर खोजने के लिए बीसीसीआई ने में 20 ऑलराउंडर को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में कैंप के लिए बुलाया गया। कैंप अगस्त महीने में लगभग 3 हफ्ते का होगा। इसमें सचिन तेंदुलकर के बेटे और गोवा के रणजी प्लेयर अर्जुन तेंदुलकर भी शामिल है। एक सोर्स ने बताया कि इस साल अंडर - 23 एशिया कप होना है, इस कारण बीसीसीआई यंग ऑलराउंडर की तलाश में है। एनसीए के अध्यक्ष वीवीएस लक्ष्मण चाहते है कि हर फॉर्मेट में भारत के पास शानदार ऑलराउंडर हो। सोर्स के मुताबिक सीनियर नेशनल सिलेक्शन कमेटी के इंटरिम चेयरमैन शिव सुंदर दास ने प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया है।

### एशेज से शुरू होगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल 2023-25: टीम इंडिया वेस्टइंडीज दौरे से करेगी शुरुआत; इन दो सालों में तीन देशों का करेगी दौरा

**नई दिल्ली।** वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अगले सीजन की शुरुआत 16 जून से हो रही है। इस सीजन की पहली सीरीज इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली एशेज सीरीज होगी। उसके बाद भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। जो नए सीजन में भारत की पहली सीरीज होगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का साइकल दो साल के लिए चलता है। इस दो साल के दौरान भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड समेत कई बड़ी बाइलैटरल (द्विपक्षीय) टेस्ट सीरीज में शामिल होगा। भारत सहित सभी नौ टीमें इन दो साल में कुल छह-छह टेस्ट सीरीज खेलेंगी, इसमें तीन घर में और तीन सीरीज विदेश में खेलेंगी। भारत इन दो सालों में न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश के साथ घर में टेस्ट सीरीज खेलेगा। वहीं टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का एक टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 2019 में हुई थी। चैंपियनशिप में टेस्ट खेलने वाली 9 टीमें हिस्सा लेती हैं। हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में तीन सीरीज अपने घर में और तीन सीरीज घर से बाहर खेलनी होती हैं। सभी टीमों की निर्धारित सीरीज खत्म होने के बाद टेबल की टॉप-2 टीमें फाइनल में पहुंचती हैं।

यूएफा पर अव्यवस्था का आरोप

# 65 हजार का टिकट लेने के बाद भी पानी के लिए भटके फैंस; 7 घंटे तक करना पड़ा इंतजार

**इस्तांबुल/मैनचेस्टर।**

इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के चैंपियंस लीग चैंपियन बनने के साथ ही यूरोप में क्लब फुटबॉल का सीजन खत्म हो गया। अब यूरोपियन फुटबॉल को चलाने वाली संस्था यूएफा अगले सीजन की तैयारी शुरू करेगी।

फुटबॉल के जानकारों का कहना है कि यूएफा को अगले सीजन के लिए तैयारी कुछ ऐसी करनी चाहिए, ताकि फैंस को परेशानियां न हों। दरअसल, इस्तांबुल में शनिवार को चैम्पियंस लीग का फाइनल सिटी और इंटर मिलान के बीच खेला गया था।

### यूएफा को इस सीजन करीब 31 हजार करोड़ रुपए) की कमाई हुई

इसमें इतनी ज्यादा अव्यवस्थाएं थीं कि वह वर्ल्ड क्लास इवेंट लग ही नहीं रहा था। यूएफा को इस सीजन में 3.5 बिलियन यूरो (करीब 31 हजार करोड़ रुपए) की कमाई हुई।

### फैंस को पानी के लिए जूझना पड़ा

फाइनल के टिकट भी 6 से 65 हजार रुपए तक के बीच थे, फिर भी फैंस के लिए कोई सहूलियतें नहीं थीं। कुछ फैंस ने यूएफा पर जानवरों की तरह बर्ताव करने का आरोप लगाया है। फैंस को पानी तक के लिए जूझना पड़ा।

### जाम से बचने के लिए 7 घंटे पहले पहुंचे फैंस

यूएफा ने फैंस से कहा था कि वे ट्रैफिक जाम से बचने के लिए दोपहर 3 बजे यानी मैच शुरू होने से 7 घंटे पहले फैन पार्क पहुंच जाएं। जब फैंस वहां पहुंचे, तब भी लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई थीं।

वहां पर सभी फैंस की एयरपोर्ट सरीखी सुरक्षा जांच चल रही थी। उन्हें स्कैन किया जा रहा था। उनकी पानी की बॉटल तक जब्त कर ली गई थी। फैंस को फैन पार्क के अंदर जाकर पानी की बॉटल लेनी पड़ रही थीं।

इस सुरक्षा जांच के बाद फैंस को बस के जरिए स्टेडियम तक ले जाया गया। इस शटल बस में बैठने से पहले पुलिस द्वारा फिर से पानी की बॉटल ले लीं गई।

### 27 किमी दूरी के लिए दो घंटे लगे

फैन पार्क से स्टेडियम तक की दूरी सिर्फ 27 किमी थी, जो दो घंटे से ज्यादा समय में पूरी हो सकी। कुछ को इससे ज्यादा वक्त भी लगा। कुछ फैंस ने तो यह दूरी पैदल चलकर पूरी करना मुनासिब समझा।

टॉयलेट तक की व्यवस्था नहीं थी। कई फैंस प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल करते दिखे। फैन पार्क से स्टेडियम पहुंचने में कुछ फैंस को 4 घंटे तक का समय लगा।

वहां बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगी हुई थीं, जिन पर लिखा था कि बार और फूड स्टैंड्स बंद हो गए हैं और सभी को स्टेडियम में जाना होगा। उस समय मैच शुरू होने में तीन घंटे बाकी थे।

मास्टरकार्ड द्वारा स्पॉन्सर इस मेगा इवेंट में कार्ड मशीन काम नहीं कर रही थीं और फैंस को कुछ भी खरीदने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। मैच खत्म होने के बाद तो चीजें और भी खराब हो गई थीं।

फैंस को दौड़कर शटल बस पकड़नी पड़ीं। जो फैंस व्हीलचेयर पर थे, उन्हें साथवालों ने उठाकर बस या कार तक पहुंचाया। फैंस को मैच खत्म होने के बाद सिटी सेंटर तक पहुंचने में चार घंटे लग गए।

बीसीसीआई ने जारी किया लीड स्पॉन्सर के लिए टेंडर

# अल्कोहल, तंबाकू और सट्टेबाजी जैसी कंपनियां नहीं लगा सकेंगी बोली

**नई दिल्ली।**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के लीड स्पॉन्सर के अधिकारों के लिए टेंडर बुलाए हैं। बीसीसीआई ने जारी टेंडर में कहा, अल्कोहल, तंबाकू, सट्टेबाजी, रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर), क्रिप्टोकरंसी और पोर्नोग्राफी या जो कंपनी सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे उस तरह के ब्रांड को इस बोली (बिड) में शामिल नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

**प्रतिबंधित ब्रांड कैटेगरीज** - एथलीजर एंड स्पोर्ट्सवियर मैन्युफैक्चरर, अल्कोहल, सट्टेबाजी, क्रिप्टोकरंसी, रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर)

**तंबाकू** - जो कंपनी सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे मार्च 2023 तक बाँयजू था टीम इंडिया का लीड स्पॉन्सर मार्च 2023 तक बाँयजू टीम इंडिया का लीड स्पॉन्सर था। टीम के खिलाड़ियों के जर्सी पर सामने की ओर बाँयजू लिखा दिखता था। यह कॉन्ट्रैक्ट अब खत्म हो चुका है। यही वजह है कि टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में बिना स्पॉन्सर वाली जर्सी के साथ मैदान पर उतरी थी।

**टेंडर भरने की आखिरी तारीख 26 जून** - बीसीसीआई ने लीड स्पॉन्सर के लिए इनविटेशन टु टेंडर रिलीज किया है, पांच लाख प्लस जीएसटी के साथ खरीद सकता है। इसे भरने की आखिरी तारीख 26 जून है। बता दें, पिछले ही महीने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एडिडास के साथ 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इंडियन मेंस क्रिकेट टीम के अलावा एडिडास विमेंस सीनियर नेशनल क्रिकेट टीम, इंडिया ए, इंडिया बी और अंडर-19 मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम की जर्सी को भी स्पॉन्सर करेगा। बता दें, जुलाई में टीम इंडिया वेस्टइंडीज का दौरा करने वाली है।

# सिंगल टेस्ट में बांग्लादेश की मजबूत शुरुआत: पहले दिन स्कोर 362/5, अफगान के खिलाफ शांतो का शतक

**मीरपुर।**

मेजबान बांग्लादेश ने इकलौते टेस्ट में अफगानिस्तान के खिलाफ मजबूत शुरुआत की है। टीम ने पहले दिन स्टंप्स तक 5 विकेट पर 362 रन बना लिए हैं। मीरपुर में चल रहे इस मुकाबले में नजमुल हसन शांतो ने शतकीय पारी खेली है। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मुश्फिकुर रहीम 41 और मेहदी हसन मिराज 43 रन पर नाबाद लौटे।

### 6 रन पर गंवाया हसन का विकेट

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 6 रन के टीम स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। यहां ओपनर जाकिर हसन एक रन के निजी स्कोर पर निजत मसूद का शिकार बने। उन्हें मसूद ने विकेटकीपर अफसर जजाई के हाथों कैच कराया।

### शांतो-जॉय की डबल सेंचुरी पार्टनरशिप

हसन का विकेट गंवाने के बाद खेलने आए नजमुल हसन शांतो ने ओपनर महमुदौल हसन जॉय के साथ पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 267 बॉल पर 212 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने पहली पारी में टीम की मजबूत शुरुआत पर अहम भूमिका निभाई। इस साझेदारी को रहमत शाह ने हसन जॉय को आउट करते हुए तोड़ा।

### शांतो ने बनाए 146 रन

बांग्लादेश की ओर से नजमुल हसन शांते ने करियर का तीसरा शतक जमाया। उन्होंने 175 बॉल पर 83.42 के स्ट्राइक रेट से 146 रन बनाए। शांतो की पारी में 23 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। शांतो को अमिर हमजा ने नासिर जमाल के हाथों कैच कराया।

### निजत ने चटकाए 2 विकेट

अफगानिस्तान की ओर से निजत मसूद ने दो विकेट लिए, जबकि जाहिर खान, आमिर हमजा और रहमत शाह को एक-एक सफलताएं मिलीं।

# इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल से बाहर हुईं सिंधु लक्ष्य सेन पर भारी पड़े किदांबी श्रीकांत

**नई दिल्ली।**

दो बार की ओलंपिक विजेता पीवी सिंधु गुरुवार को चीनी ताइपे की ताई जू-यिंग से हार का सामना करना पड़ा। इसके चलते सिंधु इंडोनेशिया ओपन 2023 के प्री क्वार्टर से बाहर हो गईं। सिंधु वुमन्स सिंगल्स के राउंड-2 में सीधे गेम में हार गईं। सिंधु 16 राउंड में जू-यिंग के खिलाफ 18-21, 16-21 से हार गईं। इस हार के साथ सिंधु जू-यिंग से 19-5 से पीछे हो गई हैं।

**स्पेन की कैरोलिना मारिन से जू-यिंग का मुकाबला**- क्वार्टर फाइनल में जू-यिंग का सामना स्पेन की कैरोलिना मारिन से होगा। शुरुआत के कुछ मिनटों में सिंधु को अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते हुए देखा गया। ऐसे में जू-यिंग ने लगातार चार प्वाइंट्स जीतकर शुरुआती बढ़त बना ली। पूर्व नंबर वन चैंपियन सिंधु ने कुछ देर बाद एक प्वाइंट हासिल किया जब जू-यिंग ने एक मामूली सी गलती की।

**सिंधु पर बनाया दबदबा**- जू-यिंग ने चतुराई से सिंधु को अपने एक शॉट पर फंसाया, जिसका वह जवाब देने में असमर्थ रही। पूरे खेल में दौरान जू-यिंग सिंधु पर अपना दबदबा बनाए रखा। सिंधु के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद वह चीनी ताइपे के शॉट्स के खिलाफ संघर्ष करती नजर आई। खेल के आगे बढ़ने के साथ ही सिंधु की उम्मीदों पर पानी फिरता हुआ नजर आया।

**सिंधु की एकाग्रता में कमी का उठाया फायदा**- जू-यिंग को पहला गेम में जीत मिली। सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी की और स्थिति को अपने ओर मोड़ने का संकल्प लिया। इस बीच सिंधु ने मैच में पहली बार बढ़त भी हासिल की, जिससे वापसी की उम्मीद जगी। जू-यिंग ने सिंधु की एकाग्रता में कमी का फायदा उठाया और लगातार स्मैश और शॉट्स खेलना शुरू किया, जिससे सिंधु हैरान रह गईं। जू-यिंग ने लगातार छह प्वाइंट्स का दावा करते हुए अपनी जीत पर मुहर लगाई।

**मेन्स सिंगल्स से बाहर हुए लक्ष्य सेन**- सिंधु की इस हार के साथ इंडोनेशिया ओपन 2023 में वुमन्स सिंगल्स का सफर खत्म हो गया है। दूसरी ओर मेन्स सिंगल्स में भारत के किदांबी श्रीकांत ने ही हमवतन लक्ष्य सेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। किदांबी श्रीकांत का अगला मुकाबला चीन के ली शी फेंग से होगा।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग में एक गेंद पर 2 डीआरएस

# अश्विन ने थर्ड अंपायर के फैसले पर लिया रिव्यू, ऐसा करने की वजह भी बताई

**चेन्नई।**

**तमिलनाडु प्रीमियर लीग में त्रिचि और डिंडिगुल ड्रैगन्स के मैच में एक ही गेंद पर दो डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) लिए गए। विकेट के पीछे लिए गए कैच को फील्ड अंपायर ने सही करार दिया, जिसके बाद त्रिचि के बल्लेबाज ने थर्ड अंपायर का सहारा लिया और वह नॉट आउट करार दिया गया। इस फैसले से डिंडिगुल ड्रैगन्स टीम के कप्तान आर अश्विन खुश नहीं थे।**

उन्होंने फैसले को चुनौती दी और रिव्यू ले लिया। हालांकि, थर्ड अंपायर अपने फैसले पर कायम रहे और बल्लेबाज नॉटआउट रहा।

### अश्विन की अंपायर से बहस हुई, लेकिन बल्लेबाज नॉट आउट रहा

दरअसल डिंडिगुल ड्रैगन्स और त्रिचि के बीच मुकाबला खेला गया। त्रिचि के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच के 13वें ओवर में डिंडिगुल ड्रैगन्स की ओर से आर अश्विन गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की आखिरी गेंद पर त्रिचि के बल्लेबाज राजकुमार मिस कर गए और गेंद विकेटकीपर के हाथों में चली गई। कैच की अपील की गई। फील्ड अंपायर ने आउट करार दिया बैटर राजकुमार ने डीआरएस लिया। थर्ड अंपायर ने टीवी रिप्ले देखने के बाद माना कि गेंद बल्ले से

नहीं बल्कि बल्ला जमीन से टकराने के कारण अल्ट्रा एज पर लाइन दिखाई दे रही है। उन्होंने फील्ड अंपायर के फैसले को पलटते हुए बल्लेबाज को नॉट आउट करार दिया। इसके बाद आर अश्विन ने थर्ड अंपायर के फैसले पर रिव्यू ले लिया। इस दौरान आर अश्विन की फील्ड अंपायर से हल्की बहस भी हुई। वहीं, थर्ड अंपायर ने दूसरी बार भी टीवी रिप्ले देखने के बाद अपने पहले वाले फैसले पर ही कायम रहे और बल्लेबाज को नॉट आउट दिया।

### अश्विन ने रिव्यू लेने की बताई वजह

मैच के बाद अश्विन ने थर्ड अंपायर के फैसले पर रिव्यू लेने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर देखकर मुझे लगा कि आउट था। इस टूर्नामेंट में डीआरएस नया है। किनारा लगने पर अल्ट्राऐज पर स्पाइक आम तौर पर बल्ले पर गेंद लगने से पहले दिखाता है। ऑन फील्ड अंपायर के फैसले को पलटने के लिए निर्णायक सबूत होना चाहिए। उन्होंने इसे पलट दिया, मैं थोड़ा खुश नहीं था। इसलिए, मैंने रिव्यू लिया उम्मीद कर रहा था कि अंपायर इसे एक अलग एंगल से देखेंगे और अपने पहले वाले फैसले पर विचार करेंगे। इस मैच को डिंडिगुल ड्रैगन्स ने 6 विकेट से जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिचि ने 19.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 120 रन बनाए। 121 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी डिंडिगुल ड्रैगन्स ने 14.5 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान 122 रन बना लिए।

### डब्लूपीएल में भी एक गेंद पर 2 बार डीआरएस लिया था

टीएनपीएल की तरह विमेंस प्रीमियर लीग में भी ऐसा हुआ था। दरअसल इस साल मार्च में डब्लूपीएल में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स के बीच मुकाबला था। मुंबई इंडियंस बल्लेबाजी कर रही थी। पांचवें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन की पांचवीं गेंद हेली मैथ्यूज के पैड्स पर लगी। यूपी वॉरियर्स ने अपील की। इसे फील्ड अंपायर ने नकार दिया। इसके बाद यूपी वॉरियर्स ने डीआरएस लिया और थर्ड अंपायर ने इसे आउट करार दिया। मुंबई इंडियंस की टीम इस फैसले से नाखुश थी। बल्लेबाज मैथ्यूज ने थर्ड अंपायर के फैसले पर रिव्यू ले लिया। बाद में थर्ड अंपायर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने अपना फैसला बदल कर मैथ्यूज को नॉटआउट करार दिया।

## कहीं आपका टूथपेस्ट दांतों को चमकाने के बजाय आपको बीमार तो नहीं कर रहा...!

क्या आपके टूथपेस्ट में जहर है? अगर आपने अब तक इसके बारे में नहीं सोचा है तो अब सोचना शुरू कर दीजिए क्योंकि जो खुलासा हुआ है उसे जानकर आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से पहले हजार बार सोचेंगे.

हम आपको आज टूथपेस्ट से जुड़ी हुई खबर के बारे में बताने जा रहे हैं. टॉक्सिक लिंक नाम की एक एनजीओ ने दावा किया है कि ज्यादात्तर टूथपेस्ट में खतरनाक कैमिकल मिले हैं जो कि जहर के रूप में आपके शरीर में जा रहा है.

आपके टूथपेस्ट में जहर का दावा किया जा रहा है. दरअसल, टूथपेस्ट के जरिए जहर आपके शरीर में जा रहा है. टॉक्सिक लिंक नाम की संस्था का दावा है कि ज्यादात्तर टूथपेस्ट में ट्राईक्लोसन नामक केमिकल मिला होता है जो कि केमिकल के रूप में एक किस्म का जहर है. इसका असर ये होगा कि आप कैंसर और लीवर की गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था टॉक्सिक लिंक के प्रवक्ता प्रशांत कुमार का कहना है कि हमने लगभग 22 सैंपल की जांच की है जिनमें से तकरीबन 16 सैंपल्स में से ट्राईक्लोसन नामक केमिकल मिला है. बेशक, इन टूथपेस्ट में ट्राईक्लोसन की मात्रा किसी में कम या ज्यादा है. अब भारत में ट्राईक्लोवसन पर बैन की मांग की जा रही है. आपको जानकर हैरानी होगी सिर्फ टूथपेस्ट ही नहीं बल्कि नहाने के साबुन और हाथ धोने वाले सैनिटाइजर में भी ये कैमिकल बहुत अधिक मात्रा में है. जबकि दावा ये किया जाता है कि साबुन या सैनिटाइजर के इस्तेमाल से बैक्टीरिया के आक्रमण से बचा जा सकता है. लेकिन सच ये नहीं है जो विज्ञापनों में बताया जाता है.

## काली गर्दन से हैं परेशान, तो इन घरेलू उपाय से करें गोरा

आज का समय फैशन का समय हैं। जिसमें हर कोई आगे रहने की होड़ लगाए रहता हैं। इस होड़ में कई ऐसी चीजे होती हैं। जिसके कारण हम अच्छे खासे परेशान भी हो जाते हैं। एक तरफ भागदौड़ भरी जिंदगी। दूसरी तरफ हम खुद पर इतना ध्यान नहीं दे पाते है। जिसके कारण न जाने कितनी स्किन प्राब्लम शुरु हो जाती हैं। अगर गर्दन काली हो तो चेहरे की सुंदरता भी फीकी पड़ने लगती है। कई लोग तो इसे साफ करने के लिए खूब रगड़ते भी है, लेकिन इससे आपको निजात नहीं मिलती है, बल्कि आपकी गर्दन भी लाल हो जाती हैं। अगर आप इससे निजात पाना चाहते है तो हम आपको अपनी खबर में कुछ घरेलू उपाय बता रहे है। जिनके इस्तेमाल से आप आसानी से अपनी काली गर्दन को गोरा कर सकते है। जानिए इन उपायों के बारे में।

**बेकिंग सोडा :** बेकिंग सोड़ा के बारे में तो आप अच्छी तरह जानते होगे। इसके इस्तेमाल आप खाने में करते है, लेकिन आप ये नहीं जानते है कि ये सौंदर्य के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इसके इस्तेमाल से आप आसानी से काली गर्दन को गोरा कर सकते है। इसके लिए 1 चम्मच पानी के साथ 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर अपनी गर्दन पर लगा लें। इसके बाद इसे सूखने दें। जब ये सूख जाएं, तो इसे साफ पानी से धो लें। अगर आप जल्द प्रभाव चाहते है, तो हफ्ते में कम से कम दो बार लगाएं।

**आलू :** आलू सेहत के साथ-साथ सौंदर्य के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इसके लिए कच्चे आलू को घिस कर सीधे गर्दन पर लगाए। इसके अलावा आप आलू का रस और नींबू का रस को मिलाकर इस पेस्ट को गर्दन में लगाएं। इसके बाद इसे कम से कम 20 मिनट लगा रहेने दे। इसके बाद साफ पानी से इसे धो लें। इससे आपको फायदा मिल जाएगा।

# ये फायदे हैं बच्चे को डेकेयर में छोड़ने के

डेकेयर में भेजने के फैसला का सबसे उजला पहलू यह है कि आपके बच्चे को उसी की उम्र के बच्चों को साथ मिलेगा। इस तरह के माहौल में आपका बच्चा सोशल होना सीखेगा। यहां से उसे प्री-स्कूल और किंडरगार्टन जाने में भी आसानी होगी। वो जल्दी से जगह के माहौल के अनुरूप खुद को ढालना सीख लेगा।

एक शेड्यूल में रहना बच्चों की सबसे बड़ी जरूरत होती है। रूटीन नहीं होगा तो बच्चे चिढ़चिढ़े भी बन सकते हैं। डेकेयर में उन्हें तयशुदा वक्त पर सारे काम करना होंगे। यह शायद वो चीज है जो अभी तक आप भी अपने बच्चे को नहीं दे पाए हैं। अभी तक तो वो कभी भी सोता और कभी भी खाता था। हो सकता है यह आपको उसके लिए थोड़ा जल्दी लगे, लेकिन वो दुनिया के कायदे जल्दी से सीख भी तो रहा है।

यह तय है कि आपका बच्चा सर्दी और कीटाणु भी साथ लेकर लौटेगा। अगर कुछ वक्त वो और घर पर बिताता तो शायद ऐसा नहीं होता। वैसे अध्ययन बताते हैं कि जब वो स्कूल जाएगा तो साथी बच्चों की तुलना में कम बीमार रहा करेगा क्योंकि हो सकता है दूसरे बच्चे डे केयर में नहीं रहे हों और उनका इम्यून सिस्टम इतना मजबूत नहीं हो। उम्र के हिसाब से डेकयर में बच्चों को क्राफ्ट्स में बिजी रखा जाता है, उन्हें लेसन सिखाए जाते हैं। इससे वे सोचना शुरू करते हैं। उसका असर आपको तब दिखेगा जब वे स्कूल में अच्छे ग्रेड्स लेकर आएंगे। यह भी पक्का है कि डेकेयर में रहे बच्चों बौद्धिक क्षमताएं, आम बच्चों से ज्यादा ही होती हैं।

> किसी भी मां के लिए अपने बच्चे को डेकेयर में भेजना एक मुश्किल फैसला होता है। कई बार यह जरूरी हो जाता है और आपको तय करना ही होता है। ये कुछ बातें आपको यह मुश्किल फैसला लेने में मदद करेंगी...

भले ही अपने बच्चे को डेकेयर में अजनबियों के भरोसे छोड़ना और उसकी देखभाल करने की इजाजत देना मुश्किल फैसला हो, लेकिन यह भी जरूरी है कि बतौर महिला या मां आपको अपने बच्चों से अपने लिए थोड़ा वक्त चुराना भी जरूरी है। अपनी समस्याओं के हल के लिए, आराम और खेल के लिए आपको भी कुछ वक्त चाहिए, ऐसा करेंगी तो ही अच्छी मां भी बन पाएंगी।

# करें सिर्फ एक योगासन और पाएं डार्क सर्कल से निजात

आप ये बात तो अच्छी तरह से जानते है कि हमारे शरीर के लिए योग बहुत ही जरुरी है। योग करने से हमारे शरीर में स्फूर्ति के साथ हर तरह की बीमारी से बचाता हैं। आज के समय में तो योग को चिकित्सा से जोड़ दिया गया है। अब डॉक्टर्स भी हर बीमारी में योग करने की सलाह देते है।

योग करने से सेहत के साथ-साथ आपको सौंदर्य भी मिलता है। लेकिन आप यह बात नहीं जानते होगे कि योगासन से आप डार्क सर्कल से निजात पा सकते है। हम डार्क सर्कल से निजात पाने के लिए क्या नहीं करते है।

महंगे से मंहगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। या फिर किसी के द्वारा बताए गए उपायों को अपनाते हैं। जिससे निजात तो मिल जाते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर इसी समस्या का सामना करना पडता है। लेकिन इस योग को करने से आपको कभी भी डार्क सर्किल की समस्या नहीं होती है। इस योगासन का नाम है हस्तपदासन। जानिए इसे करने की विधि के बारें में।

हस्तपदासन को करने से सिर्फ डार्क सर्कल ही नहीं खत्म होते हैं, बल्कि इसे करने से पेट की मांसपेशिया मजबूत होती है, रक्त संचार, कमर दर्द आदि से निजात मिलता है। जानिए इसे योगासन को करने की विधि के बारें में।

### ऐसे करें योगासन

सबसे पहले एक दरी बिछा लें, इसके बाद इसके ऊपर खड़े हो जाएं और अपने पैरों को दूर करें, जितना की आपके कंधे एक-दूसरे से हैं। फिर दोनों हाथों को सीधा करें और ऊपर की ओर ले जाएं, इससे आपकी रीढ़ की हड्डी पर जोर पडेगा। अब धीरे से झुकें और फर्श को अपनी हथेली से छुएं और सिर को घुटने से टच करें। इस प्रकार आपके शरीर में लचीलापन आ जाएगा। हथेली से फर्श को छूते हुए धक?का न लगाएं और अब अपनी उंगलियों के पोरों से फर्श को छूना शुरू करें। सहज होने तक ही छुएं। इससे आपको आराम मिलेगा। इसके बाद सामान?य तरीके से सांस लें और आसन करने के दौरान जोर न लगाएं। आराम से आसन करें। इस आसन को करने से आपको अच्छी नींद आएगी। जिससे आपको डार्क सर्कल की समस्या से निजात मिल जाएगा। आज के समय में डार्क सर्कल होने का मुख्य कारण पूरी नींद न लेना है।

## कैरियर

# मीडिया सेक्टर में मिल रहे हैं नए प्लेटफॉर्म पर ढेरों मौकें

गुजरते वक्त के साथ पत्रकारिता का चेहरा, उसके तेवर और कलेवर सब बदल रहे हैं। सूचनाओं के संप्रेषण के लिए समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या रेडियो ही विकल्प नहीं रहे, बल्कि डिजिटल और सोशल मीडिया के साथ-साथ स्मार्टफोन जैसे प्लेटफॉर्म से भी देश-दुनिया की खबरें मिल रही हैं। मगर इन सभी में एक कला का खास प्रयोग होता है, वह है लेखन।

कहते भी हैं कि कलम की ताकत और धार तलवार से अधि?क होती है। शायद यही वजह है कि वर्तमान पीढ़ी का मोह पत्रकारिता से भंग नहीं हुआ है। अगर आपके अंदर भी खबरों और घटनाओं को सूक्ष्मता से देखने, समझनेपरखने, समीक्षा करने की काबिलियत है, तो मास कम्युनिकेशन में स्वयं को आजमा सकते हैं।

### संभावनाएं

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आने से मास कम्युनिकेशन में संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अखबार, मैग्जीन, न्यूज एजेंसी, टीवी, रेडियो, इंटरनेट पोर्टल्स, प्रोडक्शन हाउस, प्रेस सूचना ब्यूरो, पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट के अलावा डायरेक्टरेट ऑफ एडवरटाइजिंग एंड विजुअल पब्लिसिटी, सूचना प्रसारण मंत्रालय आदि में काम करने के बेहतर

अवसर हैं। आप फ्रीलांसर के रूप में भी पेशे से जुड़ सकते हैं। आप रिपोर्टर, स्तंभकार, फोटोग्राफर, रिसर्चर, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, पब्लिकेशन डिजाइन, फिल्ममेकिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, कॉपी एडिटिंग के अलावा बतौर समाचार विश्लेषक करियर बना सकते हैं।

### स्पेशलाइजेशन

मीडिया वर्ल्ड के अंतर्गत प्रिंट, जर्नलिज्म, टीवी जर्नलिज्म, एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, सिनेमा, रेडियो, थिएटर, डिजिटल और सोशल मीडिया सभी आते हैं। मास कम्युनिकेशन के तहत ही इन सभी की पढ़ाई होती है। प्रिंट में रिपोर्टिंग, एडिटिंग, लेआउट डिजाइनिंग के विकल्प हैं, जबकि टेलीविजन में रिपोर्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, वीडियो एडिटिंग जैसे विकल्प हैं।

### रिपोर्टिंग और डेस्क

एक पत्रकार डेस्क और फील्ड, दोनों क्षेत्रों में काम कर सकता है। डेस्क वर्क में कॉपी राइटिंग और संपादन का कार्य होता है। जो थोड़े बहिर्मुखी होने के अलावा खबरों के अंदर छिपे सच को सामने लाने की काबिलियत रखते हैं, वे फील्ड ऑप्शन यानी रिपोर्टिंग चुन सकते हैं।

### डिमांड कंटेट राइटर्स की

भारत में टेक्नोलॉजी ने डिजिटल और सोशल मीडिया के अलावा अखबारों को भी विस्तार दिया है। प्रिंट, टेलीविजन, एडवरटाइजिंग, डिजिटल और सोशल मीडिया सेक्टर में काफी ग्रोथ देखी जा रही है।
**- एन आर मोहंती,** (निदेशक, जेआइएमएमसी, नोएडा)

### प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड मास कम्युनिकेशन, नोएडा- कानपुर
- एडिट वर्क्स, नोएडा
- एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली
- द दिल्ली फिल्म इंस्टीट्यूट



# भगवान हनुमान से जानिए जीवन में सफल होने के 3 स्पेशल फ़ॉर्मूले

हर मनुष्य को अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होता है। क्योंकि बिना संघर्ष के सफलता नहीं पाई जा सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण स्वयं भगवान हनुमान हैं। जैसे - रामभक्त हनुमान ने भी लंका जाने के लिए और वहां माता सीता को खोजने के लिए बहुत संघर्ष किया था। इसलिए मनुष्य को संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसी प्रकार जामवंत भी लंका विजय के अभियान में सबसे बुजुर्ग वानर थे। जब हम सुंदरकांड का पाठ शुरू करते हैं तो शुरुआत में ही उनके नाम का उल्लेख आता है, वह हमें सीख देता है कि

### भगवान हनुमान से जानिए सफलता के 3 सूत्र

हम अपने बुजुर्गों का सम्मान करें।

**1. सफलता का पहला सूत्रः** सक्रियता। जैसे हनुमानजी हमेशा सक्रिय रहते थे। वैसे ही मनुष्य का तन हमेशा सक्रिय रहना चाहिए और मन निष्क्रिय होना चाहिए। मन का विश्राम ही मेडीटेशन है। आप मन को निष्क्रिय करिए तो जीवन की बहुत-सी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

**2. सफलता का दूसरा सूत्र हैः** सजगता। मनुष्य को हमेशा सजग रहना चाहिए। यह तभी संभव है, जब उसका लक्ष्य निश्चित होगा। इससे समय और ऊर्ज़ा का सदुपयोग होगा। इसका उदाहरण यह है कि स्वयं हनुमानजी ने लंका यात्रा के दौरान कई तरह की बाधाओं का सामना किया। सबसे पहले उन्होंने मैनाक पर्वत को पार किया, जहां पर भोग और विलास की सारी सुविधाएं उपलब्ध थी, लेकिन हनुमानजी ने मैनाक पर्वत को केवल छुआ। अन्य चीजों पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

इसके बाद उन्हें सुरसा नामक राक्षसी मिली। इसे पार करने के लिए हनुमानजी ने लघु रूप धारण किया। हनुमानजी का यह लघु रूप हमें बताता है कि दुनिया में बड़ा होना है, आगे बढ़ना है तो छोटा होना पड़ेगा। छोटा होने का तात्पर्य यहां आपके कद से नहीं आपकी विनम्रता से है, यानी हमें विनम्र होना पड़ेगा।

**3. सफलता का तीसरा सूत्रः** सक्षम होना यानी मनुष्य को तभी सफलता मिल सकती है, जब वह सक्षम होगा। सक्षम होने का मतलब केवल शारीरिक रूप से ही सक्षम होना नहीं है, बल्कि तन, मन और धन तीनों से सक्षम होना है। जब हम इन तीनों से पूरी तरह सक्षम हो जाएंगे तभी हम सफलता को प्राप्त कर सकेंगे।

# डायबिटीज रोगी क्या खाएं और क्या नहीं



अगर आपको पिछले कुछ दिनों से बार-बार पेशाब आती है या पेशाब में जलन होती है तो जांच करवाएं। जांच के दौरान अगर ब्लड सुगर लेवल हाई निकलता है तो आपको अपनी जीवनशैली में कुछ परिवर्तन करने की आवश्यकता है और खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। ताकि आप डायबटीज के मरीज न होने पाएं। जानें, मधुमेह के रोगियों को अधिक पानी क्यों पीना चाहिए आपको अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना आवश?यक है जो शरीर में शर्करा को कम कर दें यानि, आलू, चीनी मिठाईयां, मीठे बिस्कुट, चॉकलेट, कॉर्बोनेटेड ड्रिंक, कंडेस्ड मिल्क, क्रीम और अन्य फैट युक्त भोजन का सेवन बंद कर दें। यहां तककि जंक फूड, कुक़ीज और प्रिर्ज्वड फूड का सेवन भी न करें

ग्रीन टी पिएं, या इसके बदले आप कोई हर्बल टी भी पी सकते हैं। डायबटीज में सबसे अच्छी ब्लूबेरी लीफ टी होती है। दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, इससे भी काफी लाभ मिलेगा।

अगर कुछ स्वीट बनाना हो, तो शहद का इस्तेमाल करें, इसमें प्राकृतिक मिठास होती है जो शरीर को हानि नहीं पहुँचाता है। पाम सुगर का इस्तेमाल भी इमरजेंसी में किया जा सकता है। बिना वसायुक्त दूध का सेवन करें और अगर दूध ताजा हो, तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

साबुत अनाज, फल, नट्स, सब्जियां और दूध से बने उत्पादों को अपनी डाइट में शामिल कर लें। खीरा, लेट्टस, प्याज, लहसुन, स्ट्रिंग बीन्स, मूली, टमाटर, गाजर, पालक, शलजम, वंदगोभी और आटिचोक का सेवन अवश्य करें। ये डायबटीज होने पर शरीर को ताकत देती हैं और शरीर में शर्करा का स्तर बढ़ने नहीं देती हैं।

हाईफाइबर फूड खाने से शरीर को ऊपर से इंसुलिन डोज देने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। क्योंकि ऐसी खुराक में क्रोमियम होता है जो डायबटीज से फाइट करता है।

प्रतिदिन पौटेशियम युक्त भोजन, जैसे; रॉ नट्स, टमाटर, केला, खरबूजा, सूखी मटर, एप्पल सिडर सिरका, पाउडर मिल्क और गेंहू का सेवन अवश्य करें। इससे शरीर को ऊर्ज़ा मिलती है और पौटेशियम की कमी दूर होती है। साथ ही इन खाद्य पदार्थों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो लाभकारी होती है। फूड चार्ट में दलिया, राजमा, काले चने, मटर आदि भी शामिल करें।

# सेटिंग बदलकर विंडोज 10 पर करें स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड

ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज 10 को लॉन्च हुए एक साल हो गया है। दुनियाभर में 36 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। इस ऑपरेटिंग सिस्टम में कुछ ऐसे छिपे हुए फीचर हैं जो कंप्यूटर पर काम को आसान और तेज बनाते हैं। कंप्यूटर में जिस तरह स्क्रीनशॉट लिया जाता है उसी तरह किसी एप की वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। स्टार्ट मेन्यू में अपनी जरूरत के हिसाब से एप शामिल कर सकते हैं।

### स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड करें

कंप्यूटर पर यूजर अगर गेम खेलते समय उसे रिकॉर्ड करना चाहते हैं तो स्क्रीनशॉट की तरह उसकी वीडियो भी रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस सुविधा का इस्तेमाल कंप्यूटर पर खुली हुई किसी भी एप की वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जीमेल और आउटलुक जैसी एप से मेल भेजते समय उसकी वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। हालांकि इससे डेस्कटॉप स्क्रीन की वीडियो रिकॉर्ड नहीं की जा सकती। इसके लिए सबसे पहले विंडोज की' के साथ कीबोर्ड में जी (द्वबद्धदधबप द्यद्गभ + क्व) के बटन को दबाएं। इसके बाद एक नई कमांड खुलेगी जिसमें गेम बार खोलने के बारे में पूछा जाएगा तो 'यस' के विकल्प पर क्लिक कर दें। यहां एक छोटी



पट्टी के रूप में गेम बार खुलेगा। इसमें रिकॉर्ड के आइकन पर क्लिक कर दें। इस वीडियो को एक्सबॉक्स एप के वीडियो फोल्डर में देख सकते हैं।

### कोरटाना पर पाएं गूगल सर्च के रिजल्ट

विंडोज 10 में कोरटाना का फीचर मौजूद है जिसके जरिए कंप्यूटर पर बोलकर कुछ भी सर्च करने की कमांड दे सकते हैं। हालांकि यह बिंग सर्च इंजन का इस्तेमाल करता है। अगर इसमें गूगल सर्च इस्तेमाल करना चाहते हैं तो फायरफॉक्स को अपना डिफॉल्ट वेब ब्राउजर बनाएं। इसके लिए स्टार्ट मेन्यू में सेटिंग के विकल्प पर जाएं। सेटिंग में 'सिस्टम' और उसके बाद 'डिफॉल्ट एप' का विकल्प चुनें। यहां वेब ब्राउजर में मोजिला फायरफॉक्स को अपना डिफॉल्ट ब्राउजर सलेक्ट कर लें। इसके बाद कोरटाना में वॉयस कमांड देने पर यह मोजिला के सर्च रिजल्ट दिखाएगा। अगर मोजिला में गूगल सर्च नहीं दिखा रहा है तो ब्राउजर की सेटिंग में सर्च के विकल्प पर 'गूगल' सिलेक्ट कर दें।

### स्टार्ट मेन्यू में पसंदीदा साइट पिन करें

विंडोज 10 में स्टार्ट मेन्यू को अपनी पसंद के हिसाब से सेट किया जा सकता है। किसी भी एप जैसे रिसाइकल बिन, वेब ब्राउजर को स्टार्ट मेन्यू में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए किसी भी एप को राइट क्लिक करने के बाद 'पिन टू स्टार्ट' के विकल्प पर क्लिक कर दें। यह एप स्टार्ट मेन्यू में शामिल हो जाएगी। इसके अलावा पसंदीदा वेबसाइट को भी स्टार्ट मेन्यू में शामिल किया जा सकता है। । माइक्रोसॉफ्ट के एज ब्राउजर में उस वेब पेज पर जाएं जिसे स्टार्ट मेन्यू में पिन करना चाहते हैं। यहां ब्राउजर में ऊपर दिए गए तीन डॉट के विकल्प पर क्लिक करें। इसके नीचे 'पिन टू स्टार्ट' का विकल्प दिया गया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**